THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 133 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.1 2083 गुरुवार, 13 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जेपीसी के पास भेजा गया एफसीआरए संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। एफसीआरए संशोधन विधेयक को जेपीसी के पास भेजने की सहमति बन गई है। बिल को जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पेश किया, जो पारित हो गया। प्रस्तावित जेपीसी (जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) में कुल 31 सदस्य होंगे, जिनमें से 21 सदस्य लोकसभा से और 10 सदस्य राज्यसभा से होंगे। प्रस्ताव में कहा गया कि विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक 2026 को सदनों की एक संयुक्त समिति को भेजा जाए, जिसमें लोकसभा के माननीय अध्यक्ष द्वारा मनोनीत इस सदन के 21 सदस्य और राज्यसभा के माननीय सभापति द्वारा मनोनीत 10 सदस्य होंगे। समिति को विधायी प्रावधानों की गहन जांच करने का काम सौंपा गया है।

‘मैं आज भी मां की कमी महसूस करता हूं’

> पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा के विमोचन पर भावुक हुए पीएम

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित किया।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति की जमकर तारीफ की और उनके जीवन संघर्ष को प्रेरणा बताया। इस दौरान पीएम मोदी ने अपनी मां का भी जिक्र किया और उनका जिक्र कर भावुक भी हुए।

पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति की जमकर तारीफ की

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की इस आत्मकथा का शीर्षक ‘ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स’ है। आत्मकथा में रामनाथ कोविंद के जीवन की कहानी है। इसमें उनके शुरुआती वर्षों से लेकर सार्वजनिक जीवन और भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में सेवा तक के अनुभवों, संघर्षों और उपलब्धियों का ब्योरा है। इस किताब के विमोचन के अवसर पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति की तारीफ करते हुए कहा, ‘राष्ट्रपति के रूप में उनका मार्गदर्शन और उनका स्नेह, उनकी आत्मीयता मेरी बहुत बड़ी पूंजी रही।’ पीएम मोदी ने कहा, ‘मैंने उनके जीवन को जितना समझा है, उनकी कार्यक्षमताओं को जितना जाना है, मैं विश्वास से कह सकता हूं कि रामनाथ कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और भारतीय समाज की धरोहर बनेगी।’ इसके बाद पीएम मोदी ने कहा, ‘रामनाथ कोविंद ने छोटी सी उम्र में मां को खो दिया। मैं तो भाग्यशाली रहा हूं कि मेरी मां 100 वर्ष से अधिक जीवित रहीं और मुझे आशीर्वाद देती रहीं, इसके बावजूद मैं मां की कमी महसूस करता हूं। ऐसे हालात में कोई भी टूट सकता है, लेकिन रामनाथ कोविंद को उन मुश्किल हालात ने और मजबूत बनाया।’

> हमें भविष्य में रामनाथ कोविंद जैसे अनेकों युवा चाहिए, जो परेशानियों से परास्त न हों, जो मुश्किलों से मायूस न हों बल्कि अपनी मेहनत से हर मंजिल को आसान बनाने का हौसला रखें। इसी बदलाव से सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प पूरा होगा।
>
> **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

‘भविष्य में रामनाथ कोविंद जैसे अनेकों युवा चाहिए’

पीएम मोदी ने कहा कि हमें भविष्य में रामनाथ कोविंद जैसे अनेकों युवा चाहिए, जो परेशानियों से परास्त न हों, जो मुश्किलों से मायूस न हों बल्कि अपनी मेहनत से हर मंजिल को आसान बनाने का हौसला रखें। इसी बदलाव से सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प पूरा होगा। यहीं से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का रास्ता बनेगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, ‘हमारे पूर्वजों ने सदियों तक संघर्ष किया। महात्मा गांधी, बाबा साहेब अंबेडकर, ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले... ऐसी कितनी महान विभूतियों ने भारत के नवनिर्माण का सपना देखा था। एक ऐसा भारत जहां गरीब से गरीब, वंचित से वंचित को शिखर तक पहुंचने का अवसर मिल सके।

जब पीएम ने प्रियंका से पूछा- कैसी हैं आप

कांग्रेस सांसद बोलीं-अच्छी हूं; खड़गे ने कहा-भाई साहब आप बदल गए, मोदी हंस दिए

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम मोदी का कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी के साथ एक मजाकिया वीडियो सामने आया है। करीब 12 सेकेंड की क्लिप में मोदी विपक्षी सांसदों से हालचाल पूछ रहे हैं। पीएम ने प्रियंका से पूछा-आप कैसी हैं? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि मैं अच्छी हूं, आप कैसे हैं। हालांकि प्रियंका वीडियो में दिख नहीं रही हैं। लेकिन पीएम के सामने खड़े खड़गे मोदी के कंधे पर हाथ रखकर बोलते हैं कि भाई साहब आप बदल गए हैं। इस पर मोदी ने हंसते हुए जवाब दिया कि अच्छा सच में। यह वीडियो एनसीपी नेता सुप्रिया सुले की बेटी रेवती की शादी के रिसेप्शन का है। समारोह सोमवार की शाम दिल्ली में हुआ था।

गृह मंत्री शाह ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

‘मैं विरोधियों के सवालों का जवाब दूंगा’

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र का आज 18वां दिन है। विपक्ष कई दिनों से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में पुलिस की कथित ज्यादती अन्य मुद्दों पर जवाब की मांग कर रहा है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुरुवार को वह दोपहर तीन बजे तक सभी सवालों का जवाब देंगे।

विपक्ष के विरोध पर गृह मंत्री अमित शाह ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा, सभी लोग अपने सवाल लिखकर दें। मैं कल तीन बजे सभी सवालों का जवाब दूंगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, सबसे पहले ‘लापता’ और ‘भाग गए’ जैसे शब्द अब भारत के सार्वजनिक और संसदीय जीवन में लगातार सुनने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं सत्र शुरू होने के बाद से लगातार संसद आ रहा हूं। मैं अपने कक्ष में बैठता हूं। लेकिन विपक्ष दोनों सदनों में संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा है। ऐसे में कोई क्या कर सकता है? चर्चा को लेकर शाह ने कहा कि हमारे संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ कर दिया है कि सरकार नीट परीक्षाओं के विरोध को लेकर पूरी चर्चा के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा, हमने चर्चा के लिए समय तय करने और विपक्ष के तैयार रहने की बात कही थी। यह उनकी शुरुआती मांग थी और हमने इसे मान लिया था। शाह ने कहा, मैंने भी कहा है कि मैं संसद में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं। लेकिन वे चर्चा ही नहीं होने देना चाहते। उन्होंने कहा, अब जनता तय करे कि भाग कौन रहा है। शाह ने विपक्ष से कहा कि वह आज दोपहर तीन बजे तक लोकसभा अध्यक्ष को एक पत्र दे। उन्होंने कहा कि सरकार आज दोपहर तीन बजे से कल दोपहर तीन बजे तक हर पहलू पर चर्चा के लिए तैयार है। शाह ने कहा, मैं सदन में बैठूंगा। मैं सभी की बात सुनूंगा और हर मुद्दे का जवाब दूंगा।

> विपक्ष आज दोपहर तीन बजे तक लोकसभा अध्यक्ष को एक पत्र दे। सरकार आज दोपहर तीन बजे से कल दोपहर तीन बजे तक हर पहलू पर चर्चा के लिए तैयार है। मैं सदन में बैठूंगा। मैं सभी की बात सुनूंगा और हर मुद्दे का जवाब दूंगा।
>
> **अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री**

हम उन्हें सुनना ही नहीं चाहते : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का साफ कहना है कि हम अमित शाह के भाषण को सुनना ही नहीं चाहते। मेरा ‘हम’ से मतलब देश की युवा पीढ़ी से है। राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह में हिम्मत ही नहीं है और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

बुधवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ‘हम बस जानना चाहते हैं कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं? किसने इसके आदेश दिए? लाठीचार्ज के आदेश किसने दिए? वो आदेश गृह मंत्रालय से दिए गए। क्या अमित शाह ने आदेश दिए या नहीं। अगर उन्होने इसके आदेश दिए तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि वे दोषी हैं और अगर उन्होंने आदेश नहीं दिए तो भी उन्हें इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि वे पद के योग्य नहीं हैं।’ राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह 20 दिनों से संसद में नहीं आ रहे हैं। वे गाड़ियों के काफिले के साथ संसद आते हैं। उनके घर के बाहर पुलिस की कई गाड़ियां खड़ी हुई हैं कि कहीं कोई छात्र न आ जाए। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। जब राहुल गांधी अपनी बात रख रहे थे, तभी एक पत्रकार ने बीच में ही सवाल कर दिया, जिससे राहुल गांधी नाराज हो गए और पत्रकार से कहा कि ‘आप सत्ता पक्ष के लोगों को भी क्या इसी तरह से बीच में टोकते हैं? हमें 24 घंटा टोकते रहते हैं, लेकिन उन्हें टोकने की आपकी हिम्मत नहीं है।

नीट पेपर लीक में सीबीआई की चार्जशीट पर संज्ञान

*** कोर्ट में आज से आरोपों पर सुनवाई होगी शुरू**

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दाखिल आरोप पत्र पर संज्ञान लिया है। यह आरोप पत्र सीबीआई ने अपनी विस्तृत जांच के बाद अदालत में प्रस्तुत किया था। अदालत अब इस मामले में लगाए गए आरोपों पर सुनवाई शुरू करने की तैयारी में है। कल से आरोपों को सुनवाई शुरू होगी।

जस्टिस यशवंत केस : जांच समिति ने तीनों आरोपों में माना दोषी

घर से मिले नोटों पर नहीं मिला संतोषजनक जवाब

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े कैश कांड में जांच समिति की रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से गठित जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सही माना है।

रिपोर्ट में उन्हें दोषी करार दिया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस मामले में किसी प्रकार की साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। मामला दिल्ली में जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास से नकदी मिलने और उसके बाद शुरू हुई जांच से जुड़ा है। जांच समिति ने नकदी की मौजूदगी, उससे जुड़े साक्ष्यों के रखरखाव और जस्टिस वर्मा की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। समिति ने अपने निष्कर्ष में जज को दोषी माना है। रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली के 30, तुगलक क्रिसेंट स्थित आधिकारिक आवास के स्टोररूम में पर्याप्त संख्या में 500 रुपये मूल्यवर्ग के नोट मिले थे। समिति ने कहा कि जज यह संतोषजनक ढंग से स्पष्ट नहीं कर सके कि ये नोट वहां कैसे पहुंचे, उनका स्रोत क्या था और उनका स्वामित्व किसका था? रिपोर्ट के अनुसार स्टोररूम में मौजूद भौतिक साक्ष्यों को सुरक्षित या संरक्षित नहीं किया गया। समिति ने कहा कि कानूनी तरीके से सील करने और निरीक्षण से पहले स्टोररूम की स्थिति बदल गई थी। बाद में नकदी के नोट उपलब्ध नहीं रहे।

एमएलए विशेषाधिकार पर सुप्रीम कोर्ट का मंथन

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की सात जजों वाली संविधान पीठ 6 अक्तूबर से विधायकों के विधायी विशेषाधिकार के दायरे और उसके अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार पर प्रभाव से जुड़े मामले की सुनवाई शुरू करेगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को सुनवाई की तारीख तय की। मामला विधायकों के विशेषाधिकार की व्याख्या और संविधान के तहत मिले मौलिक अधिकारों के साथ इसके संबंध से जुड़ा है।

Creative Visualisation. Images used are for illustration purposes only. | Applicable T&C available at the dealership. | **As certified by Kantar IMRB for an OEM platform for end-to-end usage as on November 28, 2025. | #543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. | Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years/1 00 000 km (whichever is earlier) with an option of extending the same on payment basis to 5 years/1 40 000 km and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components.

'टीडीपी का आरोप : आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री जगन ने रायलसीमा की तरक्की रोकी

विजयवाड़ा, 12 अगस्त (एजेंसियां)। टीडीपी एमएलसी भूमिरेड्डी रामा गोपाल रेड्डी ने रायलसीमा के विकास पर पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के दावों पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि वाईएसआरसीपी लीडरशिप अपने पांच साल के शासनकाल में अधूरे या नज़रअंदाज़ किए गए सिंचाई प्रोजेक्ट्स के बारे में जवाब देने के बजाय इस इलाके में राजनीतिक कार्यक्रम क्यों कर रही है। एमएलसी ने कहा कि मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू की पिछली टीडीपी सरकार ने रायलसीमा, खासकर इसके सिंचाई सेक्टर के सर्वांगीण विकास के लिए 102 प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन सरकार ने जाओ। सुश्री नहीं।. 365 के ज़रिए इस इलाके की तरक्की को असल में रोक दिया। उन्होंने कहा कि जगन को यह बताना चाहिए कि उनकी सरकार इस इलाके के हितों की रक्षा करने में क्यों नाकाम रही।

'क्या हम चुपचाप बैठे रहें'

मीडिया के सवाल पर बिफरीं प्रियंका? गृह मंत्री पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को एक बार फिर जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने पुलिस कार्रवाई, प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर सरकार से जवाब मांगे। मीडिया से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि जब युवा अपने भविष्य के लिए आवाज उठाते हैं तो उनके साथ होने वाले व्यवहार के लिए कौन जिम्मेदार है?

मीडिया के सवाल पर हुईं नाराज

दरअसल बुधवार को जब प्रियंका गांधी संसद भवन परिसर पहुंची तो उन्हें कई मीडिया कर्मियों ने घेर लिया। इस दौरान पत्रकारों ने संसद में जारी गतिरोध पर प्रियंका गांधी की प्रतिक्रिया मांगी। इस पर प्रियंका गांधी नाराज हो गईं और पूछा कि 'आप क्या चाहते हैं? जब हजारों छात्र इकट्ठा होते हैं और उनकी एक ही मांग होती है तो आप उन पर लाठियां बरसाते हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों पर बल प्रयोग किया जाता है, पैलेट गन का इस्तेमाल किया जाता है। बिहार में एके 47 चलाई जाती है और हम सरकार से सवाल भी न करें। हम भी चुपचाप बैठे रहें, जैसे आप लोग चुप हैं?'

प्रियंका गांधी ने कहा- विपक्ष चुप नहीं रहेगा

प्रियंका गांधी ने लोकतांत्रिक जवाबदेही का मुद्दा उठाया और पूछा कि क्या गृह मंत्री अपने आप को जनता के प्रति जवाबदेय मानते हैं या नहीं? उन्होंने कहा, 'क्या आप जनता के प्रति जवाबदेय नहीं हैं? इसलिए हमें भी शांत बैठना चाहिए?' प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष चुप नहीं रहेगा।

विपक्ष प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस बल के इस्तेमाल के मुद्दे पर गृह मंत्री से संसद में जवाब देने की मांग कर रहा है और साथ ही माफी मांगने की भी मांग कर रही है। इस मुद्दे पर संसद का मानसून सत्र बाधित रहा है। अब सरकार इस मुद्दे पर बहस के लिए तैयार है और गृह मंत्री संसद में इस पर जवाब देंगे। अब वहीं एनडीए सांसदों ने झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज का मुद्दा उठा दिया है।

सर्राफा कारोबारी ने जेवर बनाने को दिया 34 लाख का सोना, कारीगर फरार

देहरादून, 12 अगस्त (एजेंसियां)। आभूषण बनाने के लिए सर्राफा कारोबारी का लाखों की कीमत का सोना लेकर कारीगर फरार हो गया। व्यापारी पिछले काफी समय से कारीगर को सोना देकर आभूषण बनवा रहे थे। पुलिस ने शिकायत पर मुक़दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धामावाला बाजार में सर्राफा कारोबारी पीड़ित रमन माहेश्वरी ने कोतवाली पुलिस को शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह आलोक पोरे नामक कारीगर से पिछले दो वर्षो से कार्य कराते आ रहे हैं। उन्हें सोना देकर आभूषण बनवाते थे, वो आभूषण बनाकर लाता था और उसका खर्चा बैंक खाते में डालते थे। विश्वास में व्यापारी लगातार सोना देकर व रुपये का लेन करते हुए गहने बनवाते रहे। व्यापारी के मुताबिक, फरवरी को 34 लाख से ज़्यादा का सोना आभूषण बनाने के लिए दिया। 10 मार्च को उसे आभूषण बनाकर देने थे। आरोप है कि इससे पहले ही आरोपित 20 फरवरी को सब सामान लेकर फरार हो गया।

कोलकाता से आईएसआई एजेंट गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेज के सहारे तपस्या में रहता था फैसलाबाद का रऊफ

कोलकाता, 12 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के हाबड़ा से एक व्यक्ति को पाकिस्तानी जासूस होने के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। बंगाल एसटीएफ के अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार किया। पता चला है कि वह व्यक्ति फर्जी भारतीय पहचान पत्र पर कोलकाता में तपस्या के पते पर रहता था। उसका नाम राणा रऊफ है। वह पाकिस्तान के फैसलाबाद का निवासी है।

उसे आईएसआई एजेंट होने के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। जांचकर्ताओं को पता चला है कि रऊफ ने नेपाल सीमा पार करके भारत में प्रवेश किया था। उसने कोलकाता में स्थायी रूप से रहने के लिए फर्जी पहचान पत्र बनवाया था।

उसने आधार कार्ड समेत कई फर्जी दस्तावेज बनवाए थे। उसने भारत में राणा रऊफ की पहचान मिटा दी थी। यहां उसका नाम वहाफ है। भारत में सभी दस्तावेजों में तापसिया का पता दिया गया था।

जांचकर्ताओं ने ये सभी दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। जांचकर्ताओं को शुरुआती जानकारी मिली है कि राणा रऊफ का आईएसआई से गहरा संबंध है। राणा मुख्य रूप से भारतीय नौसेना, सेना और रेलवे के बीच संबंधों की जानकारी मुहैया कराता था। राणा रऊफ विभिन्न स्थानों पर स्थित शिविरों और वहां चल रही गतिविधियों के बारे में सारी जानकारी देता था। हाल ही में राणा ने बांग्लादेश भागने की योजना बनाई थी। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, उसे आशंका थी कि भारत में उसकी गिरफ्तारी हो सकती है, इसलिए उसने भागने की योजना बनाई। एक अन्य व्यक्ति को तपस्या से राणा के लिए फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कुछ दिन पहले, एसटीएफ ने बर्धमान के एक जिम से हामिम को आईएसआई एजेंट होने के संदेह में गिरफ्तार किया था। उसकी प्रेमिका और एक सहयोगी को भी गिरफ्तार किया गया था।

आंध्र हाई कोर्ट ने अमरावती में सीड एक्सेस रोड से जुड़ी याचिकाएं खारिज कीं

अमरावती, 12 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने अमरावती में सीड एक्सेस रोड बनाने का रास्ता साफ कर दिया है। कोर्ट ने इस प्रोजेक्ट के लिए ज़मीन अधिग्रहण के नोटिफिकेशन को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस चल्ला गुना-रंजन ने कहा कि ज़्यादातर किसानों ने पहले ही अपनी ज़मीन स्वेच्छा से दे दी थी और सड़क निर्माण का काफी काम पूरा हो चुका है। कोर्ट ने कहा कि कुछ लोगों की आपत्तियों की वजह से विकास कार्य नहीं रुकने चाहिए। जनहित को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने याचिकाएं खारिज कर दीं।

पेनुमाका और उंडावल्ली गांवों के आठ निवासियों ने ज़मीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने कानूनी प्रावधानों का पालन नहीं किया। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट के।एस। मूर्ति ने तर्क दिया कि प्रभावित लोगों की ठीक से पहचान नहीं की गई और उन्हें पुनर्वास पैकेज नहीं दिया गया। राज्य और ज़मीन अधिग्रहण अधिकारियों की ओर से पेश एडवोकेट जनरल डम्मलापति श्रीनिवास ने कहा कि अधिग्रहण कानून के अनुसार किया जा रहा है।

'भारत से अच्छा पाकिस्तान है'

सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फंसे, उठाकर ले गई एटीएस

मुंबई, 12 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में देश-विरोधी और भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने बड़ी कार्रवाई की है। एटीएस ने ठाणे जिले के मुंब्रा से पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया है। 'भारत से अच्छा पाकिस्तान है पोस्ट के बाद एटीएस द्वारा ये कार्रवाई की गई है। पांचों संदिग्ध लोगों का हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उनके बैकग्राउंड, सोशल मीडिया डिटेल्स और पाकिस्तान कनेक्शन चेक किए जा रहे हैं। मुंब्रा इलाके से इसके पहले भी कई बार आतंकी गतिविधियों को संचालित किया गया है। पहले भी यहां से कई टेरर आउटफिट के स्लीपर सेल पकड़े गए हैं,

इसलिए पाकिस्तान की तारीफ वाला ये मैसेज काफी अहम है और स्वतंत्रता दिवस के पहले एटीएस कोई मौका छोड़ना नहीं चाहती, इसलिए पांचों को हिरासत मैं लेकर पूछताछ जारी है। जानकारी के अनुसार, इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने सोशल मीडिया पर भारत से अच्छा पाकिस्तान है जैसे आपत्तिजनक और देश-विरोधी संदेश पोस्ट किया। इसके अलावा भी कई आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट किए जाने की जानकारी सामने आई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एटीएस ने जांच शुरू कर दी है। हिरासत में लिए गए पांचों लोगों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं।

एटीएस की टीम हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स तथा पोस्ट की जांच की जा रही है। यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस पोस्ट के पीछे किसी संगठित नेटवर्क या अन्य लोगों की भूमिका है या नहीं। फिलहाल एटीएसकी कार्रवाई जारी है और मामले में आगे और लोगों से पूछताछ या गिरफ्तारी की संभावना से इनकार नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि ये सभी वर्ष 2022 से टेलीग्राम के जरिए एक ग्रुप से जुड़े हुए थे। इस ग्रुप को कश्मीर का रहने वाला एक व्यक्ति संचालित करता था। ऐसी आशंका जांच एजेंसी की ओर से जताई गई है। मामले की विस्तृत जानकारी जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी।

जम्मू-कश्मीर में एसआईए की कार्रवाई, 1990 के दोहरे हत्याकांड मामले में कई जगहों पर छापेमारी

जम्मू, 12 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने बुधवार को जम्मू कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई वर्ष 1990 में एक कश्मीरी पंडित लेखक और उनके बेटे की दोहरे हत्याकांड से जुड़े मामले में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि एसआईए कश्मीर ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के दोरू पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर नंबर 45/1990 के संबंध में जम्मू-कश्मीर में नौ स्थानों पर तलाशी ली। अब इस मामले की जांच एसआईए कर रही है।

अधिकारियों ने बताया कि ये छापे कश्मीरी पंडित लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता सर्वानंद कौल और उनके बेटे वीरेंद्र कौल के अपहरण और हत्या की एसआईए की जांच का हिस्सा हैं। सर्वानंद कौल और वीरेंद्र कौल कोकीनग अनंतनाग के शॉफ-शाली के निवासी थे और 1990 में उनकी हत्या कर दी गई थी। अधिकारियों का कहना है कि इन छापों ने लंबे समय से चल रही जांच में एक महत्वपूर्ण मोड़ ला दिया है। एसआईए हत्याओं से जुड़े परिस्थितियों का पता लगाने और जांच को एक निर्णायक चरण तक पहुंचाने के प्रयासों को तेज कर रही है।

हिमाचल की कांगड़ा और नूरपुर पुलिस ने पकड़े तीन चिट्टा तस्कर कार और बाइक भी कब्जे में ली

नूरपुर/कांगड़ा, 12 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा और नूरपुर जिला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बुधवार को दो अलग-अलग मामलों में 22.68 ग्राम चिट्टा बरामद कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ इस्तेमाल किए जा रहे वाहनों को भी कब्जे में लेकर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए हैं। पहले मामले में पुलिस जिला नूरपुर की सीआईए विंग ने छतरोली क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 16.02 ग्राम चिट्टा बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपित की पहचान अजय कुमार निवासी हरियाल, तहसील एवं जिला पठानकोट, पंजाब के रूप में हुई है। एएसपी नूरपुर धर्म चंद वर्मा ने बताया कि मंगलवार को सीआईए टीम नशे के अवैध कारोबार की रोकथाम और गश्त के लिए क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि अजय कुमार मोटरसाइकिल पर छतरोली खड्ड में एक निजी स्कूल के पास चिट्टा लेकर मौजूद है और इसे छतरोली व जसूर क्षेत्र में बेचने की फिराक में है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर यात्री के हैंड बैग से निकली बंदर की खोपड़ी

मचा हड़कंप, सीआईएसएफ ने किया पुलिस के हवाले

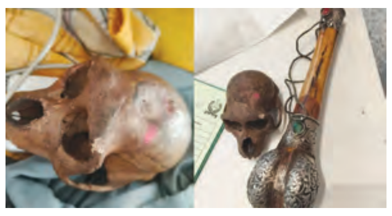

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर सुरक्षा जांच के दौरान एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां सतर्क सीआईएसएफ जवानों ने प्री-एम्बार्केशन सिक्योरिटी चेक के दौरान एक यात्री के हैंड बैगेज में छिपाकर रखी गई बंदर की खोपड़ी बरामद की। इससे एयरपोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, यात्री को दिल्ली से हैदराबाद की फ्लाइट से यात्रा करनी थी। एयरपोर्ट पर नियमित सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों को यात्री के हैंड बैगेज में एक संदिग्ध वस्तु दिखाई दी।

बैग की गहन जांच करने पर उसके अंदर छिपाकर रखी गई खोपड़ी बरामद हुई। इसके साथ एक लकड़ी का अजीबोगरीब डंडा भी है, जिसमें चांदी से डिजाइन बनी हुई है। पूछताछ के दौरान यात्री ने सीआईएसएफ कर्मियों को बताया कि बरामद खोपड़ी बंदर की है। इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए वन्यजीव संरक्षण से जुड़े नियमों के तहत आगे की कार्रवाई शुरू की गई। सीआईएसएफ ने यात्री को मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया।

अधिकारियों के मुताबिक, वन्यजीव से संबंधित वस्तु होने के कारण मामले में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। एयरपोर्ट पर इस बरामदगी के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। मामले की जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यात्री के पास बंदर की खोपड़ी कहां से आई और उसे विमान में ले जाने का उसका उद्देश्य क्या था।

मणिपुर के कांगपोकपी ज़िले में नागा गाँव पर हमला नौ घर जलाए गए

इंफाल, 12 अगस्त (एजेंसियां)। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मणिपुर के कांगपोकपी ज़िले में हथियारबंद उपद्रवियों ने एक नागा गाँव पर हमला किया। उन्होंने कई राउंड गोलियाँ चलाईं और कम से कम नौ घरों में आग लगा दी। उन्होंने बताया कि यह घटना करीब 9.30 बजे तोकपा लियांगमाई नागा गाँव में हुई। अधिकारियों के मुताबिक, ज़्यादातर घर कच्चे थे। अधिकारियों ने बताया कि आस-पास के गाँवों के लोग मौके पर पहुँचे और आग बुझाने में मदद की।

उन्होंने कहा कि हालात को काबू में करने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। लियांगमाई नागा काउंसिल, मणिपुर ने इस घटना की निंदा की और आरोप लगाया कि हमले के पीछे दूसरे समुदाय के हथियारबंद लोग थे। काउंसिल ने दावा किया कि हमले में 10 घर और एक चर्च जला दिए गए। एक बयान में कहा गया, बेगुनाह नागरिकों, रिहायशी घरों और पूजा स्थल को जान-बूझकर निशाना बनाना हिंसा का एक गंभीर और निंदनीय कृत्य है।

सिर्फ़ अपराध की गंभीरता मौत की सज़ा का आधार नहीं हो सकती: आंध्र हाई कोर्ट

विजयवाड़ा, 12 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने कहा है कि सिर्फ़ अपराध की गंभीरता के आधार पर मौत की सज़ा नहीं दी जा सकती। कोर्ट को आरोपी के हालात, बैकग्राउंड और उसके सुधरने की संभावनाओं पर भी विचार करना चाहिए। जस्टिस के। सुरेश रेड्डी और जस्टिस ए। हरि हरनाथ शर्मा की डिवीज़न बेंच ने कहा कि कोर्ट को अपराध के तरीके और क्रूरता, पीड़ित के हालात और आरोपी से जुड़ी बातों (जैसे उम्र, सामाजिक-आर्थिक बैकग्राउंड, आपराधिक इतिहास और मानसिक स्थिति) के बीच संतुलन बनाना चाहिए। बेंच ने इस बात पर ज़ोर दिया कि मौत की सज़ा देने का फ़ैसला करते समय आरोपी के सुधरने, पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा में वापस लौटने की संभावना को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बेंच ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली को बहुत ज़्यादा सज़ा देने वाली नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें सुधार और पुनर्वास की गुंजाइश भी होनी चाहिए।

सज़ा देना, सुधार करना और अपराधियों को समाज की मुख्यधारा में लौटने में मदद करना आपराधिक न्याय प्रणाली के अहम मकसद हैं। हाई कोर्ट ने यह भी साफ़ किया कि जहाँ उम्रकैद से न्याय का मकसद पूरा हो सकता है, वहाँ मामले को सबसे दुर्लभ मामलों की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए, जिसके लिए मौत की सज़ा दी जाए। कोर्ट ने कुरनूल के एक दोहरे हत्याकांड के मामले की सुनवाई के दौरान ये बातें कहीं। बेंच ने कुरनूल ज़िला सत्र न्यायालय के 2024 के फ़ैसले में बदलाव किया, जिसमें नरापुरम श्रवण कुमार और उनके पिता वरप्रसाद को मौत की सज़ा सुनाई गई थी। पिता और बेटे को श्रवण कुमार की पत्नी रुक्मिणी और सास रमादेवी की हत्या करने और ससुर वेंकटेश्वरलू पर हमला करने का दोषी ठहराया गया था। हाई कोर्ट ने उनकी मौत की सज़ा को उम्रकैद में बदल दिया। बेंच ने गौर किया कि दोनों आरोपियों का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था और उनके सुधरने की गुंजाइश थी। कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं था जिससे यह साबित हो सके कि वे समाज के लिए खतरा बन सकते हैं। हालांकि, कोर्ट ने यह साफ़ कर दिया कि उन्हें उम्रकैद की सज़ा में कोई छूट नहीं मिलेगी।

मजदूरों को मिला 17 कैरेट का बेशकीमती हीरा! चमकीले पत्थर ने चमकाई किस्मत

पन्ना, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश का पन्ना जिला एक बार फिर अपने हीरों को लेकर चर्चा में है। यहां सात मजदूरों की किस्मत उस समय चमक गई, जब उन्हें सरकोहा गांव की एक उथली खदान में करीब 16.96 कैरेट का उच्च गुणवत्ता वाला हीरा मिला। इस हीरे की कीमत 30 लाख से 50 लाख रुपये के बीच आंकी जा रही है। इस खोज के बाद मजदूरों और उनके परिवारों में खुशी का माहौल है। लीजहोल्डर अखिलेश पाल ने बताया कि शाम हाल की बारिश के बाद वह अपने पिता के खेत के पास स्थित पुरानी उथली खदान का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें यह हीरा मिला। अखिलेश पाल चाय बेचने के साथ-साथ खेती भी करते हैं। उन्होंने वर्ष 2024 में सात साथियों के साथ मिलकर इस खदान की लीज ली थी। लंबे समय तक मेहनत के बावजूद सफलता नहीं मिलने पर उन्होंने खदान में काम करना बंद कर दिया था, लेकिन अखिलेश पाल किस्मत आजमाते रहे।

हीरा मिलने के बाद उन्होंने इसकी जानकारी अपने सभी साझेदारों को दी, ताकि इससे मिलने वाली राशि सभी में बराबर बांटी जा सके। जिला हीरा कार्यालय के सूत्रों ने पुष्टि की कि अखिलेश पाल के पास वर्ष 2024 में इस खदान की वैध लीज थी।

रेप के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना के पास जेल में मिला फोन, कांग्रेस सांसद ने साधा निशाना

बेंगलुरु, 12 अगस्त (एजेंसियां)। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने बेंगलुरु स्थित परप्पना अग्रहारा जेल में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और प्रताप राय नाम के एक अन्य कैदी के पास फोन मिले हैं। फोन मिलने के बाद कांग्रेस एमपी प्रमोद तिवारी ने रिएक्ट किया है। उन्होंने कहा- उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। प्रमोद तिवारी ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा- वो अपने पिता और दादा को मिले राजनीतिक अधिकारों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं।

उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कानून के सामने सब बराबर हैं। पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और प्रताप राय के खिलाफ परप्पना अग्रहारा जेल में 'प्रिजन्स एक्ट' (जेल अधिनियम) की धारा 42 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह धारा जेल के अंदर या बाहर गैर-कानूनी सामान लाने, बिना इजाजत कैदियों से बात करने या इन नियमों को तोड़ने में मदद करने पर सजा का प्रावधान करती है। जांच अधिकारी नोटिस भेजने और आगे की कार्रवाई शुरू करने से पहले वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और और जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। डीजीपी जेल आलोक कुमार ने बताया कि दोपहर सीसीबी ने सभी हाई-प्रोफाइल कैदियों के यहां छापेमारी की। प्रज्वल रेवन्ना के पास से एक एंड्रॉयड फोन जब्त किया गया है।

डीआईजी (साउथ) की रिपोर्ट पर संबंधित असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट को सस्पेंड कर दिया गया है और बैंगलोर सेंट्रल जेल के एसपी को 'शो कॉज नोटिस' (कारण बताओ नोटिस) जारी किया गया है। इस घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। गौरतलब है कि पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना अश्लील वीडियो के मामले में जेल में बंद हैं। मार्च 2026 में पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े अश्लील वीडियो मामले में जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 13,712 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में कुल 39 आरोपियों को नामजद किया गया है।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग; हवा में फेल हो गया इंजन विमान में सवार थे 224 लोग

चेन्नई, 12 अगस्त (एजेंसियां)। चेन्नई एयरपोर्ट पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। जी हां, घटना मंगलवार रात की है। कोलकाता से आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट के लैंडिंग से ठीक पहले बाएं इंजन में खराबी आ गई थी। इसके चलते इमरजेंसी लैंडिंग हुई। इसके चलते चेन्नई एयरपोर्ट पर 'फुल इमरजेंसी' घोषित की गई। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6ई-723, जिसमें 224 लोग सवार थे। यह फ्लाइट कोलकाता से चेन्नई आ रही थी। इस फ्लाइट ने 11 अगस्त की रात 11:29 बजे इमरजेंसी लैंडिंग की। फ्लाइट को रात 11:30 बजे पहुंचना था, लेकिन लैंडिंग की तैयारी के दौरान पायलट को पता चला कि बायां इंजन खराब हो गया है।

उन्होंने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी सूचना दी, जिसके बाद एयरपोर्ट अधिकारियों ने विमान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए इमरजेंसी उपाय शुरू कर दिए। विमान रात 11:37 बजे रनवे 25 पर सुरक्षित उतरा, जिसमें सवार सभी 224 लोग सुरक्षित थे। रात 11:47 बजे 'फुल इमरजेंसी' हटा ली गई। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद सभी कामकाज सामान्य रहे।

एक्ट्रेस खुशी कपूर के नाम-तस्वीर के गलत इस्तेमाल पर दिल्ली एचसी सख्त, अश्लील कंटेंट हटाने का आदेश

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेत्री खुशी कपूर के व्यक्तित्व अधिकार (पर्सनालिटी राइट्स) से जुड़े मुकदमे में महत्वपूर्ण आदेश दिया है। कोर्ट ने खुशी कपूर से संबंधित अश्लील पोर्नोग्राफिक कंटेंट को तुरंत हटाने और उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, तस्वीर या व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर बेचे जा रहे मर्चेंडाइज की बिक्री रोकने का निर्देश दिया है। खुशी कपूर ने कोर्ट में याचिका दायर कर शिकायत की थी कि उनके व्यक्तित्व का अवैध इस्तेमाल कर अश्लील सामग्री बनाई और प्रसारित की जा रही है।

साथ ही अनधिकृत तरीके से उनके नाम और छवि वाले उत्पाद भी बेचे जा रहे हैं, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंच रहा है। कोर्ट ने संबंधित वेबसाइट्स, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और विक्रेताओं को निर्देश दिया कि वे ऐसे सभी कंटेंट और उत्पादों को तत्काल हटाएं। कोर्ट ने व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा को गंभीरता से लेते हुए आगे की सुनवाई भी तय की है। यह आदेश अभिनेत्रियों के डिजिटल अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शादी की जिद पर दीवार पर पटका सिर: मौत

जालंधर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। जालंधर के गेस्ट हाउस में युवती की लाश मिलने के मामले में नए खुलासे हुए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, युवती युवक से शादी करने की जिद कर रही थी। इसी बात से गुस्साए युवक ने उसका सिर दीवार पर पटक दिया। आरोपी पहले से शादीशुदा है। वह उसके साथ सिर्फ लिव-इन में रहना चाहता था। उसके पिता शिवसेना के नेता हैं। युवती की बहन दीपिका शर्मा ने बताया कि ज्योतिका की बेरहमी से हत्या की गई। उसकी आंखें सूजी हुई थीं और पैर मुड़े हुए थे। आरोपी विशु डींगरा 2 साल से बहन के पीछे पड़ा था। वह डेढ़ लाख रुपए ठग चुका था। ज्योतिका शर्मा सुबह जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन के पास रॉयल गेस्ट हाउस में शव मिला था। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करके आरोपी विशु डींगरा को होशियारपुर से गिरफ्तार कर लिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 13 अगस्त, 2026 3

सुविचार: कितनी भी कोशिश कर लो, जो मिलना है मिलेगा, जिसे मिलना है उसे मिलेगा।

केटीआर ने हैदराबाद में एआई हब स्वीटजरलैंड लॉन्च किया

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व आईटी मंत्री केटी रामाराव ने बुधवार को एआई हब स्वीटजरलैंड लॉन्च किया। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बारे में जानकारी, तुलना और कंप्लायंस का एक ग्लोबल प्लेटफ़ॉर्म है, जिसका मकसद यूज़र्स, बिज़नेस और पॉलिसी बनाने वालों को तेज़ी से बदलते एआई के माहौल को समझने में मदद करना है। हैदराबाद में हुए लॉन्च इवेंट में एआई हब स्वीटजरलैंड के संस्थापक श्रीधर गंडे और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए, जिनमें पूर्व मंत्री एराबेली दयाकर राव, महेश बिगाला और यूके व यूएस से आए एनआरआई शामिल थे।

मिलरों से बकाया राशि हर हाल में वसूलें : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

पांच जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत साइलो बैग निर्माण का निर्देश

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को मिलरों पर बकाया धान की राशि हर हाल में वसूलने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जो मिलर व्यावसायिक दृष्टिकोण से ईमानदारी से काम कर रहे हैं, उनके साथ सरकार सकारात्मक रवैया अपनाएगी, लेकिन जानबूझकर बकाया राशि का भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को एमसीआरएचआरडी में नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने हजारों करोड़ रुपये की बकाया राशि छोड़ने की स्थिति पैदा की और अब इसकी जिम्मेदारी वर्तमान सरकार पर डालने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बकाया वसूली में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन धान के एक-एक दाने से संबंधित बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित करनी होगी। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को बकाया राशि की वसूली के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और कार्यप्रणाली तैयार

एमसीआरएचआरडी में नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक में भाग लेते हुए रेवंत रेड्डी व अन्य ।

करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि दिशा-निर्देश तैयार होने के बाद रिपोर्ट मंत्रिमंडलीय उपसमिति के समक्ष प्रस्तुत की जाए। उपसमिति की समीक्षा के बाद सरकार आवश्यक निर्णय लेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जो मिलर लगातार बकाया चुकाने में विफल रहे हैं, उन्हें आवंटित किया जाने वाला धान महिला स्वयं सहायता समूहों को दिया जा सकता है और मिलिंग की जिम्मेदारी भी महिला समूहों को सौंपी जा सकती है। हर सीजन में धान के भंडारण की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अभी से व्यापक कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने अधिक मात्रा में धान उत्पादन वाले नलगोंडा, सूर्यापेट, निजामाबाद, पेद्दापल्ली और कामारेड्डी जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत साइलो बैग निर्माण शुरू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से साइलो बैग निर्माण के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 50 से 100 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। इस संबंध में राजस्व, नागरिक आपूर्ति और महिला एवं बाल कल्याण विभागों के मंत्रियों के साथ बैठक आयोजित करने की बात भी उन्होंने कही। उन्होंने वीबी-जी रामजी योजना के तहत फ्लैटफॉर्म के निर्माण की संभावनाओं का भी अध्ययन करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने बड़े फ्लैटफॉर्म बनाकर जर्मन टेंट के माध्यम से धान के भंडारण की संभावनाएं तलाशने को कहा। इसके अलावा मंडल और ग्राम स्तर पर उपलब्ध निजी गोदामों, धान भंडारण के लिए उपयोगी कल्याण मंडपों, पुराने सिनेमाघरों और अन्य बड़े शेडों की पहले से पहचान कर उन्हें लीज पर लेने के निर्देश दिए गए, ताकि धान की आवक के समय भंडारण की समस्या का सामना न करना पड़े। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. शेषाद्रि, नागरिक आपूर्ति निगम के आयुक्त स्टीफन रविंद्र, साउथ इंडिया राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तूड़ी देवेंद्र रेड्डी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तेलंगाना अपने जल के हिस्से पर कोई समझौता नहीं करेगा: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू ने बुधवार को दोहराया कि तेलंगाना नदी के पानी में अपने उचित हिस्से पर कोई समझौता नहीं करेगा और उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार पर जल आवंटन में राज्य को गंभीर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। गांधी भवन में 'मंत्री के साथ आमने-सामने की बातचीत' कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना सरकार गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) की बैठक में भाग लेगी और राज्य के पानी के उचित हिस्से के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ेगी।

उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव की भी कथित तौर पर झूठे दावों से लोगों को गुमराह करने के लिए आलोचना की। श्रीधर बाबू ने के.टी. रामाराव को चुनौती दी कि वे पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के फार्महाउस में उगाई गई धान की कीमत का खुलासा करें। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि मौजूदा कांग्रेस प्रशासन ने 1.5 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से भूमि आवंटित की है, जबकि

पिछली बीआरएस सरकार ने 90 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से भूमि दी थी। मंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा किए गए भूमि आवंटन निर्धारित नियमों के अनुसार किए गए थे।

उन्होंने बताया कि पांच एकड़ जमीन 75 लाख रुपये में आवंटित की गई थी और केटी रामाराव से पूछा कि उन्होंने 200 करोड़ रुपये का मूल्यांकन कैसे किया। श्रीधर बाबू ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हैदराबाद निवेश और भूमि परिवर्तन (एचआईएलटी) नीति से हैदराबाद के लोगों को लाभ होगा और केटी रामाराव द्वारा उद्योगपतियों में भय पैदा करना या तेलंगाना के विकास में बाधा डालना अनुचित था। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष को सलाह दी कि वे कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपने राजनीतिक गुस्से को तेलंगाना की जनता पर न निकालें। मंत्री ने आगे दावा किया कि लोगों ने बीआरएस के "गोएबल्स-शैली के प्रचार" को खारिज कर दिया है, और इसके प्रमाण के रूप में उन्होंने लोकसभा और स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की हार का हवाला दिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, DUDEKULA RAFI, F/O: SEP DUDEKULA MOULALI, R/O:H.No.7-585-A-1, KONDE PALLI ROAD, 7TH WARD, MARKAPUR, PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523316 has changed my name from DUDEKULA RAFI to DUDEKULA BIKARI URF RAFI and my Date of Birth is 01-01-1970 vide affidavit DT. 28-07-2026

I, Surendra Kumar Rout, Father of JC 781010N, Sub, Sudhakar Rout, R/o, Vill: Bimbalbar, Dist: Bhadrak, Odisha, Changed my name from Surendra Kumar Rout to Surendra Rout, vide Affidavit No. 995055 dt. 11.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana..

I, No. 14674878M, Hav, Hemant Rathore, R/o, Dist: Shajapur, Madhya Pradesh, changed my Mother's name from Nirmala Rathore to Nirmala Bai, vide Affidavit No. 995062 dt. 11.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14684109W, SEP,Sakhare Ganesh Anapa, R/o, Dist: Kolhapur, Maharashtra, changed my Mother's name from Sakhare Surekha Anapa to Surekha Aannapa Sakhare, vide Affidavit No. 995065 dt. 11.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14644703P, Hav, Bhatt Pravin Nanjibhai, R/o, Dist: Jamnagar, Gujarat, changed my Daughter's name from Aayushi to Aayushi Pravin Batt , vide Affidavit No. 995069 dt. 11.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17016229F, NK, Sanjay Singh, R/o, Dist : Raebareli, Uttar Pradesh, changed my Mother's name from Ampalika Singh to Ambalika Singh, vide Affidavit No. 995074 dt. 11.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Suma Devi S, W/o,JC 775300P, Sub, Suniraj SV, R/o, Dist: Kollam, Kerala, changed my name from Suma Devi S to Sumadevi S, vide Affidavit No. 145400 dt. 11.08.2026, before Advocate and Notary at Nashik Road.

I, 17011309P, NK, Bhange Deepak Prakash, R/o, Dist: Nanded, Maharashtra, changed my Father's name from Bhange Prakash Nivrati to Prakash Nivrutti Bhange vide Affidavit No. 995081 dt. 11.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17011309P, NK, Bhange Deepak Prakash, R/o, Dist: Nanded , Maharashtra, changed my Mother's name from Laxmi Bai to Laxmibai Prakash Bhange, vide Affidavit No. 995083 dt. 11.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14684420W, NK, B Rajasekaran, R/o, Dist: Salem, Tamil Nadu, changed my Father's name from K Basekaran to Baskaran Kuppusamiudaiyar, vide Affidavit No.995085 dt. 11.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14684420W, NK, B Rajasekaran, R/o, Dist : Salem, Tamil Nadu, changed my Mother's name from B Pathuma to Pathmavathi Baskaran, vide Affidavit No. 995087 dt. 11.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जुबली हिल्स में लूट एवं हत्या के मामले में नेपाल गैंग के सदस्य पर पीडी एक्ट

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी रे विनय रंजन की पत्नी, 62 वर्षीय तनुजा रंजन की लूट के मकसद से हुई हत्या के मामले में नेपाल के गैंग सदस्य सुनील बहादुर औजी उर्फ सुनील परियार (29) को प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि सुनील और उसके साथियों ने कथित तौर पर तनुजा के घर में घुसकर उन्हें काबू किया और उनका दम घोंट दिया, फिर सोने के गहने और कीमती सामान लेकर भाग गए। यह अपराध कथित तौर पर घरेलू सहायिका कल्पना की मदद से प्लान किया गया था। नवी मुंबई में कार ड्राइवर और नेपाल के अछाम जिले के रहने वाले सुनील को 22 मई को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि वह 2024 में गुजरात और महाराष्ट्र में दर्ज दो मामलों में भी आरोपी है।

जूनियर एनटीआर की आर्थ्रोस्कोपिक शोल्डर सर्जरी हुई

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक्टर एनटीआर जूनियर, जिन्हें हाल ही में कंधे में चोट लगी थी, की बुधवार को सिकंदराबाद के किम्स हॉस्पिटल में सर्जरी हुई। यहां जारी एक हेल्थ बुलेटिन में हॉस्पिटल ने कहा कि यह सर्जरी ऑर्थोपेडिक सर्जनों की एक टीम ने की। हॉस्पिटल ने बताया कि सर्जरी सफल रही और एनटीआर जूनियर ठीक हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब वे मेडिकल देखरेख में एक व्यवस्थित रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम शुरू करेंगे।

विद्युत तार में फंसकर वन बीट अधिकारी की मौत

मंत्री कोंडा सुरेखा ने जताया गहरा दुख

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के चेरुवुसिंगारम फॉरेस्ट बीट में तैनात बीट अधिकारी नवीन की वन्यजीवों के शिकार के लिए लगाए गए विद्युत तार के जाल में फंसने से मौत हो गई। घटना पर तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवदाय-धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मंत्री ने बताया कि संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा वन्यजीवों का शिकार किए जाने की सूचना मिलने पर नवीन तीन अन्य बीट अधिकारियों के साथ उन्हें पकड़ने के लिए निकले थे। इसी दौरान भद्राद्री कोठागुडेम जिले के बुर्गमपाडु मंडल के नकीरेपेट गांव में ड्यूटी के दौरान वे विद्युत जाल की चपेट में आ गए। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मंत्री कोंडा सुरेखा ने जिला वन अधिकारी सिद्धार्थ विक्रम सिंह से फोन पर घटना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वन संपदा और वन्यजीवों के संरक्षण में वन विभाग के कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के शिकार के लिए विद्युत तारों का इस्तेमाल करना बेहद खतरनाक और गंभीर अपराध है। ऐसे अवैध कृत्यों से न केवल वन्यजीवों, बल्कि वन विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के जीवन को भी खतरा पैदा होता है। मंत्री ने वन विभाग और पुलिस अधिकारियों को घटना की समग्र जांच करने तथा दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने दिवंगत बीट अधिकारी नवीन के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार उनके परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने वन अधिकारियों को निर्देश दिया कि ड्यूटी के दौरान वन कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही मंत्री ने पीसीसीएफ विनय कुमार को वन विभाग के नियमों के अनुसार नवीन के परिवार को शीघ्र मदद राशि उपलब्ध कराने तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया तेजी से पूरी करने के निर्देश दिए।

भारत का डिजिटल उदय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की शक्ति को दर्शाता है: राव

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । भाजपा तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को कहा कि भारत ने स्वतंत्रता के बाद से उल्लेखनीय प्रगति की है, विशेष रूप से डिजिटल लेनदेन, तकनीकी विकास, निवेश और वैज्ञानिक नवाचार के क्षेत्र में।

हैदराबाद में एसवीपी द्वारा आयोजित साइंस फंड कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, राव ने विज्ञान और अनुसंधान के लिए अधिक वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पहलों के वित्तपोषण में निजी भागीदारों की बढ़ती भागीदारी नवाचार को प्रोत्साहित करेगी, स्टार्टअप को मजबूत करेगी और एमएसएमई क्षेत्र के विकास को गति देगी। राव ने कहा कि भारत विश्व की चौथी सबसे तेजी से विकसित होने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और उन्होंने डिजिटल भुगतान में देश की मजबूत स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यूपीआई के माध्यम से होने वाले वैश्विक डिजिटल लेनदेन में भारत की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है, जो देश की तकनीकी क्षमताओं का प्रमाण है। उन्होंने एसवीपी जैसे संगठनों द्वारा नवोन्मेषकों और स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने की सराहना की और आशा व्यक्त की कि ऐसी पहल भारत के आर्थिक विकास में योगदान देंगी और वैज्ञानिक नवाचार के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेंगी।

इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती में भक्तगणों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़े गाँव वाले), प्रमोद कुमार सराइवाला, दीपक कुमार सराइवाला, अशोक लखोटिया, पी.जी.आर. मूर्ति, विजय कुमार अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, डॉ. राधा कृष्ण, विजय कुमार रेड्डी, दीपा अग्रवाल, मल्लिका रेड्डी, मंजुला, सरोजिनी रेड्डी, पी.सी. जैन, भोज रेड्डी, श्रीनिवास, विनोद टिकमानी, अशोक रूंगटा, राहुल सिंघल एवं अन्य भक्तगण।

अमावस्या पर, जामबाग के कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने इमलीवन गौशाला, गौलीगुड़ा में गायों को घास खिलाई, अवसर पर राजेंद्र यादव, गजानंद चौधरी, के.सुरेश, नरसिंह, रघुवीर भी उपस्थित थे।

एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान के शुभारंभ के उपलक्ष्य में रैली निकली

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एचआईवी, एड्स, सिफलिस और अन्य यौन संचारित संक्रमणों के बारे में जागरूकता पैदा करने और इनकी रोकथाम और नियंत्रण के उपायों को मजबूत करने के राज्य सरकार के प्रयासों के तहत बुधवार को हैदराबाद में एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने एचएमडीए मैदान से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एचएमडीए मैदान से नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन तक गई इस रैली में लगभग 1,500 लोगों ने भाग लिया। रैली में एचआईवी और एड्स की रोकथाम के संदेश दिए गए और जनता से इस बीमारी से जुड़ी गलतफहमियों को दूर करने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि एचआईवी और एड्स के बारे में जागरूकता पैदा करना और गलत धारणाओं को दूर करना प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने एचआईवी से पीड़ित लोगों के लिए उचित चिकित्सा देखभाल और सहायता सुनिश्चित करते हुए नए संक्रमणों को रोकने के लिए निवारक उपायों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। मंत्री ने कहा कि 12 अगस्त से शुरू होकर दो महीने तक तेलंगाना भर में व्यापक प्रचार और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से इन कार्यक्रमों में भाग लेने और एचआईवी और एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रयासों में योगदान देने की अपील की। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग और तेलंगाना राज्य एड्स नियंत्रण समिति "सकारात्मक रहें - एचआईवी संक्रमण को रोकें" के नारे के तहत तेलंगाना को एचआईवी मुक्त राज्य बनाने की दिशा में समन्वय से काम कर रहे हैं। तेलंगाना राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के परियोजना निदेशक विद्यासागर, स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव क्रिस्टीना जेड. चोंगथू, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन और सूचना आयुक्त मुकुंद रेड्डी सहित कई अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। रैली में अधिकारी, चिकित्सा कर्मी, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, छात्र और जागरूकता कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

प्रदेश बीजेपी प्रमुख ने 'हर घर तिरंगा' के उत्साह की सराहना की

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस से पहले किए गए आह्वान के बाद 'हर घर तिरंगा' अभियान को पूरे तेलंगाना में त्योहार के उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।राव ने हैदराबाद के पुराने शहर में चारमीनार के पास स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर से शुरू हुई 'तिरंगा यात्रा' में युवाओं और नागरिकों की भारी भागीदारी पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने परिवारों

के साथ अपने घरों में गर्व से राष्ट्रीय ध्वज फहराएं और उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति उन स्वतंत्रता सेनानियों और सैनिकों के बलिदान पर आधारित है जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और उन्होंने नागरिकों से 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में योगदान देने का आग्रह किया।राव ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा से स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा तक टैंक बंड पर 14 अगस्त को निकाली गई 'तिरंगा यात्रा' को एक पवित्र देशभक्ति कार्यक्रम बताया और लोगों से राजनीतिक संबद्धताओं की परवाह किए बिना इसमें भाग लेने का आह्वान किया।

पुलिस स्टेशन में छत का हिस्सा गिरने से एएसआई घायल

महबूबाबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद के मारिपेडा पुलिस स्टेशन में छत के प्लास्टर का एक बड़ा हिस्सा गिरने से पुलिस के एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) घायल हो गए।

सोमवार रात हुई इस घटना में, स्टेशन में काम कर रहे एएसआई श्रीनिवास के एक कंधे पर मामूली चोट आई। एसआई जी. सतीश ने बताया कि उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

जर्जर हालत में मौजूद स्टेशन की इमारत में रखे कंप्यूटर, फर्नीचर और छत का पंखा भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों के अनुसार, एक नई इमारत पहले ही बन चुकी है और मारिपेडा पुलिस स्टेशन को नई इमारत में स्थानांतरित करने के प्रयास चल रहे थे।

मेडक के किसानों के लिए यूरिया की कमी बनी मुसीबत

मेडक, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडक में किसानों के लिए यूरिया की कमी का मुद्दा फिर से मुसीबत बन गया, क्योंकि बुधवार को उन्हें खाद की दुकानों और प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों पर घंटों तक लाइन में इंतजार करना पड़ा। सोशल मीडिया पर एक बुजुर्ग किसान का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह पीएसीएस कर्मचारी के पैर छूकर यूरिया देने की गुहार लगा रहा था।

किसान बार-बार कर्मचारी से यूरिया के दो बैग देने की विनती कर रहा था क्योंकि वह उन्हें ऑनलाइन बुक नहीं कर पाया था। यह घटना कुलचारम मंडल के रंगमपेट स्थित पीएसीएस सेंटर पर हुई। हालांकि, स्टॉक न होने के कारण किसान को खाली हाथ लौटना पड़ा।

चेगुंटा के पोलमपल्ली में किसानों के एक समूह ने यूरिया की सप्लाई में कमी को लेकर 'रास्ता-रोको' प्रदर्शन किया। किसानों ने यह भी मांग की कि सरकार यूरिया की बिक्री को मैनुअल करे क्योंकि वे मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे।

IN THE COURT OF THE HON'BLE, I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD

O.S. No.1580 of 2025

Between:
Canara Bank, Abids Branch ...Plaintiff
And
M/s. Nice Hosiery and others ...Defendants

To
1) M/s. Nice Hosiery, Proprietary concern of Sri.M.A. Shukoor, Office at H.No.22-7-253 to 258, Shop No.LG29, City Plaza, Hyderabad, Telangana-500001. And also at: M/s. Nice Hosiery Proprietary concern of Sri.M.A. Shakoor, R/o H.No.20-4-368/3 Himmathpura, Hyderabad, Telangana-500064.
2) Sri. M.A. Shakoor, Proprietor of M/s. Nice Hosiery, Office at H.No.22-7-253 to 258, Shop No.LG29, City Plaza, Hyderabad, Telangana-500001. And also at: Sri. M.A.Shakoor Proprietor of M/s. Nice Hosiery, R/o H.No.20-4-368/3 Himmathpura, Hyderabad, Telangana-500064. ...Defendants

Whereas the Plaintiff has instituted a Summary Suit under Order XXXVII CPC for recovery of Rs.15,89,507.26 with interest and costs, you, the Defendant, are hereby called upon to enter appearance within 10 days from the date of publication of this notice. Failing which, the Plaintiff shall be entitled to obtain a decree as prayed for...

// BY ORDER OF THE COURT //
M/s. Chavan & Associates LAW FIRM
Advocates & Solicitors,
Adv. Chavan Dhananjay Chamber at Flat No.101, 1st Floor, M J Khiaban Apartment, H.No.3-4-851/Part, above Sri Veerabhadra Kirana Stores, Barkatpura Chaman, Hyderabad-500027. (M) 9833023625; (O) 040 2932 3625;
Email: caalawfirm@outlook.com
Counsel for the Plaintiff

डॉक्टर से 2.03 करोड़ का एक्सटॉर्शन:रेप केस में फंसाने की धमकी, पहले मां के इलाज के लिए मांगी मदद

पटना, 12 अगस्त (एजेंसियां)। पटना के राजीव नगर के रहने वाले एक डॉक्टर से मुजफ्फरपुर के दंपती ने 2.03 करोड़ रुपए की ठगी की है। दंपती ने डॉक्टर को रेप के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर कई किस्तों में ठगी की। अब पीड़ित डॉक्टर की पत्नी ने मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा निवासी कोचिंग संचालिका और उसके पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। डॉक्टर की पत्नी कविता ने पुलिस को बताया कि 2024 में कोचिंग संचालिका और उसके पति ने मेरे पति से दोस्ती की।

इसके बाद व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू हुई। महिला ने सबसे पहले अपनी मां के इलाज के नाम पर 20 हजार रुपए की मदद मांगी। फिर बहाना बनाकर कई बार पैसे मांगे और डॉक्टर पैसे देते रहे।

गृहमंत्री अमित शाह से मिले सपा के दो बागी, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

अमेठी, 12 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या की गोसाईगंज सीट से सपा के बागी विधायक अभय सिंह और अमेठी की गौरीगंज सदर सीट से विधायक राकेश प्रताप सिंह ने गृहमंत्री अमित से नई दिल्ली में मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सपा के दोनों बागी विधायकों की यह मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों नेता बीजेपी के टिकट पर इस बार चुनाव लड़ सकते हैं।

माना जा रहा है कि इस मुलाकात में दोनों विधायकों की कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है। सपा के दोनों बागी विधायकों ने गृहमंत्री अमित शाह से इस मुलाकात को आत्मीय बताया है। बता दें कि दोनों नेताओं ने साल 2024 के राज्यसभा चुनाव के समय सपा का दामन छोड़ दिया था और बीजेपी के पक्ष में

वोट किया था। इसके बाद दोनों ने अमित शाह से मुलाकात की थी।

अयोध्या की गोसाईगंज सीट से विधायक अभय सिंह ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने फेसबुक अकाउंट पर शेयर की है। तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, आज देश के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री हम सबके प्रेरणास्रोत अमित शाह से आत्मीय मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उन्होंने लिखा, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने जिस दृढ़ इच्छाशक्ति, राष्ट्रभाव और संकल्प के साथ भारत की एकता को सुदृढ़ किया, उसी राष्ट्रनिष्ठा और अटूट संकल्प की झलक आज गृहमंत्री अमित शाह के कार्यों में दिखाई देती है। उन्होंने आगे लिखा, उनकी अद्भुत कर्मठता, दूरदर्शिता, कुशल संगठन क्षमता और अथक परिश्रम हम सभी के लिए प्रेरणा है।

राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कठिन से कठिन निर्णय लेने का उनका साहस उनके विराट नेतृत्व की पहचान है। उनका आत्मीय स्नेह, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद हर बार नई ऊर्जा देता है और जनसेवा के संकल्प को और दृढ़ करता है। वहीं दूसरी तरफ अमेठी की गौरीगंज सीट से विधायक राकेश प्रताप सिंह ने भी मुलाकात की जानकारी दी है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, आज नई दिल्ली में भारत के गृहमंत्री अमित शाह से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विधायक गोसाईगंज अभय सिंह भी उपस्थित रहे। अपना अमूल्य समय एवं सानिध्य प्रदान करने के लिए गृहमंत्री का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार।

'चौथे बच्चे के लिए कोई मैटरनिटी लीव नहीं', हाईकोर्ट का साफ फैसला, खारिज कर दी याचिका

प्रयागराज, 12 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक सरकारी कर्मचारी की मैटरनिटी लीव की मांग को खारिज कर दिया है। महिला अपने चौथे बच्चे के लिए मैटरनिटी लीव की मांग कर रही है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि नियमों के तहत उन्हें चौथे बच्चे के लिए अवकाश का लाभ नहीं दिया जा सकता। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील ने इस आधार पर याचिका का विरोध किया कि नियम के मुताबिक याचिकाकर्ता चौथे बच्चे के लिए किसी तरह की मैटरनिटी लीव के लिए पात्र नहीं है इसलिए कोई हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है और यह याचिका खारिज किए जाने योग्य है। राज्य सरकार के वकील का बयान रिकॉर्ड में दर्ज करते हुए जस्टिस मंजू रानी चौहान ने 7 अगस्त को पारित अपने आदेश में कहा कि उक्त कथन को देखते हुए इस अदालत द्वारा किसी तरह के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

सम्राट सरकार में 'डस्टबिन घोटाला'? रोहिणी आचार्य ने मढ़ दिए आरोप

पटना, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी सरकार पर भ्रष्टाचार और घोटाले का आरोप लगाया था। अब उनकी बहन रोहिणी आचार्य ने भी आरोप मढ़ दिए हैं। रोहिणी ने सम्राट सरकार पर डस्टबिन घोटाले का आरोप लगाया है।

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए निशाना साधा है। रोहिणी ने पोस्ट में लिखा, सम्राट सरकार का एक और झोल, डस्टबिन भी हुआ अनमोल। उन्होंने आगे लिखा, बिहार में डस्टबिन भी 'वीवीआईपी' हो गया। जिस डस्टबिन की कीमत 1500 रुपये बताई जा रही है, उसे 15000 रुपये में खरीदा गया है। यानी कूड़ेदान छोटा, लेकिन बिल दस गुना बड़ा बना है।

रोहिणी आचार्य ने आगे सवाल करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी और मंत्री मंगल पांडेय से बिहार की जनता पूछ रही है कि आखिर इस 'महंगे कूड़ेदान' का राज क्या है? उन्होंने यह भी पूछा कि ये कूड़ा रखने का डिब्बा है या सरकारी खजाना खाली करने का नया जुगाड़? रोहिणी ने पोस्ट में एक फोटो भी साझा की है। इसमें 5 तरह के डस्बिन दिखाए गए हैं। इस पर 'बिहार में डस्टबिन घोटाला' लिखा है।

पिछले दिनों रोहिणी आचार्य ने राष्ट्रीय जनता दल की बिहार भर में सभी समितियों के विघटन के बाद पार्टी के भीतर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। संगठनात्मक पुनर्गठन के बीच रोहिणी आचार्य ने इस निर्णय का स्वागत किया और पार्टी नेता तेजस्वी यादव को नई संगठनात्मक संरचना के गठन पर सलाह दी थी।रोहिणी आचार्य ने कहा था कि राजद की सभी संगठनात्मक इकाइयों और प्रकोष्ठों को भंग करने का निर्णय बहुत पहले ही ले लिया जाना चाहिए था। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से नई समितियों के गठन के दौरान लालू प्रसाद यादव के वरिष्ठ नेताओं, समर्पित कार्यकर्ताओं और प्रतिबद्ध समर्थकों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया था।

सावन में संजय निषाद ने मछली को बताया 'शाकाहारी', बोले- 'बिना लहसुन-प्याज के बनाएं'

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के करीब आते-आते नेताओं की बयानबाजी शुरू हो गई है। इस बीच यूपी की योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद ने एक चौंकाने वाला दावा कर दिया है। दरअसल संजय निषाद ने कहा, बिना लहसुन-प्याज की बनी मछली शाकाहारी है। मंत्री के इस बयान के बाद विवाद शुरू होना तय माना जा रहा है। हालांकि कार्यक्रम के दौरान मंच पर कई लोग मौजूद जो सिर्फ चुप्पी साधे रहे और संजय निषाद मुस्कुराते दिखे। बता दें कि सावन के महीने में मांसाहारी खाने से हिंदू समाज में परहेज किया जाता है।

सावन के महीने में संजय निषाद ने मछली को शाकाहारी करार दे दिया है। वहीं संजय निषाद ने आगे कहा कि यूपी सरकार और भारत के संविधान का निशान मछली, तीर और धनुष है। ये ही निषाद समाज का सिंबल है जिस पर हमें गर्व है। कार्यक्रम के दौरान संजय निषाद ने अपनी लंदन यात्रा का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने कहा, मुझे लंदन जाने का मौका मिला। मैंने वहां देखा कि गोरखपुर सांसद रवि किशन ने अपने गानों से सबको मस्त कर रखा है, जबकि मैंने सबको पस्त कर रखा है। उन्होंने कहा, भारत में कभी लंदन दिखता था, लेकिन आज लंदन में भारत नजर आता है।

कंगना की 'कड़वी जुबान' पर कानून का शिकंजा
युवाओं के अपमान पर आगरा कोर्ट सख्त

आगरा, 12 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी तीखी बयानबाजी के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इस बार उनके बोल इतने कड़वे साबित हुए हैं कि मामला अब फिल्मी गॉसिप से निकलकर कानून की दहलीज तक जा पहुंचा है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को 'गटर जनरेशन' कहने का मामला अब शांत होता नहीं दिख रहा। आगरा की विशेष अदालत (सांसद-विधायक कोर्ट) ने इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से लिया है और कंगना की मुश्किलें आने वाले दिनों में बढ़ सकती हैं। दरअसल, यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ था जब छात्र अपनी मांगों और परीक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उसी दौरान कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए युवाओं को 'गटर जनरेशन' (गटर की पैदावार) कह डाला था। इस बयान के सामने आते ही देशभर के युवाओं और उनके माता-पिता में भारी गुस्सा फैल गया। कंगना के इस विवादित बयान के खिलाफ आगरा के वरिष्ठ अधिवक्ता रामाशंकर शर्मा ने मोर्चा खोला है। उन्होंने आगरा के विशेष सांसद-विधायक कोर्ट में कंगना के खिलाफ मानहानि और देश के युवाओं का अपमान करने की धाराओं के तहत परिवाद (याचिका) दायर किया है।

इस पूरे मामले पर उत्तर प्रदेश के आगरा से वरिष्ठ वकील रामाशंकर शर्मा ने साफ शब्दों में कहा कि मैंने भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ स्पेशल कोर्ट सांसद-विधायक में एक वाद दायर किया है। वाद इस बात को लेकर है कि कंगना रनौत ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को गटर जनरेशन बताया। उनको ऐसी बातें करने की आदत है। उन्होंने देश के छात्रों का अपमान किया है और उनके माता-पिता को गाली दी। यह छात्रों के भविष्य का सवाल है। 21 अगस्त को इस मामले पर कोर्ट में सुनवाई होगी।

शादीशुदा प्रेमिका को घर बुलाकर 17 चाकू मारे, मौत

बुलंदशहर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बुलंदशहर में 42 साल के प्रेमी ने 38 साल की प्रेमिका की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने महिला के सीने, गले और चेहरे पर चाकू से 17 वार किए। पुलिस पहुंची तो आरोपी प्रेमिका के शव के पास चुपचाप बैठा मिला। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शादीशुदा प्रेमिका पर शादी का दबाव बना रहा था, लेकिन वह इसके लिए राजी नहीं थी। मंगलवार रात 10 बजे आरोपी ने उसे अपने घर बुलाया और अपने परिवार को छोड़कर शादी करने का दबाव बनाने लगा।

प्रेमिका नहीं मानी तो नाराज होकर वारदात को अंजाम दिया। दोनों के बीच करीब डेढ़ साल से अफेयर था। आरोपी की पत्नी 3 साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी। मृतक महिला के 4 बच्चे हैं। उसका पति बर्तन की छोटी सी फैक्ट्री चलाता है। घटना जिला मुख्यालय से 25 किमी। दूर खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र की है। दिल्ली के प्रेमनगर की रहने वाली बेबी की 15 साल पहले बुलंदशहर के पंकज से शादी हुई थी। दोनों के दो बेटे और दो बेटियां हैं। उनकी उम्र 8 से 13 साल के बीच है। सभी शिवलोक कॉलोनी में रहते हैं। घर से 200 मीटर दूर आरोपी प्रेमी अजीत ठेकेदार (42) किराए के कमरे में रहता है। वह मूल रूप से नेहरूपुर गांव का रहने वाला है।

49 की उम्र में 29 की दिखने की चाहत
7 बार कराई प्लास्टिक सर्जरी! लखनऊ में पकड़ी गई सेक्स रैकेट सरगना लोला

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। देह व्यापार का इंटरनेशनल सिंडिकेट चलाने वाली उज्बेकिस्तानी महिला लोला कायूमोवा को लखनऊ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वह एक साल से फरार चल रही थी। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस और खुफिया एजेंसी आईबी की संयुक्त टीम ने उसे मैक्स अस्पताल के पास से दबोच लिया। बताया जाता है कि लोला ने पुलिस से बचने के लिए प्लास्टिक सर्जरी के जरिए अपना चेहरा और पहचान पूरी तरह बदल ली थी। इस पूरे रैकेट का खुलासा 2025 के जून महीने में हुआ था।

सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने ओमेक्स अपार्टमेंट स्थित एक फ्लैट में छापेमारी करते हुए वहां अवैध रूप से रह रही नीलोफर और होलिड़ा नाम की दो उज्बेकिस्तानी युवतियों को गिरफ्तार किया था। दोनों ने पुलिस को बताया था कि लोला कायूमोवा ही इन विदेशी युवतियों को लखनऊ लाती थी और अवैध रूप से ठहराकर सेक्स रैकेट संचालित करती थी।

दोनों महिलाओं की गिरफ्तारी के बाद लखनऊ पुलिस ने अपनी जांच और तेज की, जिसमें लोला के फर्जीवाड़े की परतें खुलती गईं। लोला ने पुलिस और एलआईयू को गुमराह करने के लिए फर्जी मैरिज सर्टिफिकेट के जरिए अपना आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बनवा लिया था। इतना ही नहीं, उसने

मैरिज सर्टिफिकेट में जिस व्यक्ति को अपना पति दिखाया, वह असल में उसका कस्टमर था। बताया जा रहा है कि अपनी पहचान छिपाने के लिए उसने सात बार प्लास्टिक सर्जरी कराई है। पुलिस सूत्र बताते हैं कि 49 वर्ष की उम्र में 29 साल की दिखने और पहचान पूरी तरह छिपाने के लिए लोला ने अहिमामऊ स्थित मिनर्वा क्लीनिक के डॉ. विवेक गुप्ता की मदद ली।

लोला ने अपने चेहरे, होंठ, अंडरआर्म्स और प्राइवेट पार्ट समेत कुल 7 बार प्लास्टिक सर्जरी कराईं। डॉक्टर पर भी बिना पासपोर्ट-वीजा जांचे मोटी रकम लेकर सर्जरी करने और फर्जी पनाह देने में ओमेक्स के निवासी त्रिजिन राज उर्फ अर्जुन राणा की मदद करने के गंभीर आरोप हैं। पुलिस अब लोला से गहन पूछताछ कर रही है, जिससे इस अंतरराष्ट्रीय रैकेट में शामिल अन्य स्थानीय मददगारों और नेटवर्क के बड़े चेहरों का खुलासा होने की पूरी उम्मीद है।

तीन साल में 12 हजार करोड़ की चोरी

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के जरिये जीएसटी चोरी करने वालों पर प्रदेश में कार्रवाई तेज हुई है। वित्त मंत्रालय के राज्यसभा में रखे आंकड़ों के मुताबिक, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में प्रदेश में 1356 मामलों में 12015 करोड़ की फर्जी आईटीसी पकड़ी गई। इस दौरान 55 लोगों को गिरफ्तार किया गया। देशभर में पिछले तीन वर्षों में 1.69 लाख करोड़ से अधिक के फर्जी आईटीसी का पता लगाया गया है। इनमें यूपी की हिस्सेदारी करीब 7.07 फीसदी है। प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 271 मामलों में 2113 करोड़ रुपये की चोरी पकड़ी गई थी। वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 5149.69 करोड़ हो गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 637 मामलों में 4751 करोड़ की चोरी पकड़ी गई। यानी तीन साल में कर चोरी पकड़ने के मामले दोगुने हो गए। यूपी में प्रवर्तन कार्रवाई में गिरफ्तारी का आंकड़ा भी बढ़ा है।

2023-24 में 11 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 19 और 2025-26 में 25 हो गई। तीन वर्षों में कुल 55 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सिंडिकेट द्वारा चोरी या जाली पैन और आधार के जरिये फर्जी जीएसटी पंजीकरण हासिल कर कागजों पर कंपनियां खड़ी करने के मामले सामने आए हैं।

फर्जी आईटीसी का नेटवर्क लोहा-इस्पात, कपड़ा, प्लास्टिक, कागज, प्लाईवुड, सीमेंट और तांबा जैसे क्षेत्रों से जुड़े मामले सामने आए हैं। सेवाओं में वर्क कॉन्ट्रैक्ट, मैनपावर सप्लाई और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्र भी इसकी चपेट में हैं। आर्थिक अपराध विशेषज्ञ देवेन्द्र डंग का कहना है कि फर्जी आईटीसी के बढ़ते मामले पकड़ने का मतलब है कि संगठित रूप से जालसाजी करने वालों का सिंडीकेट भी लगातार बढ़ा है। कर विभाग के इस आक्रामक रुख को न्यायपालिका का भी कड़ा समर्थन मिल रहा है। न्यायालय ने इस मामले में स्पष्ट किया कि घोटाले केवल कर चोरी नहीं हैं, बल्कि देश की आर्थिक संप्रभुता पर हमला है। न्यायालय ने आर्थिक अपराधों को क्लास अपार्ट (एक अलग श्रेणी) घोषित करते हुए स्थापित किया कि ऐसे मामलों में सामान्य अपराधों की तरह उदारता नहीं बरती जा सकती।

अमेठी में भाजपा दावेदार परेशान?
कांग्रेस के गढ़ में 'कमल' खिलाने वाली स्मृति हुई एक्टिव, गरमाई 2027 चुनाव की राजनीति

अमेठी, 12 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी की अमेठी को लेकर बढ़ी सक्रियता ने कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की नींद उड़ा दी है। कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद, चित्रकूट धाम तक ट्रेन की सौगात की घोषणा और अमेठी से बहन वाले रिश्ते का जिक्र, इन तमाम सियासी घटनाक्रमों ने अमेठी के गलियारों में चर्चा का बाजार फिर से गर्म कर दिया है। विरोधी दलों के साथ-साथ इस सक्रियता से भाजपा के भीतर टिकट व पद की चाहत रखने वाले नेताओं और जुबानी जंग लड़ने वाले बयानवीरों की धड़कनें भी तेज हो गई हैं। आम चुनाव 2019 और विधानसभा चुनाव 2022 के नतीजों के बाद ऐसा प्रतीत होने लगा था कि अमेठी में कांग्रेस की वापसी शायद ही निकट भविष्य में संभव हो सके। लेकिन, साल 2023 के नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस ने रणनीति बदलते हुए जायस नगर पालिका परिषद की सीट पर विशेष फोकस किया और भाजपा तथा सपा के उम्मीदवारों को पछाड़कर शानदार जीत दर्ज की। यहीं से कांग्रेस के रणनीतिकारों को एक बार फिर अमेठी को अपने पाले में खींचने की उम्मीद नजर आई। इसका असर आम चुनाव 2024 में साफ दिखाई दिया, जब कांग्रेस ने सोची-समझी रणनीति के तहत केएल शर्मा को मैदान में उतारा और पूरी पार्टी उनके पीछे चट्टान की तरह खड़ी हो गई। समाजवादी पार्टी का साथ मिलने से हाथ को और मजबूती मिली और वे स्मृति इरानी के मुकाबले चुनावी दंगल जीतने में सफल रहे।

दूसरी ओर, जमीनी हकीकत यह रही कि भाजपा के भीतर ही कुछ नेताओं ने स्मृति के पक्ष में हवा का दावा तो खूब किया, लेकिन धरातल पर वह मेहनत नदारद रही जो वोट में तब्दील होती है। नामांकन के पहले दिन से ही शुरू हुई बयानबाजी और अपने ही दल के भीतर एक-दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ ने आखिरकार बाजी पलट दी। अब स्मृति की दोबारा बढ़ती सक्रियता ने उन विपक्षी नेताओं के साथ-साथ भाजपा के उन नेताओं को भी बेचैन कर दिया है, जिनके बयानों और क्रिया-कलापों ने पार्टी की हार की पटकथा लिखने में परोक्ष रूप से मदद की थी। 2027 के रण के लिए भाजपा की नई व्यूह रचनासाल 2024 के आम चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस के बढ़ते हौसले को पस्त करने और 2027 के विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन के लिए भाजपा ने अभी से कमर कस ली है और धरातल पर काम शुरू हो चुका है।

'मुझे खुद 6 महीने तक वेतन नहीं मिला'
तेजस्वी यादव ने कहा- बिहार में सैलरी संकट

पटना, 12 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर बिहार में सैलरी संकट का आरोप लगाते हुए सम्राट सरकार पर निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने कहा, 'मुझे खुद 6 महीने तक वेतन नहीं मिला। बिहार की एनडीए सरकार का खजाना लगभग खाली हो गया है।

इसके चलते सरकारी कर्मचारियों को कई महीनों से वेतन नहीं दिया गया है। राज्य में वित्तीय अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है।'

तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बिहार का खजाना पूरी तरह खाली हो चुका है। उन्होंने हंसते हुए कहा कि नौबत यहां तक आ गई है कि सरकार उन ठेकेदारों और कर्मचारियों को भुगतान नहीं कर पा रही है, जो विकास के लिए काम करते हैं। सम्राट सरकार के पास पेंशन देने तक के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचा है। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उर्दू और फारसी स्कूलों को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में ऐसे कर्मचारी हैं, जिन्हें अब तक वेतन नहीं मिला है। सरकार की वित्तीय स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि आज वेतन और पेंशन जैसे मुद्दों पर चर्चा करनी पड़ रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने आरोप लगाते हुए कहा कि इन लोगों ने लूट मचाकर खजाना पूरी तरीके से खाली कर दिया है। उन्होंने ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर वह एक बार नहीं, बल्कि कई बार सवाल उठा चुके हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

राजद नेता ने बिहार में भ्रष्टाचार की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बिना घूस दिए छोटा से छोटा काम भी नहीं हो पा रहा है। चाहे मामला निचले स्तर का हो या विभाग के मुख्यालय का, हर जगह भ्रष्टाचार का बोलबाला है। इस दौरान तेजस्वी ने अपने वेतन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें भी पांच-छह महीने तक वेतन नहीं मिला था। उन्होंने कहा कि जब विधायकों और मंत्रियों तक को वेतन नहीं मिलने की स्थिति सामने आई, तब उन्होंने यह मुद्दा सार्वजनिक रूप से उठाया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: सुभाष के पेंशन खाते में 5 लाख का हिसाब मिला, 1 लाख पर जांच जारी

अयोध्या, 12 अगस्त (एजेंसियां)। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में आरोपित पूर्व बैंककर्मी सुभाषचंद्र श्रीवास्तव के पेंशन खाते में आई संदिग्ध राशि को लेकर स्थिति मंगलवार को कुछ हद तक साफ हो गई है। पुलिस को बैंक पड़ताल से पता चला कि खाते में छह मार्च को पहुंचे पांच लाख रुपये किसी बाहरी व्यक्ति से नहीं, बल्कि सुभाष के ही अन्य बैंक खाते से पेंशन खाते में भेजे गए थे। वहीं, अन्य पांच लाख रुपये का चेक खाते में लगाया गया था, लेकिन चेक वापस हो गया और रकम खाते में आई ही नहीं। ऐसे में सुभाष को कुछ हद तक राहत मिलती नजर आ रही है।

हालांकि, क्षितिज श्रीवास्तव नामक व्यक्ति के खाते से आए एक लाख रुपये का मामला अभी तक पुलिस साफ नहीं कर सकी है। इसके स्रोत और बैंक खातों के बीच हुए लेनदेन का सत्यापन पुलिस अभी करा रही है। विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम रजत वर्मा ने इसे लेकर 13 अगस्त को विवेचक सीओ आशुतोष तिवारी को तलब कर अपना पक्ष रखने तथा लिखित आख्या प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। विवेचक ने अपनी जांच रिपोर्ट न्यायालय में पेश की।

'अब क्या नाव चलेगी?' जेवर एयरपोर्ट पर पानी भरा तो अखिलेश यादव ने कसा तंज

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में बीते दिनों हुई तेज बारिश की वजह से जेवर एयरपोर्ट की पार्किंग में पानी भर गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसे लेकर सियासत तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ये वीडियो शेयर करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया है। अखिलेश यादव ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें एयरपोर्ट के पार्किंग एरिया में काफी पानी भरा हुआ दिखाई दे रहा है। जिसमें एयरपोर्ट पर तैनात कर्मचारी इस पानी को बाहर निकालने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं।

वहीं आसपास काफी संख्या में लोग भी खड़े हुए दिखाई दे रहे हैं जो जलभराव के चलते परेशान है। सपा मुखिया ने ये वीडियो शेयर करते हुए भारतीय जनता पार्टी तंज कसते हुए निशाना साधा और सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा- 'अब क्या एअरपोर्ट पर नाव चलेगी? जहाँ भाजपा सरकार, वहाँ महा-भ्रष्टाचार!' सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही है। कई लोग एयरपोर्ट पर जल निकासी व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। आपके बता दें कि

इस मामले पर जेवर एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से भी बयान आया है, उन्होंने बताया कि तेज बारिश की वजह से पार्किंग एरिया में पानी भर गया था लेकिन, कर्मचारियों ने इसे तत्काल संज्ञान में लेकर जल निकासी का काम शुरू किया और 30 मिनट के अंदर ही जलभराव को पूरा खाली कर दिया था। उन्होंने ये भी साफ़ किया कि इसकी वजह से एयरपोर्ट पर विमानों के संचालन पर कोई असर नहीं हुआ। इससे पहले लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के भी उद्घाटन के एक महीने के अंदर कई जगहों से धंसने और टूटने की खबरें आने के बाद यूपी सरकार को काफी किरकिरी का सामना करना पड़ रहा है। इस एक्सप्रेसवे का 13 जुलाई को ही उद्घाटन हुआ था, जिसके बाद ये कई जगहों से टूट चुका है और लगातार इसकी मरम्मत का काम किया जा रहा है।

असम में बाढ़: एक लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

नदियां उफान पर; सीएम बोले- पुनर्वास के लिए एक हजार करोड़ की जरूरत

गुवाहाटी, 12 अगस्त (एजेंसियां)। असम में बुधवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। चार जिलों में 1.12 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और पहले से ही बाढ़ की चपेट में आए कई क्षेत्रों में और अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के एक अधिकारी ने बताया कि कई नदियां खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं, जिससे नए क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने बताया कि आईएमडी के गुवाहाटी केंद्र ने चराइदेव, डिब्रूगढ़, जोरहाट, शिवसागर और तिनसुकिया जिलों के कुछ हिस्सों में बिजली गिरने के साथ-साथ गरज और बारिश और मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। उन्होंने कहा कि गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में धनसिरी नदी में भयंकर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।

नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण लोगों को नदी से दूर रहने की सलाह दी गई है। एएसडीएमए के दैनिक बाढ़ बुलेटिन के अनुसार, किसी नई मौत की सूचना नहीं मिली है और इस वर्ष की बाढ़ में मरने वालों की संख्या 101 पर बनी हुई है।

सबसे ज्यादा कौन सा जिला प्रभावित

बुलेटिन में कहा गया है कि गोलाघाट, जोरहाट, नागांव और शिवसागर जिलों में बाढ़ से वर्तमान में 1,12,700 से अधिक लोग प्रभावित हैं।

गोलाघाट सबसे बुरी तरह प्रभावित जिला है, जहां 65,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, इसके बाद शिवसागर में लगभग 20,000 और नागांव में 16,000 से अधिक लोग बाढ़ के पानी की चपेट में हैं।

कितनी फसलों का नुकसान हुआ है?

प्रशासन पांच जिलों में 92 राहत शिविर और राहत वितरण केंद्र चला रहा है, जो 30,205 प्रभावित लोगों को सहायता कर रहे हैं। प्राधिकरण ने बताया कि राज्य भर में कम से कम 441 गांव अभी भी जलमग्न हैं और 10,879.03 हेक्टेयर फसल भूमि क्षतिग्रस्त हो गई है। बाढ़ के पानी ने कई जिलों में तटबंधों, सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाया है। एएसडीएमए के अनुसार, बाढ़ से राज्य भर में 31,650 घरेलू पशु और मुर्गी पालन प्रभावित हुए हैं।

पुनर्वास के लिए कितने रुपये की जरूरत है?

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि बाढ़ की ताजा लहर से तबाह हुए जिलों में संपत्तियों की मरम्मत और बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए कम से कम 1,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुनर्वास प्रक्रिया में पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री सरमा ने क्या कहा?

सरमा ने कहा कि स्थायी राहत प्रदान करने के लिए, 9 अगस्त को राहत आकलन अभियान शुरू किया गया था। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, 8,000 से अधिक परिवारों का आकलन किया जा चुका है और 150 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यह सर्वेक्षण 30 अगस्त तक जारी रहेगा और इसमें हाल ही में आई बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित ऊपरी जिलों के 50,000-60,000 परिवारों को शामिल किए जाने की उम्मीद है।

तैरना नहीं आता था, फिर भी नदी में कूदकर बचाई जान

उज्जैन की जांबाज बेटी हेमलता सूर्यवंशी को राष्ट्रपति भवन से मिला खास बुलावा

उज्जैन, 12 अगस्त (एजेंसियां)। सच्चा साहस वही है, जब कोई व्यक्ति अपनी जान की परवाह किए बिना दूसरों की मदद के लिए आगे आए। मध्य प्रदेश के धार्मिक शहर उज्जैन की रहने वाली हेमलता सूर्यवंशी ने कुछ ऐसा ही अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। शिप्रा नदी में डूब रही एक मासूम किशोरी की जान बचाने वाली हेमलता की बहादुरी की गूंज अब देश की राजधानी दिल्ली तक पहुंच गई है। उनके इस साहसिक कार्य के सम्मानस्वरूप उन्हें देश के सर्वोच्च मंच यानी राष्ट्रपति भवन में 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के अवसर पर आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 'एट होम' कार्यक्रम में शामिल होने का विशेष आमंत्रण मिला है। यह पूरी घटना इसी वर्ष मई माह की है, जब पंचाकोशी यात्रा के दौरान रामघाट पर स्नान करते समय 14 वर्षीय एक किशोरी का पैर अचानक फिसल गया और वह गहरे पानी में जाकर डूबने लगी। घाट पर होमगार्ड के तहत 'युवा आपदा मित्र' के रूप में ड्यूटी दे रही हेमलता सूर्यवंशी ने जब स्थिति की गंभीरता को देखा, तो उन्होंने एक पल की भी देरी नहीं की। खास बात यह है कि हेमलता को पूरी तरह तैरना नहीं आता था, लेकिन उन्होंने लाइफ जैकेट पहनकर तुरंत नदी में छलांग लगा दी।

अपनी जान जोखिम में डालकर उन्होंने सूझबूझ और प्रशिक्षण के दम पर किशोरी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हेमलता के इस अदम्य साहस और राष्ट्रीय स्तर पर सराहे गए कार्य के बाद उन्हें राष्ट्रपति भवन से खास बुलावा आया है। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में होने वाले 'एट होम' रिसेप्शन में शामिल होने के लिए वे बुधवार को दिल्ली के लिए रवाना हो रही हैं। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में देश चुनिंदा और प्रेरणादायक शख्सियतों को आमंत्रित किया जाता है, जिन्होंने समाज सेवा या बहादुरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट मिसाल पेश की हो।

मसूरी में ड्रग विभाग की छापेमारी से हड़कंप कई मेडिकल स्टोर्स में मिलीं खामियां

मसूरी, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मेडिकल स्टोरों की व्यवस्था और दवाओं की बिक्री में नियमों के पालन को लेकर संयुक्त औचक निरीक्षण किया गया। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून के निर्देश पर 'सेफ ड्रग्स-सेफ लाइफ' अभियान के तहत हुई इस कार्रवाई में कई मेडिकल स्टोरों पर गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण टीम ने गंभीर अनियमितता वाले स्टोरों में दवाओं के क्रय-विक्रय पर रोक लगाने के निर्देश दिए। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून सीमा डुंगराकोटी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में वरिष्ठ औषधि निरीक्षक मानेन्द्र सिंह राणा और औषधि निरीक्षक विनोद जुगलान शामिल रहे। टीम ने मेडिकल स्टोरों में दवाओं के रखरखाव, लाइसेंस, फार्मासिस्ट की उपलब्धता, रिकॉर्ड, एक्सपायर दवाओं के निस्तारण, नारकोटिक्स दवाओं की खरीद-बिक्री, फ्रिज और तापमान व्यवस्था के साथ सीसीटीवी की भी जांच की। हैमर्स मेडिकोज में निरीक्षण के दौरान फार्मासिस्ट अनुपस्थित मिला। एक्सपायर दवाइयां दूसरी दवाओं के साथ रखी मिलीं। मेडिकल स्टोर में दवाओं के अलावा रोजमर्रा की दूसरी वस्तुएं भी बिक्री के लिए रखी गई थीं।

टीम को सीसीटीवी कैमरे नहीं मिले और रैक की साफ-सफाई भी संतोषजनक नहीं थी। अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए यहां दवाओं के क्रय-विक्रय पर रोक लगा दी गई और संचालक से नोटिस का जवाब मांगा गया। पायनियर मेडिकल स्टोर में फार्मासिस्ट और स्टोर मालिक दोनों मौजूद मिले। हालांकि एक्सपायर दवाओं के रखरखाव की व्यवस्था ठीक नहीं मिली।

मुंबई पुलिस के पैरोल सिस्टम में घोटाला, रिटायर्ड अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई, 12 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस के पैरोल सिस्टम में करीब 6.50 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी का मामला सामने आया है। इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी रामकिशन गोस्वामी को गिरफ्तार किया है। गोस्वामी को क्राइम ब्रांच ने कांजुरमार्ग इलाके से हिरासत में लिया है। गोस्वामी वर्ष 2023 में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें 17 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में कुल पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, मामला मुंबई पुलिस विभाग की वेतन और पैरोल व्यवस्था में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। आरोप है कि पैरोल प्रक्रिया में गड़बड़ी कर गलत तरीके से करोड़ों रुपये का वेतन भुगतान कराया गया और सरकारी रकम को कथित तौर पर डायवर्ट किया गया। अब क्राइम ब्रांच यह पता लगाने में जुटी है कि पैरोल सिस्टम में किस तरह हेरफेर की गई।

इसके साथ ही यह पता लगाने में जुटी है कि 6.50 करोड़ रुपये की रकम कहां और कैसे ट्रांसफर की गई और इस पूरी कथित धोखाधड़ी में किन लोगों की भूमिका थी। जांच एजेंसी मामले में नामजद अन्य चार आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। इसके साथ ही पैरोल प्रक्रिया में मौजूद संभावित खामियों और उन अधिकारियों या कर्मचारियों की जिम्मेदारी भी तय की जा रही है, जिनकी लापरवाही या कथित मिलीभगत से इस गड़बड़ी को अंजाम दिया गया। क्राइम ब्रांच की टीम पैरोल रिकॉर्ड, बैंक लेन-देन और अन्य आधिकारिक दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच के आधार पर कथित घोटाले की वास्तविक रकम और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका सामने आने की उम्मीद है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड

पुलिस ने खटखटाया हाई कोर्ट का दरवाजा, ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ट्रायल कोर्ट ने हाल ही में इस मामले के छह आरोपियों को बरी कर दिया था, जबकि आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। पुलिस इस फैसले से संतुष्ट नहीं है और उसने निचली अदालत के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले की सुनवाई के लिए हाई कोर्ट ने 2 दिसंबर की तारीख तय की है।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की बेहद क्रूरता से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने न्याय करते हुए पूर्व आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद ताहिर हुसैन सहित पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस फैसले ने एक बार फिर 24 फरवरी 2020 के उस खौफनाक दिन की यादें ताजा कर दी हैं, जब दंगाइयों ने इंसानियत की सारी हदें पार करते हुए एक होनहार अधिकारी की बेरहमी से जान ले ली थी।

इस मामले की सुनवाई करते हुए कड़कड़डूमा कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने पांचों दोषियों ताहिर हुसैन, नजीर, आसिम, जावेद और अनास को हत्या और दंगा भड़काने का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। वहीं, 11 आरोपियों में से 6 को बरी कर दिया गया था।

लोकसभा सीट 543 पर ही रहे, महिलाओं को मिले 33% आरक्षण

सीएम विजय ने परिसीमन पर साफ किया तमिलनाडु का रुख

चेन्नई, 12 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी। जोसेफ विजय ने बुधवार को विधानसभा में प्रस्ताव पेश कर केंद्र से लोकसभा की सदस्य संख्या को स्थायी रूप से 543 पर सीमित करने की अपील की। मुख्यमंत्री विजय ने 2029 में होने वाले आम चुनावों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का समर्थन करते हुए प्रस्ताव में कहा कि इसे लोकसभा की मौजूदा 543 सीट के आधार पर ही लागू किया जाना चाहिए। विजय ने कहा कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण में और देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "महिलाओं के लिए आरक्षण कोई खैरात नहीं, बल्कि उनका लोकतांत्रिक अधिकार है।"

सत्तापक्ष द्वारा लाए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि यह सुनिश्चित करना केंद्र की जिम्मेदारी है कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम लागू किए हैं, उन पर

परिसीमन प्रस्ताव का नकारात्मक प्रभाव न पड़े। मुख्य विपक्षी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) का बाहर से समर्थन कर रहीं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ई। के। पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव के केवल उस हिस्से का समर्थन किया जिसमें महिला आरक्षण को लागू करने की मांग की गई है। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने प्रस्ताव का विरोध किया और इसे वापस लेने की मांग की।

भाजपा के एकमात्र सदस्य भोजराजन ने कहा कि केंद्र आने वाली पीढ़ियों के कल्याण पर विचार करते हुए परिसीमन पहल कर रही है। विजय ने आठ अगस्त को अपने सहयोगी दलों की बैठक बुलाई थी जिसमें केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का पूरी तरह से विरोध करने का निर्णय लिया गया था। विजय की अध्यक्षता में बुलाई गई बैठक का मुख्य विपक्षी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने बहिष्कार किया।

घाटकोपर में लैंडस्लाइड 6 की मौत, 4 घायल

मुंबई, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के घाटकोपर के चिराग नगर इलाके में बुधवार सुबह लैंडस्लाइड हुआ। सुबह करीब 3:48 बजे गौसिया चाल में पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर कई घरों पर जा गिरा। हादसे के समय लोग सो रहे थे। अब 6 लोगों की मौत हुई। 4 लोग घायल हुए हैं। बारिश को हादसे की वजह बताया जा रहा है। डीसीपी गणेश शिंदे ने बताया कि 3-4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हालांकि सटीक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बीएमसी के अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में दबे लोगों का पता लगाने के लिए रेस्क्यू टीम स्पेशल विक्टिम-डिटेक्शन कैमरों की मदद ले रही है।

घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता 3 से 3.5 फीट चौड़ा है। संकरी गलियों के कारण भारी मशीनरी घटनास्थल तक नहीं पहुंच पा रही हैं। मलबा को पहले ब्रेकर की मदद से निकाला जा रहा है। इसके बाद बाल्टियों में भरकर हाथ से हटाया जा रहा है।

'एनालॉग पनीर' पर लगेगा प्रतिबंध, सीएम मोहन यादव ने दिए निर्देश, गुजरात-महाराष्ट्र में पहले से ही बैन

भोपाल, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर के खिलाफ सरकार ने बड़ा फैसला लेने की तैयारी कर ली है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश में एनालॉग पनीर को प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का कहना है कि मिलावटी और गलत तरीके से तैयार किए जा रहे पनीर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने बताया कि पड़ोसी राज्यों गुजरात और महाराष्ट्र में भी एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने कहा कि एफएसएसएआई की ओर से भी इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद गलत तरीके से एनालॉग पनीर तैयार किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान चलाया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत खाद्य पदार्थों में मिलावट और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार के मुताबिक, एनालॉग पनीर को पारंपरिक दूध से बने पनीर के विकल्प के तौर पर तैयार किया जाता है, लेकिन यदि इसे निर्धारित मानकों के विपरीत बनाया या बेचा जाता है तो यह खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश के बाद संबंधित विभाग अब प्रदेश में एनालॉग पनीर के उत्पादन और बिक्री पर रोक लगाने की प्रक्रिया शुरू करेगा। साथ ही खाद्य प्रतिष्ठानों और बाजारों में इसकी जांच के लिए अभियान चलाए जाने की संभावना है।

बता दें कि एनालॉग पनीर ऐसा पनीर-जैसा खाद्य उत्पाद है, जिसे पारंपरिक पनीर की तरह केवल दूध से नहीं बनाया जाता। इसमें दूध के साथ या उसकी जगह वनस्पति वसा/तेल, प्रोटीन, स्टार्च और अन्य खाद्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस एनालॉग पनीर में भी मिलावट जमकर की जा रही है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। एनालॉग पनीर का इस्तेमाल खासकर पिज्जा, बर्गर, सैंडविच, होटल-रेस्टोरेंट और प्रोसेस्ड फूड में किया जाता है।

सांप के काटने की घटना ने आदिवासी इलाके में व्यवस्था की लापरवाही को उजागर किया : शिवसेना (यूबीटी)

गढ़चिरोली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व के मूल निवासियों के अंतरराष्ट्रीय दिवस पर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के धनोरा तालुका में जपतलाई स्थित एक सरकारी सहायता प्राप्त आदिवासी आवासीय स्कूल (आश्रम स्कूल) में एक दुखद घटना हुई। यहां जहरीले सांपों के काटने से छह छात्राओं को शिकार होना पड़ा, इनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई और दो की हालत गंभीर है।

शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में यह जानकारी दी। सामना के संपादकीय में इस त्रासदी को आदिवासी बच्चों के प्रतिदिन के खतरनाक हालातों का प्रमाण बताया गया। अखबार ने दावा किया कि हालांकि क्षेत्र में नक्सली गतिविधियां कम हुई हैं, लेकिन आदिवासियों के जीवन को खतरा अभी भी बना हुआ है। संपादकीय में राज्य प्रशासन पर आरोप लगाया गया कि वह कॉरपोरेट संस्थाओं और राजनीतिक दलों को वित्त पोषित करने वाले बाहरी खनन उद्यमियों को जगह देने के लिए आदिवासी आबादी को सुनियोजित रूप से विस्थापित कर रहा है, जो इस क्षेत्र की भूमि, जल और जंगलों के वास्तविक संरक्षक हैं। आरोप लगाया गया कि भारी खनन यातायात से स्थानीय आदिवासियों का जीवन लगातार खतरे में है और कथित तौर पर तेज रफ्तार खनन ट्रकों से 1,500 से अधिक निवासी मारे गए हैं, जिसके बाद अधिकारियों द्वारा दुर्घटना स्थलों की त्वरित सफाई की जाती है। गढ़चिरौली को पर्यावरण के अनुकूल ₹स्टील हब₹ बनाने की योजनाओं के दावों का खंडन करते हुए संपादकीय में कहा गया है कि औद्योगिक गतिविधियों ने पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित किया है। कहा जाता है कि औद्योगिक कचरा आदिवासी घरों में पके हुए भोजन पर जमा हो जाता है, जिससे परिवारों को प्रदूषित पानी और दूषित भोजन मिलता है।

इन स्थितियों का विरोध करने वाले निवासियों को कथित तौर पर नक्सली या देशद्रोही करार दिया जाता है और जेल में डाल दिया जाता है। बड़े पैमाने पर खनन कार्यों ने स्थानीय जानवरों के आवासों को नष्ट कर दिया है, जिससे तेंदुए और सांप जैसे वन्यजीव रिहायशी इलाकों और स्कूल के मैदानों में आ गए हैं। संपादकीय में कहा गया है कि आदिवासी आश्रम स्कूलों में जर्जर बुनियादी ढांचे के कारण यह खतरा और बढ़ गया है, जहां गंभीर संरचनात्मक दरारें, खराब स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं की कमी और बुनियादी फर्नीचर की कमी के कारण बच्चों को नंगे फर्श पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

'तीन साल की अनिका को इलाज के लिए और चाहिए एक करोड़ रुपए', हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य को मदद का रास्ता तलाशने कहा

इंदौर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। एमपी हाईकोर्ट की इंदौर पीठ ने दुर्लभ रोग 'स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) टाइप-2' से पीड़ित तीन वर्षीय लड़की के इलाज के लिए करीब एक करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि की जरूरत को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकार से आर्थिक मदद का रास्ता तलाशने को कहा। जस्टिस संदीप एन। भट्ट ने इंदौर निवासी तीन वर्षीय अनिका शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि एसएमए के उपचार के लिए जरूरी इंजेक्शन की कीमत करीब 9.55 करोड़ रुपये है और केंद्र सरकार की एक योजना के तहत 50 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध है। याचिकाकर्ता के वकील चंचल गुप्ता ने अदालत को बताया कि विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों और धर्मार्थ संस्थाओं द्वारा चलाए गए अभियान के जरिये करीब आठ करोड़ रुपये जुटाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि यह राशि फिलहाल संबंधित संस्थाओं के पास है। एमपी हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील को इन संस्थाओं से संबंधित सभी विवरण और इस बात का शपथपत्र पेश करने को कहा कि इंजेक्शन का बिल जारी होने पर वे इलाज के लिए राशि नयी दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को देने के लिए तैयार हैं। अदालत ने कहा कि इंजेक्शन बनाने वाली नोवार्टिस कंपनी का बिल एम्स को आवश्यक कदम उठाए जाने के लिए उपलब्ध कराया जाना है। उच्च

पंजाबियों पर बढ़ा कर्ज

13 हजार करोड़ के पार पहुंचा गोल्ड लोन हरियाणा-हिमाचल से आगे निकला सूबा

चंडीगढ़, 12 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब में सोना गिरवी रखकर बच्चों की पढ़ाई और रोजगार के लिए विदेश भेजने का चलन बढ़ रहा है। इसका असर गोल्ड लोन के बढ़ते बकाये के रूप में सामने आया है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पंजाब के लोगों पर 13,057 करोड़ रुपये का गोल्ड लोन बकाया है। यह पड़ोसी हरियाणा के 9,161 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 42 प्रतिशत अधिक है। पड़ोसी राज्यों में पंजाब गोल्ड लोन के बकाये में सबसे आगे है।

रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल प्रदेश में 971 करोड़ रुपये जबकि चंडीगढ़ में 479 करोड़ और जम्मू-कश्मीर में 845 करोड़ रुपये का गोल्ड लोन बकाया है। पंजाब में बड़ी संख्या में परिवार बच्चों को पढ़ाई और रोजगार के लिए विदेश भेजने के लिए कर्ज ले रहे हैं। समय पर किस्तें न चुका पाने से कई परिवारों पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु के लोगों पर गोल्ड लोन का बकाया सबसे अधिक 4,11,656 करोड़ रुपये है। दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश में 2,22,953 करोड़ और कर्नाटक में 98,962 करोड़ रुपये का बकाया है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की एक स्टडी के अनुसार 19.38 प्रतिशत प्रवासी परिवारों ने विदेश जाने का खर्च जुटाने के लिए जमीन, प्लॉट, मकान, सोना, कार और ट्रैक्टर जैसी संपत्तियां बेचीं। प्रति प्रवासी परिवार औसतन 1.23 लाख रुपये की संपत्ति बेची गई।

पूरे पंजाब में यह राशि अनुमानित 5,639 करोड़ रुपये है। कम आय वाले, भूमिहीन, श्रमिक और निम्न जाति से जुड़े कई परिवारों ने मकान और सोने के आभूषण तक बेच दिए। प्रोफेसर शालिनी शर्मा के नेतृत्व में हुई स्टडी के अनुसार करीब 56 प्रतिशत परिवारों ने बच्चों को विदेश भेजने के लिए कर्ज लिया। प्रवासी परिवारों पर औसतन 3.13 लाख रुपये प्रति परिवार का कर्ज मिला। इसमें 38.8 प्रतिशत कर्ज गैर-संस्थागत और 61.2 प्रतिशत संस्थागत स्रोतों से लिया गया। अर्थशास्त्र के प्रोफेसर बिमल अंजुम ने कहा कि पंजाब में गोल्ड लोन का चलन बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में लोग बच्चों को विदेश भेजने के लिए कर्ज लेते हैं लेकिन बाद में इसे चुकाने की स्थिति में नहीं होते। यह गंभीर समस्या है।

डेढ़ साल से फरार आरोपी गिरफ्तार, धोखाधड़ी मामले में पीड़ित व्यापारियों ने जताया उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी का आभार

गांधीनगर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री हर्ष संघवी के सख्त निर्देश के बाद सूरत के टेक्सटाइल कारोबारियों से 23.50 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने डेढ़ साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई पर टेक्सटाइल कारोबारियों ने हर्ष संघवी और सूरत पुलिस का आभार जताया। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, सूरत के टेक्सटाइल मार्केट के परेशान ट्रेडर्स गांधीनगर कार्यालय में हर्ष संघवी से मिले थे। उन्होंने एक अन्य टेक्सटाइल्स के मालिक पर 23.50 लाख रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। आरोपी मोहम्मद जकीरिया ने 2017 में जय अंबिका टेक्सटाइल्स के मनीष पटेल, देव टेक्सटाइल्स के जय पटेल और जय साधिमा टेक्सटाइल्स के रोहित पटेल के साथ मिलकर बिजनेस शुरू किया था।

ये बमरोली में हरिओम इंडस्ट्रियल सोसायटी-2 में ग्रे यार्न का बिजनेस करते थे। शुरू में समय पर भुगतान करके भरोसा जीतने के बाद मोहम्मद जकीरिया ने बड़ी मात्रा में ग्रे कपड़ा क्रेडिट पर ले लिया। आरोपियों ने ग्रेयार्न खरीदने के लिए मनीष पटेल से 13 लाख रुपए, जय पटेल से 3.80 लाख रुपए और रोहितभाई पटेल से 6.46 लाख रुपए लिए। आरोप है कि जब व्यापारियों ने बकाया पैसे मांगने की कोशिश की तो उन्हें धमकाया भी गया। इस मामले में पीड़ित व्यापारी ने सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और कोर्ट में कानूनी कार्रवाई की गई।

भारत के साथ 114 राफेल विमान सौदे को गंवा देगा 'जिद्दी' फ्रांस?

सोर्स कोड पर दिल्ली सख्त, महाडील पर फंसा पेच

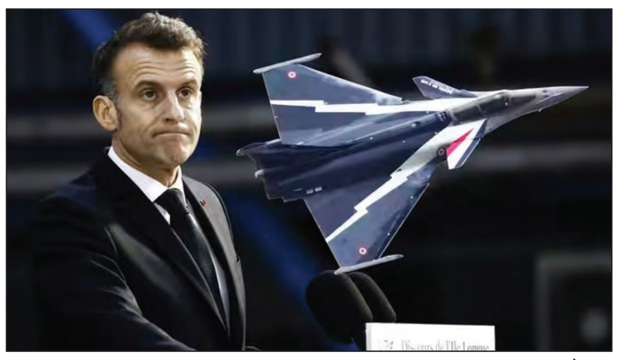

पेरिस/नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। फ्रांस राफेल प्रोग्राम के लिए इंटरनेशनल पार्टनर्स तो चाहता है लेकिन वो टेक्नोलॉजी शेयर करना नहीं चाहता। फ्रांस एक बार फिर दिखा रहा है कि वह राफेल प्रोग्राम के लिए इंटरनेशनल पार्टनर चाहता है लेकिन वह ऐसी टेक्नोलॉजी शेयर करने में हिचकिचा रहा है जो असल ऑपरेशनल आजादी तय करती हैं। यह तरीका फ्रांस की इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी को तो देश में ही रखता है लेकिन इससे यह खतरा भी बढ़ता है कि भारत इस एयरक्राफ्ट को एक स्वतंत्र क्षमता के तौर पर नहीं बल्कि लंबे समय तक टेक्नोलॉजी के लिए निर्भरता के तौर पर देखेगा।

फ्रांस से भारत 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने पर बात कर रहा है और रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस आरबीई2 एईएसए रडार, एमडीपीयू मिशन कंप्यूटर और स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक-वॉरफेयर सुइट के सोर्स कोड का एक्सेस देने का इरादा नहीं रखता है। ये कोई मामूली सिस्टम नहीं हैं। ये सभी मिलकर मुख्य डिजिटल आर्किटेक्चर बनाते हैं जो सेंसर फ्यूजन, खतरे का पता लगाने, सर्वाइवेबिलिटी और इलेक्ट्रॉनिक कॉम्बैट के लिए जिम्मेदार होते हैं।

फ्रांस टेक्नोलॉजी ट्रांसफर नहीं करना चाहता ये कोई नई बात नहीं है। राफेल एफ5 से जुड़ी संवेदनशील टेक्नोलॉजी के ट्रांसफर को लेकर फ्रांस का पहले ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ पहले ही तनाव हो चुका है। अब भारत के साथ भी वैसी ही समस्या सामने आ रही है। पेरिस लोकल असेंबली और इंडस्ट्रियल सहयोग पर बातचीत के लिए तैयार है लेकिन वह सबसे महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर और सिस्टम पर अपना कंट्रोल बनाए रखना चाहता है।

नई दिल्ली के नजरिए से देखें तो यह मामला सिर्फ एक और फाइटर जेट खरीदने से काफी ज्यादा महत्वपूर्ण है।

राफेल के डिजिटल आर्किटेक्चर का अगर एक्सेस भारत को नहीं मिलता है तो भारतीय वायुसेना को अपने हथियार जोड़ने, इलेक्ट्रॉनिक-वॉरफेयर पैरामीटर में बदलाव करने या भविष्य में अपग्रेड करने के लिए फ्रांस की मंजूरी पर निर्भर रहना पड़ सकता है। इसमें अस्त्र मिसाइल और और शायद एयर-लॉन्च होने वाली ब्रह्मोस जैसे स्वदेशी सिस्टम भी शामिल हो सकते हैं। रूस कई बार भारत को एसयू-57ई के सोर्स कोड और डिजाइन डॉक्यूमेंटेशन तक एक्सेस देने की पेशकश कर चुका है। लिहाजा इस पेशकश से बातचीत में भारत की स्थिति मजबूत होती है और फ्रांसीसी मॉडल की कमजोरी भी सामने आती है।

फ्रांस एडवांस्ड प्लेटफॉर्म तो बेचना चाहता है लेकिन उनमें अपनी मर्जी से बदलाव करने के लिए जरूरी टूल्स या जानकारी शेयर करने को तैयार नहीं है। यानि एक तरफ दशकों की मेहनत से विकसित की गई टेक्नोलॉजी की सुरक्षा करना पेरिस के लिए सही है। दूसरी तरफ भारत सिर्फ एक और एयरक्राफ्ट नहीं चाहता बल्कि अगले तीस या चालीस सालों के लिए इंडस्ट्रियल ऑटोनॉमी यानि औद्योगिक आत्मनिर्भरता चाहता है।

झारखंड में अगले 2 दिन भारी बारिश, ऑरेंज अलर्ट

रांची समेत 17 जिलों में बरसेंगे बादल, 15 अगस्त तक वज्रपात की चेतावनी

रांची, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण झारखंड में अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले दो दिनों के लिए राज्य के 17 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 12 और 13 अगस्त को सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में भारी बारिश की संभावना है, जबकि अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

14 अगस्त को रांची, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में वज्रपात के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

15 अगस्त को रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, चतरा, पलामू, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा और गुमला में भारी बारिश व वज्रपात का यलो अलर्ट रहेगा।

पाकिस्तानी सेना ने 3 ट्रिलियन कहां उड़ाए?

अमेरिका ने सैन्य खर्च पर मांगा एक-एक पाई का हिसाब

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद, 12 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश ने पाकिस्तान सरकार से सैन्य और खुफिया खर्च पर पूरा हिसाब किताब मांगा है। विदेश विभाग ने कहा है कि पाकिस्तान के मिलिट्री और इंटेलिजेंस खर्च पर पर्याप्त संसदीय और नागरिक निगरानी नहीं हुई है। यानि पाकिस्तान ने पैसे कहां खर्च किए हैं इसका कोई हिसाब किताब नहीं है। इसके साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग ने सरकारी कर्ज की सीमित जानकारी और एग्जीक्यूटिव बजट प्रस्ताव जारी करने में देरी पर भी चिंता जताई है। ये खर्च करीब 3 ट्रिलियन पाकिस्तान रुपये है।

ये चिंताएं '2026 फिस्कल ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट' में उठाई गई हैं। इस रिपोर्ट में पाकिस्तान की पब्लिक फाइनेंशियल ट्रांसपेरेंसी यानि सार्वजनिक वित्तीय पारदर्शिता का आकलन किया गया और देश की बजट और वित्तीय जानकारियां छिपाने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने अपना पास किया गया बजट और साल के आखिर के वित्तीय स्टेटमेंट ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध कराए। लेकिन मिलिट्री और इंटेलिजेंस पर कितना बजट था और पैसे कहां खर्च किए गये इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है। इसके अलावा अमेरिका ने इस्लामाबाद की इस बात के लिए भी आलोचना की है कि उसने अपना एग्जीक्यूटिव बजट प्रस्ताव उचित समय के भीतर जारी नहीं किया। आकलन के अनुसार इससे बजट को अपनाने से पहले सरकारी खर्च की जांच करने के लिए कानून बनाने वालों और सिविल सोसाइटी को मिलने वाला समय कम हो जाता है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने पाकिस्तान के फिस्कल ट्रांसपेरेंसी फ्रेमवर्क यानि वित्तीय पारदर्शिता ढांचे में तीन अहम बदलाव करने को कहा है। पाकिस्तान अपने एग्जीक्यूटिव बजट प्रस्ताव को उचित समय के भीतर सार्वजनिक करे, सरकारी कर्ज की देनदारियों के बारे में पूरी जानकारी दें और सेना तथा खुफिया एजेंसियों के बजट को संसदीय या नागरिक निगरानी के दायरे में लाए।

पूर्व पीएम इमरान की सेहत को लेकर बढ़ी चिंता

कस्टडी में मौत की अटकलों के बीच पार्टी ने की ये मांग

इस्लामाबाद, 12 अगस्त (एजेंसियां)। रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के सेहत को लेकर चिंता जताई जा रही है। इमरान खान की पार्टी और उनके परिजनों ने आरोप लगाए हैं कि इमरान खान को हिरासत में रहते हुए जान का खतरा है। इमरान खान की बहन डॉ. उजमा ने कहा है कि उनके भाई ने उन्हें साफ तौर पर चेतावनी दी थी कि अगर जेल में उन पर जानलेवा हमला होता है तो पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर इसके लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। 73 वर्षीय इमरान खान साल 2023 से पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद हैं। उनकी पार्टी पीटीआई बार-बार आरोप लगा रही है कि उन्हें इमरान खान से मिलने नहीं दिया जा रहा है और न ही जेल में इमरान खान को सही चिकित्सा देखभाल मिल रही है, जिससे उनकी हालत दिनों-दिन बिगड़ रही है। पार्टी के नेताओं ने दावा किया है कि जेल में इमरान खान की आंखों की रोशनी बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

इमरान खान की पार्टी के नेता और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल अफरीदी ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को जेल से रिहा नहीं किया जाता है तो हालात ऐसे मोड़ पर पहुंच सकते हैं, जहां इमरान खान के शांति की अपील करने के बावजूद शांति कायम नहीं हो सकेगी।

ब्रिटेन में कट्टरपंथी नेता के सामने कूड़ेदान वाला उम्मीदवार

अजीबोगरीब वादों से सुर्खियां बटोर रहा, कहा- हर वोटर को सस्ता घर दूंगा

लंदन, 12 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन में इन दिनों एक ऐसा उम्मीदवार चर्चा में है, जो चुनाव प्रचार के दौरान कूड़ेदान जैसी पोशाक पहनता है और खुद को एलियन बताता है। काउंट बिनफेस नाम के ये उम्मीदवार क्लैक्टन उपचुनाव में रिफॉर्म यूके के कट्टरपंथी नेता नाइजेल फराज के खिलाफ मैदान में हैं।

काउंट बिनफेस का कहना है कि चुनाव का नतीजा कुछ भी हो, जीत उसी की मानी जाएगी। वह अपने अजीबोगरीब वादों की वजह से भी खूब चर्चा में है। वे हर नागरिक को सस्ता घर देने का वादा कर रहे हैं। काउंट बिनफेस का किरदार 46 वर्षीय लेखक और कॉमेडियन जॉन हार्वे निभाते हैं। वे काउंट बिनफेस नाम से कई बार चुनाव लड़ चुके हैं।

हार्वे ने पहली बार 2017 के ब्रिटिश आम चुनाव में लॉर्ड बकेटहेड नाम से तत्कालीन पीएम

थेरेसा मे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। इस नाम को लेकर कॉपीराइट विवाद हो गया। दरअसल, लॉर्ड बकेटहेड भी एक व्यंग्यात्मक काल्पनिक किरदार है। यह काले रंग की टोपी पहनता है जो कि बाल्टी जैसा दिखता है। सबसे पहले 1987 में माइक ली नाम के एक शख्स ने लॉर्ड बकेटहेड नाम से यह चुनाव लड़ा था। इसके बाद हार्वे को लॉर्ड बकेटहेड नाम छोड़ना पड़ा। इसके बाद हार्वे ने काउंट बिनफेस किरदार को 2018 में चुनाव से कुछ महीने पहले लॉन्च किया।

यह नाम 2 शब्दों से मिलकर बना है। काउंट, बिनफेस। काउंट राजशाही से जुड़ी एक उपाधि है। जैसे कि लॉर्ड, अर्ल या बैरन भी एक उपाधि है। ऐसे में काउंट बिनफेस का मतलब है- कूड़ेदान के चेहरे वाला काउंट।

काउंट बिनफेस ने 2019 में तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के खिलाफ चुनाव लड़ा। इसके बाद वे 2021 और 2024 के लंदन मेयर चुनाव, 2023 उपचुनाव, 2024 आम चुनाव और 2026 में एक उपचुनाव में भी उम्मीदवार रहे।

मौजूदा हालात में काउंट बिनफेस चुनाव जीत जाएंगे इसकी संभावना बहुत कम है। दरअसल, क्लैक्टन सीट से फराज सांसद रह चुके हैं। पिछले चुनाव में उन्हें 46% वोट मिले थे। हालिया सर्वे में उन्हें करीब 73% वोट मिलने का अनुमान जताया गया है।

ब्रिटेन की लेबर, कंजर्वेटिव और लिबरल डेमोक्रेट जैसी बड़ी पार्टियों ने इस उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारा है। इससे फराज की जीत की संभावना और मजबूत हो गई है। काउंट बिनफेस इस चुनाव में फराज के सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन वे अकेले नहीं हैं। इस उपचुनाव में कुल 33 उम्मीदवार मैदान में हैं।

काउंट बिनफेस के लिए असली जीत सीट जीतना नहीं, बल्कि अच्छा वोट हासिल करना होगा। अब तक उन्हें सबसे ज्यादा 2021 के लंदन मेयर चुनाव में करीब 1% वोट मिले थे। क्लैक्टन उपचुनाव में बड़ी पार्टियों के शामिल नहीं होने से काउंट बिनफेस फराज के सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं।

छत्तीसगढ़ में मुंबई की महिला बाइकर की मौत

धमतरी, 12 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में बुधवार सुबह मुंबई की महिला बाइकर की सड़क हादसे में मौत हो गई। महिला बाइकर की पहचान रिद्धि ठक्कर (24) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक मुंबई से 23 बाइकर्स का दल बस्तर जा रहा था। मरकाटोला घाटी के पास रिद्धि ट्रेलर की चपेट में आ गई।

हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। साथी बाइकर्स और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर धमतरी रेफर किया गया।

धमतरी के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने रिद्धि को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही महापौर रामू रोहरा अस्पताल पहुंचे और महिला बाइकर्स से घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमॉर्टम कराया है और उसे मुंबई भेजने की तैयारी की जा रही है।

डीएसपी भानुप्रताप चंद्राकर ने बताया कि रिद्धि ठक्कर बाइक राइडिंग के लिए मुंबई से धमतरी होते हुए बस्तर क्षेत्र की ओर जा रही थीं। मरकाटोला के पास उनकी बाइक और ट्रेलर के बीच टक्कर हो गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हुईं और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हसीना कार्ड खेलना बंद करे भारत

ब्रिक्स समिट के लिए दिल्ली नहीं आएंगे तारिक रहमान! गुस्से में बांग्लादेशी गृहमंत्री

ढाका, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान कथित तौर पर ब्रिक्स समिट के लिए भारत नहीं आएंगे। सितंबर में दिल्ली में होने वाले इस समिट के लिए भारत ने रहमान को न्योता भेजा है। बांग्लादेश सरकार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इस पर कुछ नहीं कहा है। ढाका का कहना है कि तारिक के दिल्ली दौरे पर फिलहाल विचार हो रहा है। दूसरी ओर ढाका की सत्ता के करीबी सूत्रों का दावा है कि तारिक ने दिल्ली नहीं जाने पर फैसला ले लिया है। ढाका में शेख हसीना को दिल्ली से मिल रहे 'समर्थन' पर नाराजगी है। बांग्लादेश के गृह मंत्री ने एक सख्त बयान में कहा है कि भारत को 'हसीना कार्ड' खेलना बंद करना पड़ेगा।

प्रोथोमोलो की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में शेख हसीना को पत्रकारों से सीधे बात करने का मौका मिलने के बाद बांग्लादेश-भारत संबंधों में नया तनाव पैदा हुआ है। इस माहौल में यह तकरीबन तय हो गया है कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान 12-13 सितंबर को दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल नहीं होंगे।

बांग्लादेश सरकार के कई उच्च-स्तरीय सूत्रों ने प्रोथोमोलो को बताया कि हाल की घटनाओं के बाद रहमान के ब्रिक्स आउटरीच सत्र में शामिल होने की संभावना अब खत्म हो गई है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिम्सटेक के मौजूदा अध्यक्ष के तौर पर तारिक रहमान को इस सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। तारिक रहमान को 14 जुलाई को ढाका में भारतीय उच्चायोग के माध्यम से बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय को भेजे गए राजनयिक पत्र के जरिए न्योता दिया गया था। बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी के देशों का क्षेत्रीय संगठन है।

हूती विद्रोहियों का सऊदी जहाज पर मिसाइल हमला

यमन, 12 अगस्त (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में सऊदी से जुड़े जहाज पर मिसाइल हमला किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें 4 क्रू मेंबर मारे गए। इनमें 3 पाकिस्तानी और 1 इंडोनेशियाई नागरिक था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तंजानिया के झंडे वाले इस जहाज का नाम 'तिहामा' था। यह ओमान के सलालाह पोर्ट से जिबूती जा रहा था।

हूती विद्रोहियों ने 20 जुलाई को सऊदी जहाजों की नाकाबंदी शुरू की थी। इसके बाद से वे रेड सी में सऊदी से जुड़े 8 जहाजों पर हमला कर चुके है। इनमें एनसिलिया, लायला, गजल और वफा जैसे जहाज शामिल हैं।

होर्मुज के बाद बाब अल-मंदेब में भी खतरा बढ़ा

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से समुद्री कारोबार पहले ही दबाव में है। अब बाब अल-मंदेब में भी जहाजों पर हमले बढ़ रहे हैं। इससे शिपिंग कंपनियों की परेशानी और बढ़ गई है। हूती विद्रोही रेड सी से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बना रहे हैं। रॉयटर्स के मुताबिक सऊदी जहाजों पर हूतियों के हमलों में यह पहली बार है, जब किसी की मौत हुई है।

हूतियों के हमलों का असर सऊदी अरब के तेल निर्यात पर भी पड़ा है। समुद्र में जहाजों की आवाजाही कम हुई है। सुरक्षा के डर से कई जहाज रेड सी और स्वेज नहर के रास्ते से बच रहे हैं।

केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले हफ्ते बाब अल-मंदेब से रोज औसतन 32 जहाज गुजरे। पहले यहां रोज करीब 50 जहाज गुजरते थे। यानी अब इस रास्ते से करीब 18 जहाज कम गुजर रहे हैं। कई जहाज अब अफ्रीका के चारों ओर से जा रहे हैं। यह रास्ता काफी लंबा है। इससे सामान पहुंचने में ज्यादा समय लग रहा है। इसका असर सप्लाई पर भी पड़ रहा है।

पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों की बलूचिस्तान में अंधाधुंध बमबारी

20 लोगों की मौत, सैकड़ों हुए बेघर

इस्लामाबाद, 12 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में एक बार फिर हवाई हमले किए हैं। बलूच मीडिया ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने सोराब के गिदार इलाके के गोंधन में कई जगहों पर अंधाधुंध बमबारी की है। इसमें कम से कम 20 आम नागरिक मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। बमबारी की वजह से दर्जनों घर हमले में तब्दील हो गए हैं। पाकिस्तानी एयर फोर्स ने ऐसे समय में बलूचिस्तान में बमबारी की है, जब प्रांत में पाक आर्मी और सरकार को लेकर गुस्सा चरम पर है।

द बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया है कि मंगलवार देर रात से बुधवार तड़के तक पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने प्रांत के कई हिस्सों में बम गिराए हैं। पाकिस्तानी आर्मी अक्सर अपने इन हमलों को विद्रोही गुटों के खिलाफ ऑपरेशन कहता है। वहीं बलूचिस्तान के स्थानीय संगठनों का कहना है कि आम गरीब लोगों के घरों को सेना के बमों का निशाना बनाया गया है। इसने ना सिर्फ आम लोगों की जान ली है बल्कि उनको बेघर भी कर दिया है। पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के बलूचिस्तान में हमले पर पाकिस्तानी आर्मी का आधिकारिक बयान नहीं आया है। मंगलवार को पाकिस्तान सेना ने अपने बयान में कहा था कि उसने दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में आतंकवाद-विरोधी अभियान चलाया है। इसमें पांच कथित आतंकवादियों को मार गिराया गया है। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग ने अपने बयान में दावा किया है कि ये अभियान सोमवार को पंजगुर जिले में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए।

यूक्रेन से विवाद में रूस का 'मध्यस्थ' बन क्या करेंगे पूर्व चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़?

मॉस्को, 12 अगस्त (एजेंसियां)। रूस ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायधीश डी वाई चंद्रचूड़ को यूक्रेन से संपत्तियों को लेकर विवाद के एक मामले में अपना मध्यस्थ नियुक्त किया है। दरअसल, यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले ओस्चादबैंक ने डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसोन और जापोरिजिया में संपत्तियों को लेकर एक विवाद दाखिल किया है। इसमें उसने रूस से इन इलाकों में युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजे की मांग की है।

ओस्चैडबैंक का कहना है कि रूस के आचरण के कारण उसे चारों क्षेत्रों में अपनी संपत्ति और परिचालन का काफी नुकसान हुआ है। बैंक ने 24 जुलाई 2025 को रूस को विवाद की सूचना भेजने के बाद 7 अप्रैल 2026 को औपचारिक रूप से मध्यस्थता प्रक्रिया शुरू की। ऐसे में रूस ने अपनी तरफ से इस मध्यस्थता कार्यवाही में पूर्व भारतीय मुख्य न्यायधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया है। ग्लोबल आर्बिट्रेशन रिव्यू ने अगस्त 2025 में अपनी रिपोर्ट में बताया था कि रूस ने विंटरशाल डीया मामले और यूक्रेनी उपयोगिता कंपनी उक्रेनर्गो से जुड़े एक अन्य विवाद में मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए एक पूर्व भारतीय मुख्य न्यायाधीश से संपर्क करने की बात स्वीकार की थी। लेकिन इस नियुक्ति का यह मतलब नहीं है कि चंद्रचूड़ रूस के वकील के रूप में काम करेंगे या उसके पक्ष को रखेंगे, बल्कि वे एक पक्ष द्वारा नियुक्त मध्यस्थ के रूप में, तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण के एक सदस्य के रूप में बैठेंगे। इन तीनों से स्वतंत्र निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। ओस्चैडबैंक ने रूस और यूक्रेन के बीच निवेश के संवर्धन और पारस्परिक संरक्षण पर 1998 में हस्ताक्षरित समझौते के तहत मामला दर्ज किया है। इसे आमतौर पर रूस-यूक्रेन द्विपक्षीय निवेश संधि या बीआईटी के रूप में जाना जाता है। बैंक का कहना है कि रूस के आचरण के परिणामस्वरूप डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसोन और जापोरिजिया में उसकी काफी संपत्ति और परिचालन का नुकसान हुआ है। अप्रैल 2026 में जारी अपनी घोषणा में बैंक ने मध्यस्थता नोटिस में संधि के तहत रूस के दायित्वों के उल्लंघन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कानून के मूलभूत मानदंडों के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

यह संधि एक पक्ष के निवेशकों को दूसरे पक्ष के क्षेत्र में किए गए निवेशों के लिए सुरक्षा प्रदान करती है। अनुच्छेद 9 में यह प्रावधान है कि यदि वार्ता विफल हो जाती है, तो एक पक्ष और दूसरे पक्ष के निवेशक के बीच विवादों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाया जा सकता है। संधि में भूमि अधिग्रहण और मुआवजे से संबंधित सुरक्षा प्रावधान भी शामिल हैं। ऐसे में न्यायाधिकरण को यह निर्धारित करना पड़ सकता है कि ओस्चादबैंक के दावे वाली संपत्तियां, परिचालन संधि के संरक्षित निवेश और क्षेत्रीय दायरे में आते हैं या नहीं।

कोलंबिया में भूकंप से अब तक 224 की मौत, 1200 घायल

86 इमारतें गिरीं, 1500 से ज्यादा घरों को नुकसान, 3000 से ज्यादा लोग लापता

बोगोटा, 12 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में सोमवार रात आए 7.4 तीव्रता के भूकंप से अब तक 224 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 1200 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। 3000 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, देशभर में 86 इमारतें ढह गईं, जबकि 1,500 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को भी नुकसान हुआ है।

इसके अलावा 7 एयरपोर्ट पर काम रोक दिया गया है। पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। राष्ट्रपति ने इमरजेंसी कमेटी की बैठक बुलाकर राहत और बचाव अभियान की निगरानी शुरू कर दी है।

परेरा शहर में अकेले 60 लोगों की मौत हुई है। करीब 5 लाख की आबादी वाला यह शहर भूकंप के केंद्र से 64 किलोमीटर से भी कम दूरी पर है।

राजधानी बोगोटा समेत कई शहरों में भी तेज झटके महसूस किए गए। एहतियात के तौर पर लोग इमारतों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप सोमवार सुबह करीब 7:34 बजे आया। इसका केंद्र चोको इलाके में सैन जोसे डेल पालमार के पास था। भूकंप की गहराई 107 किलोमीटर थी।

बोगोटा के मेयर ने प्रभावित इलाकों के लिए 6 कलेक्शन सेंटर बनाए हैं। यहां पानी, कंबल, पैक्ड खाना, हाइजीन सामान और फर्स्ट-एड किट जमा की जा रही हैं।

कोलंबिया दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यहां हर साल हजार से ज्यादा छोटे-बड़े भूकंप आते हैं।

कोलंबिया में बार-बार भूकंप आने की सबसे बड़ी वजह इसकी भौगोलिक स्थिति है। यह देश 'रिंग ऑफ फायर' नाम के भूकंप और ज्वालामुखी वाले क्षेत्र में आता है। यहां नाजका, कोकोस और दक्षिण अमेरिकी जैसी कई बड़ी टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनमें से एक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती रहती है। इसी वजह से जमीन के अंदर लगातार हलचल होती रहती है, जिससे अक्सर तेज भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते हैं।

गढ़वा के युवक ने गुजरात में लगाई फांसी

निर्माणाधीन बिल्डिंग की 32वीं मंजिल पर क्रेन से लटककर दी जान

गढ़वा, 12 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में एसजी हाईवे पर निरमा यूनिवर्सिटी के सामने निर्माणाधीन ट्रेमोंट एडलिप बिल्डिंग में 22 वर्षीय युवक प्रीतम सिंह ने कथित तौर पर क्रेन से लटककर आत्महत्या कर ली। युवक मूल रूप से गढ़वा का रहने वाला बताया जा रहा है।

घटना के बाद निर्माण स्थल पर हड़कंप मच गया। बताया गया कि युवक का शव देर रात से बुधवार सुबह तक 32वीं मंजिल पर क्रेन से लटका रहा। आसपास के लोगों के अनुसार, सुबह करीब 8 बजे जब वे मौके पर पहुंचे, तब भी शव ऊपर लटका हुआ था। सूचना मिलने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

भगवान शिव के गले में क्यों रहते हैं नाग?

इसके पीछे छिपा है बड़ा रहस्य

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति का सबसे पावन समय माना जाता है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भगवान शिव अपने गले में हमेशा वासुकी नाग को ही क्यों धारण करते हैं?

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए बेहद खास माना जाता है. इसी महीने नाग पंचमी का पर्व भी आता है, जब नाग देवता की पूजा करने की परंपरा है. भगवान शिव की प्रतिमा या तस्वीर में आपने अक्सर उनके गले में सर्प लिपटा हुआ देखा होगा. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि महादेव के गले में ही नाग क्यों विराजमान रहते हैं? धार्मिक मान्यताओं में इसके पीछे कई गहरे अर्थ बताए गए हैं. आइए विस्तार से जानते हैं.

भगवान शिव के गले में क्यों रहता है नाग?

हिंदू धर्म में सर्प को केवल एक सामान्य जीव के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि उसे शक्ति, रहस्य, कुंडलिनी और संरक्षण से जोड़कर भी देखा जाता है. भगवान शिव के गले में नाग का होना उनकी निर्भयता और प्रकृति पर नियंत्रण का प्रतीक माना जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव मृत्यु और भय से परे हैं. सर्प को आमतौर पर भय का प्रतीक माना जाता है, लेकिन महादेव ने उसे अपने गले में धारण कर यह संदेश दिया कि जो व्यक्ति भय पर विजय प्राप्त कर लेता है, उसके लिए मृत्यु का डर भी समाप्त हो जाता है।

नाग शिव के गले में होने का क्या है धार्मिक अर्थ?

भगवान शिव के गले में लिपटा सर्प कई प्रतीकों को दर्शाता है. सबसे प्रमुख अर्थ समय और मृत्यु से जुड़ा माना जाता है. सर्प अपनी केंचुली छोड़ता है और नया रूप धारण करता है. इसे जीवन के निरंतर परिवर्तन और पुनर्निर्माण का प्रतीक माना जाता है. वहीं, शिव को कालों का काल कहा जाता है. उनके गले में नाग का होना इस बात का संकेत माना जाता है कि महादेव काल और मृत्यु से भी ऊपर हैं।

वासुकि नाग का शिव से क्या संबंध है?

धार्मिक कथाओं में भगवान शिव के गले में विराजमान नाग को वासुकि नाग बताया गया है. समुद्र मंथन की कथा में भी वासुकि नाग के विषय में बताया गया है. देवताओं और असुरों ने समुद्र मंथन के लिए वासुकि नाग को मंदराचल पर्वत के चारों ओर रस्सी के रूप में इस्तेमाल किया था. समुद्र मंथन के दौरान जब हलाहल विष निकला तो उसकी तीव्रता से पूरी सृष्टि संकट में पड़ गई. तब भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए उस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया. इसी वजह से उनका नाम नीलकंठ पड़ा. भगवान शिव और नाग के संबंध को इसी धार्मिक परंपरा का हिस्सा माना जाता है।

शिव जी की नारद मुनि की कथा

सलाह देने वाले की नीयत और बात की सच्चाई को समझें जीवन में सच्चे सलाहकार मिलना सौभाग्य की बात है

हमारे जीवन में कई लोग समय-समय पर हमें सलाह देते हैं। इनमें से कुछ लोग केवल अपनी राय रखते हैं, जबकि कुछ ऐसे भी होते हैं जो सचमुच हमारा भला चाहते हैं। ऐसी निःस्वार्थ सलाह को पहचानना और उसे सही समय पर स्वीकार करना बहुत जरूरी है। यह बात भगवान शिव और नारद मुनि की कथा से समझ सकते हैं...

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया। इस सफलता से नारद जी को अपने ऊपर गर्व होने लगा। वे लोगों को बताते फिर रहे थे कि उन्होंने कामदेव को हरा दिया है। धीरे-धीरे यह गर्व अहंकार में बदलने लगा। उत्साह में नारद मुनि कैलाश पर्वत पहुंचे और भगवान शिव को भी अपनी विजय के बारे में बताया।

नारद जी ने कहा कि उन्होंने कामदेव को पराजित किया और इसके लिए उन्हें क्रोधित भी नहीं होना पड़ा। शिव जी समझ गए कि नारद मुनि के मन में अपनी सफलता को लेकर अहंकार पैदा हो गया है। उन्होंने नारद जी को समझाया कि कामदेव पर विजय प्राप्त करना अच्छी बात है, लेकिन इसका घमंड नहीं करना चाहिए। शिव जी ने यह भी कहा कि वे यह बात उनसे कह रहे हैं, लेकिन भगवान विष्णु से इसका उल्लेख न करें।

नारद मुनि ने शिव जी की सलाह को गंभीरता से नहीं लिया। उन्हें लगा कि शायद शिव जी उनकी प्रशंसा से प्रसन्न नहीं हैं। वे भगवान विष्णु के पास पहुंचे और अपनी विजय का बखान करने लगे।

विष्णु जी समझ गए कि नारद मुनि को अपनी उपलब्धि का अहंकार हो गया है। उन्होंने नारद जी का अहंकार दूर करने के लिए अपनी माया से एक सुंदर नगरी बनाई, जहां एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा था।

नारद मुनि राजकुमारी को देखकर मोहित हो गए और उससे विवाह करना चाहते थे। उन्होंने विष्णु जी से प्रार्थना की कि उन्हें ऐसा सुंदर रूप दिया जाए, जिससे राजकुमारी उन्हें स्वयंवर में चुन ले। विष्णु जी ने उन्हें नया रूप दिया, लेकिन नारद मुनि को पता नहीं था कि उनका चेहरा बंदर जैसा हो गया है।

स्वयंवर में बंदर जैसे चेहरे की वजह से नारद मुनि का उपहास हुआ। उस स्वयंवर में भगवान विष्णु भी पहुंचे, राजकुमारी ने विष्णु जी को चुन लिया। इससे नारद मुनि क्रोधित हो गए और उन्होंने विष्णु जी को शाप दे दिया। बाद में जब उनका क्रोध शांत हुआ और उन्हें पूरी सच्चाई समझ आई, तो उनका अहंकार समाप्त हो गया। उन्होंने भगवान विष्णु से क्षमा मांगी।

इस कथा की सबसे बड़ी सीख यही है कि कभी-कभी हमारे हित में कही गई बात हमें उस समय अच्छी नहीं लगती, लेकिन अगर उस सलाह को मान लिया जाए, तो वही सलाह हमें बड़ी गलती से बचा सकती है।

कथा की सीख

सलाह देने वाले की नीयत देखें

हर सलाह को आंख बंद करके मानना जरूरी नहीं है। पहले यह समझें कि सामने वाला आपकी मदद करना चाहता है या केवल अपनी बात मनवाना चाहता है। जो व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के आपकी कमियां बताता है और आपके बेहतर भविष्य की चिंता करता है, उसकी बात को गंभीरता से सुनना चाहिए। ऐसे लोगों की सलाह पर ध्यान देना चाहिए।

प्रशंसा से ज्यादा जरूरी है ईमानदार प्रतिक्रिया

हमें अक्सर वही बातें अच्छी लगती हैं जो हमारी तारीफ करती हैं, लेकिन जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि अपनी गलतियों का पता चलना भी जरूरी है। जो व्यक्ति हमारी कमी बताने का साहस करता है, वह कई बार हमारा सच्चा हितैषी होता है।

सफलता के समय खुद पर नजर रखें

सफलता मिलने के बाद अहंकार पैदा होना आसान है। ऐसे समय में खुद से पूछें- क्या यह उपलब्धि केवल मेरी मेहनत का परिणाम है? क्या दूसरों ने इसमें मेरी मदद की? यह सोच हमें जमीन से जुड़े रहने में मदद करती है।

तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें

कोई सलाह पसंद न आए, तो तुरंत उसे गलत न मानें। थोड़ा रुकें, शांत होकर सोचें और देखें कि सामने वाले की बात में कितनी सच्चाई है। कई बार सलाह हमें इसलिए बुरी लगती है, क्योंकि वह हमारी कमियों को सामने ला रही होती है।

भरोसेमंद लोगों की बातों को याद रखें

परिवार, मित्र, गुरु या कोई अनुभवी व्यक्ति यदि बार-बार किसी गलती की ओर ध्यान दिलाता है, तो उसे नजरअंदाज करने के बजाय आत्ममंथन करें। संभव है कि वे वह बात देख पा रहे हों, जिसे हम अपने अहंकार के कारण नहीं देख पा रहे।

अपनी गलती स्वीकार करना कमजोरी नहीं है गलती मान लेना व्यक्ति को छोटा नहीं बनाता, बल्कि उसे परिपक्व बनाता है। यदि किसी की सलाह न मानने से नुकसान हुआ है, तो बहाने बनाने के बजाय अपनी गलती स्वीकार करें और उससे सीख लें।

अहंकार पर नियंत्रण रखें

ज्ञान, सफलता, पद या प्रतिभा जितनी भी बड़ी हो, विनम्रता उससे बड़ी खूबी है। अपनी उपलब्धियों पर खुश होना गलत नहीं है, लेकिन उन्हें दूसरों से श्रेष्ठ साबित करने का माध्यम बनाना नुकसानदायक हो सकता है।

सलाह को जीवन में लागू करने से पहले परखें सही सलाह का अर्थ यह नहीं कि हर बात को बिना सोचे मान लिया जाए। सलाह को अपनी परिस्थिति, तथ्यों और परिणामों के आधार पर परखें। जो सलाह तर्कसंगत और हितकारी लगे, उसे व्यवहार में उतारने का प्रयास करें। जीवन में सच्चे सलाहकार मिलना सौभाग्य की बात है। ऐसे लोगों की बात हमेशा मन को अच्छी लगे, यह जरूरी नहीं, लेकिन उनकी नीयत और बात की सच्चाई को समझना जरूरी है। नारद मुनि की कथा हमें याद दिलाती है कि अहंकार अक्सर वही बात सुनने से रोकता है, जो हमारे सबसे ज्यादा काम आ सकती है। इसलिए सफलता के साथ विनम्रता और सलाह के साथ आत्ममंथन, यही बेहतर जीवन का सूत्र है।

गाड़ी हो या नया सामान, हल्दी-कुमकुम क्यों लगाते हैं?

घर में नई गाड़ी आए, नया वाहन खरीदा जाए या कोई नया सामान घर में लाया जाए, तो कई परिवारों में सबसे पहले उसकी पूजा की जाती है. पूजा के दौरान नई चीज पर हल्दी और कुमकुम लगाने की परंपरा भी काफी पुरानी है. आपने अक्सर देखा होगा कि नई कार, बाइक, घर के दरवाजे, बर्तन या किसी नए उपकरण पर हल्दी-कुमकुम लगाया जाता है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों किया जाता है?

नई चीज पर हल्दी-कुमकुम लगाने की परंपरा क्यों?

भारतीय संस्कृति में किसी भी नए काम की शुरुआत शुभ तरीके से करने की परंपरा रही है. माना जाता है कि जब घर में कोई नई वस्तु आती है, तो उसका इस्तेमाल शुरू करने से पहले भगवान का नाम लेने और पूजा करने से काम में सकारात्मकता बनी रहती है. हिंदू धर्म में हल्दी को शुभता, शुद्धता और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है, जबकि कुमकुम को मंगल और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है. धार्मिक मान्यता है कि किसी नई वस्तु का इस्तेमाल शुरू करने से पहले उसकी पूजा करने और हल्दी-कुमकुम लगाने से उस वस्तु के साथ शुभता जुड़ती है।

हल्दी को क्यों माना जाता है शुभ?

पूजा-पाठ से लेकर विवाह जैसे शुभ अवसरों तक हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है. इसे शुद्धता, आरोग्य, समृद्धि और शुभता से जोड़कर देखा जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हल्दी भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से भी जुड़ी मानी जाती है. यही वजह है कि कई शुभ कामों में हल्दी का प्रयोग किया जाता है।

कुमकुम लगाने का क्या मतलब है?

कुमकुम को हिंदू परंपरा में मंगल और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है. पूजा के दौरान देवी-देवताओं को कुमकुम अर्पित करने की परंपरा भी है. कई धार्मिक मान्यताओं में इसे शक्ति और शुभ ऊर्जा से जोड़ा जाता है. नई वस्तु पर कुमकुम लगाने का उद्देश्य भी उसे शुभ मानकर भगवान का आशीर्वाद लेना माना जाता है. इसी वजह से नई गाड़ी की पूजा करते समय उसके आगे के किसी हिस्से पर कुमकुम से तिलक किया जाता है।

हल्दी-कुमकुम को देवी-देवताओं से जोड़कर क्यों देखा जाता है?

धार्मिक मान्यताओं में हल्दी और कुमकुम का संबंध अलग-अलग देवी-देवताओं और शुभ शक्तियों से जोड़ा गया है. हल्दी को समृद्धि और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है, जबकि कुमकुम को शक्ति और मंगल का प्रतीक माना जाता है. कई परिवारों में हल्दी-कुमकुम को माता लक्ष्मी और देवी दुर्गा के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है. इसलिए किसी नई चीज पर इन्हें लगाने का भाव यही होता है कि घर में सुख-समृद्धि बनी रहे और नई वस्तु शुभ फल दे।

हल्दी-कुमकुम लगाने से बुरी नजर से बचने की मान्यता

भारतीय परंपराओं में हल्दी और कुमकुम को शुभता से जोड़ने के साथ-साथ नकारात्मकता से बचाव का प्रतीक भी माना गया है. कई परिवारों में मान्यता है कि नई वस्तु पर शुभ चिह्न बनाने से बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव दूर रहता है।

जीवन में जब-जब माया सताए ईश्वर की लीला से जुड़ जाएं

पूजा-पाठ करने वाले भी भ्रमित हो जाते हैं। शिकायत करते हैं कि हमारे साथ ऐसा क्यों होता है? क्या ईश्वर है नहीं, है तो हमारी सुनता नहीं? तुलसीदास जी क्या लिखते हैं- परबस जीव स्वबस भगवंता, जीव अनेक एक श्रीकंता। मनुष्य परतंत्र है, भगवान स्वतंत्र हैं। जीव अनेक हैं, श्रीपति भगवान एक हैं। अब इसमें तुलसीदास जी ने साफ कहा है कि यह जो माया है, जादू है- यह भ्रम पैदा करता है। तो माया से बचने के लिए भजन किया जाए। और भजन करते ही या तो हम ईश्वर के निकट जाते हैं या ईश्वर हमारे पास आते हैं। भागवत पुराण में भगवान कृष्ण ने जब रासलीला की तो लोग भ्रम में पड़ गए। कृष्ण गोपियों के साथ नाच रहे हैं। लोगों ने स्त्री और पुरुष देखना शुरू कर दिया। रास पंचाध्यायी में यही माया है, लेकिन यदि हम भजन करें तो माया कटेगी। जैसे कृष्ण भजन करने से हम कृष्ण की ओर बढ़ेंगे ही, क्योंकि कृष्ण शब्द का अर्थ है- जो आकर्षित करे, जो भक्त को अपने में लील ले। तो जब-जब माया सताए, ईश्वर की लीला से जुड़ जाएं।

मिट जाएगा देश के सबसे बड़े शक्तिपीठ का अस्तित्व

कामाख्या कॉरिडोर से डरे साधक, बोले- आत्मा मर जाएगी तो मंदिर संवारकर क्या होगा

मां कामाख्या मंदिर का मुख्य द्वार...करीब 40-50 सीढ़ियां चढ़ने के बाद लगा कि अब मां के दर्शन होंगे। पंडित ने कहा- संभलकर पैर रखिएगा, सीढ़ियां फिसलन भरी हैं। संकरे से रास्ते पर अंधेरे में 10-11 सीढ़ियां उतरकर हम गुफा में पहुंचे। रोशनी के लिए बस एक दीये का सहारा था। सामने मूर्ति थी, पंडित ने कहा- दर्शन कीजिए। हमें लगा यही देवी मां हैं।

पंडित ने चिल्लाते हुए कहा- घुटनों के बल बैठिए और हाथ नीचे गहराई में ले जाइए। फिर पूछा- जल स्पर्श हुआ, हाथ और नीचे ले जाइए। तभी जल स्पर्श हुआ। पंडित बोले- इसे माथे पर लगाइए, दर्शन हो गए।

मां कामाख्या मंदिर आने वाले साधक इसी जल स्पर्श दर्शन पर मंडराते खतरे को लेकर डरे हुए हैं। दरअसल, असम सरकार ने मंदिर में कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया है। साधकों को आशंका है कि कॉरिडोर बना, तो जिस प्राकृतिक जल धारा से मां के दर्शन हो रहे हैं, वो तबाह हो जाएगा।

15 दिसंबर, 2023 को कॉरिडोर के खिलाफ 13 साधकों ने सुप्रीम कोर्ट में पिटीशन लगाई थी। इनमें असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की बहन गीतिका भट्टाचार्य भी शामिल हैं। दूसरी याचिका मंदिर के पुजारी ने लगाई है। कोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई, कॉरिडोर के लिए सर्वे कराया गया, लेकिन साधकों को रिपोर्ट नहीं मिली और फैसला भी सरकार के पक्ष में आया।

अब पिटीशनर्स सर्वे रिपोर्ट के लिए अगस्त के आखिर तक गुवाहाटी हाईकोर्ट में इंटरलोकेटरी एप्लीकेशन (आईए) फाइल करने की तैयारी में हैं। साथ ही असम पीडब्ल्यू डी , एनआईएच और आईआईटी गुवाहाटी में आरटीआई से जानकारी के लिए दोबारा अपील करेंगे। हम इनमें से 3 पिटीशनर्स से मिले। तीनों तंत्र विद्या के साधक हैं।

हिमंता की बहन बोलीं- मां के अस्तित्व से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की बहन गीतिका भट्टाचार्य कहती हैं, 'मां के अस्तित्व से छेड़छाड़ कोई भी करे, बर्दाश्त नहीं करूंगी। मैंने 8-9 साल की उम्र से मां को जानना शुरू किया था। मेरे लिए सबसे पहले मां हैं, फिर कोई और।'

कॉरिडोर से नुकसान के सवाल पर पूछती हैं, 'आपने मां के दर्शन किए क्योंकि इसके बिना आप हमारी चिंता नहीं समझ सकतीं। यहां देवी मूर्ति के रूप में नहीं, बल्कि जल की प्राकृतिक धारा के रूप में हैं। उनकी दसों महाविद्याएं भी इसी रूप में हैं। जल का स्पर्श ही मां का दर्शन है। इसके अलावा दूसरा कोई ऐसा मंदिर नहीं है।'

'ये जलधारा कितने फीट नीचे से आ रही है, इसका मूल स्रोत कहां है, 10 महाविद्याओं में जो धारा जाती है, वो इंटरकनेक्टेड है या अलग-अलग, कोई नहीं जानता। इस पर आज तक कोई सर्वे या रिसर्च नहीं हुई।'

'बिना सर्वे कराए इतने बड़े प्रोजेक्ट का टेंडर कैसे हुआ' गीतिका आगे कहती हैं, 'सीएम हिमंता ने कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया। कुछ महीने बाद ही एक कंपनी को टेंडर दे दिया गया। ये सब बिना किसी सर्वे या एक्सपर्ट की राय के हुआ।'

'प्रोजेक्ट का जलधारा पर क्या असर पड़ेगा, ये जानने के लिए सरकार ने क्या किया, इसका पता लगाने के लिए हमने आरटीआई के तहत कई बार जानकारी मांगी। हम एक डिपार्टमेंट से दूसरे डिपार्टमेंट गए, लेकिन जवाब नहीं मिला।'

पिटीशनर नंबर-2

'मां के रूप से छेड़छाड़ और डीप कंस्ट्रक्शन के खिलाफ'

पश्चिम बंगाल के तंत्र साधक राजर्षि नंदी कहते हैं, 'हम कोई सोशल एक्टिविस्ट नहीं, सिर्फ साधक हैं। हमारा एक ही मकसद है कि मां का वास्तविक स्वरूप ना बिगड़े। पर्वत के रूप में मौजूद भगवान शिव को कोई नुकसान न पहुंचे। अगर तोड़फोड़ या खुदाई हुई, तो वहां प्रवाहित हो रही ऊर्जा डिस्टर्ब होगी।'

इसे दो पॉइंट में समझिए...

1. शास्त्रों में मां कामाख्या को शिव के ऊपर रखे कमल पर बैठा दिखाया गया है, जबकि शिव खुद शेर पर लेटे हैं, यानी जिस नीलांचल पर्वत पर मां का स्थान है, वो शिव हैं। शिव के नीचे सिंह रूप में विष्णु और जिस कमल पर मां बैठी हैं, वो ब्रह्मा हैं। अब सोचिए पर्वत पर खुदाई और नया कंस्ट्रक्शन हुआ, तो क्या होगा। मैं नीलांचल पर्वत पर किसी भी तरह के डीप कंस्ट्रक्शन के खिलाफ हूं।
2. मां का अस्तित्व यहां जल के रूप में है। ये जल 10 जगह से प्रकट होता है। इसी के आधार पर इन्हें 10 महाविद्या कहा गया है। शास्त्र पढ़ने वाला साधक ही बता सकता है कि दसों जगह प्रकट जल धारा की प्रकृति में क्या अंतर है। यही जल पर्वत के नीचे भी बह रहा है। ऐसे में अगर कहीं ड्रिलिंग या ब्लास्टिंग हुई, तो जल स्रोत पर असर हो सकता है। दस में से कोई भी जल धारा बंद हो सकती है।

देवप्रश्न के दौरान मां ने दिया आदेश- कोर्ट जाओ

राजर्षि नंदी कहते हैं, 'हम कोर्ट जाने को लेकर दुविधा में थे। फिर सोचा मां से ही पूछ लेते हैं। आपको लगेगा कि मां से कैसे पूछेंगे। इसके लिए एक प्रक्रिया है, जिसे देवप्रश्न कहते हैं। दुनियाभर में 200-250 ऐसे साधक होंगे, जो देवप्रश्न यानी मां से सवाल कर सकते हैं। हमने केरल के दो साधकों को यहां आने के लिए राजी किया।'

युद्ध की कीमत समुद्र भी चुकाएगा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब केवल तेल, गैस और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इससे समुद्री पारिस्थितिकी पर भी खतरा मंडराने लगा है। होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी का आर्थिक असर दुनिया महसूस कर रही है, लेकिन लंबे समय तक जहाजों की आवाजाही बंद रहने से पैदा होने वाले पर्यावरणीय नुकसान पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा। यही इस संकट का सबसे चिंताजनक पहलू है। हाल में किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, बीती फरवरी से फारस की खाड़ी में खड़े डेढ़ हजार से अधिक वाणिज्यिक जहाज गंभीर पर्यावरणीय खतरा पैदा कर सकते हैं। लंबे समय तक स्थिर रहने से इन जहाजों के बाहरी हिस्सों पर समुद्री जीवों और वनस्पतियों की परत जम सकती है। जब ये जहाज अलग-अलग बंदरगाहों की ओर रवाना होंगे तो इनके साथ चिपके समुद्री जीव नए क्षेत्रों में पहुंच सकते हैं। इससे जैव-सुरक्षा के लिहाज से नया खतरा पैदा होगा और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र, मत्स्य संसाधन, जलीय कृषि तथा तटीय उद्योग प्रभावित हो सकते हैं। विडंबना यह है कि इस दोहरे खतरे से बेखबर अमेरिका और ईरान अपनी-अपनी जिद पर अड़े हैं। दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर अंतरिम समझौते के बावजूद शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही। संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों ओर से वार-पलटवार जारी है। ईरान ने होर्मुज जलमार्ग फिर बंद कर दिया और जवाब में अमेरिका ने दोबारा पूरे क्षेत्र की नाकेबंदी कर दी। ईरान ने साफ कहा है कि जब तक अमेरिका उसकी शर्तें स्वीकार नहीं करता, वह जलमार्ग नहीं खोलेगा। ईरान की मांगें भी स्पष्ट हैं अमेरिका नाकेबंदी हटाए, युद्ध से हुए नुकसान का मुआवजा दे, आर्थिक प्रतिबंध समाप्त करे और जब्त संपत्तियां मुक्त करे। इन शर्तों को लेकर अमेरिका कितना गंभीर है, इसका अंदाजा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से लगाया जा सकता है जिसमें उन्होंने कहा कि तेहरान के वार्ताकारों ने अब तक ऐसी कोई मांग नहीं उठाई है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इस टकराव का सीधा असर भारत समेत उन देशों पर पड़ रहा है जिनका पश्चिम एशिया के संघर्ष से कोई सीधा संबंध नहीं है। पश्चिम एशिया में फिर शांति कायम करना दोनों देशों की जिम्मेदारी है, लेकिन युद्ध की शुरुआत अमेरिका और इजराइल ने मिलकर की थी, इसलिए समाधान का रास्ता तलाशने की जिम्मेदारी भी उन पर अधिक है। होर्मुज संकट अब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने से आगे बढ़कर समुद्री पर्यावरण का संकट बन चुका है। लंबे समय तक जहाजों का एक स्थान पर रुके रहना और फिर अलग-अलग बंदरगाहों की ओर जाना समुद्री जीवों, पौधों, परजीवियों और अन्य रोगजनक सूक्ष्मजीवों को नए क्षेत्रों में पहुंचा सकता है। यदि तेल से भरे जहाजों पर बड़े हमले होते हैं तो समुद्र में तेल फैलने से जलीय जीवों को भारी नुकसान हो सकता है। वैश्विक समुदाय को भी इस संकट को केवल ऊर्जा और व्यापार के नजरिए से नहीं देखना चाहिए; समुद्री जैव विविधता की रक्षा के लिए साझा प्रयास अब अनिवार्य हो चुके हैं। अमेरिका और ईरान को समझना होगा कि यह केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा की लड़ाई नहीं है। इसके दुष्परिणाम मानव जीवन, अर्थव्यवस्था और प्रकृति तीनों को भुगतने पड़ेंगे। होर्मुज को दबाव का हथियार बनाए रखने के बजाय दोनों देशों को तत्काल संवाद, शांति और पर्यावरणीय सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

आजादी की लड़ाई में सिंधियों का योगदान

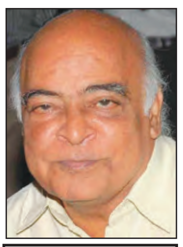
अशोक भाटिया

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल भौगोलिक सीमाओं को मुक्त कराने की लड़ाई नहीं था, बल्कि यह देश के प्रत्येक कोने से उपजे राष्ट्रवाद और सामूहिक बलिदान की एक महागाथा थी। इस महागाथा में अखंड भारत के 'सिंध प्रांत' और सिंधी समाज का योगदान अत्यंत गौरवशाली, अद्वितीय और गहरे आत्मोत्सर्ग से भरा रहा है। सिंधु नदी की प्राचीन सभ्यता से सिंचित यह भूमि न केवल व्यापार और संस्कृति का केंद्र थी, बल्कि राष्ट्रभक्ति की चेतना की भी जननी रही है। अंग्रेजों के दमनकारी शासन के खिलाफ सिंध के वीरों ने जिस अदम्य साहस का परिचय दिया, वह भारतीय इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। सिंधी समुदाय ने न केवल आजादी की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी, बल्कि विभाजन की विभीषिका में अपना सब कुछ खोकर भी भारत माता के प्रति अपनी अटूट निष्ठा को बनाए रखा।

सिंध प्रांत में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांति की ज्वाला शुरुआत से ही सुलग रही थी। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश नियंत्रण के बाद से ही स्थानीय स्तर पर प्रतिरोध शुरू हो गया था, जिसने 20वीं शताब्दी के आते-आते एक संगठित राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया। स्वतंत्रता की इस लड़ाई में समाज के हर वर्ग नेताओं, छात्रों, व्यापारियों और महिलाओं ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और उनकी शहादत की गाथा हम 1. **अमर शहीद हेमू कालानी** (सिंध के भगत सिंह)से करते है ।सिंधी समाज के स्वतंत्रता संग्राम का जिक्र जब भी होता है, शहीद हेमू कालानी का नाम सबसे पहले और सबसे आदर के साथ लिया जाता है। अविभाजित भारत के सिंध प्रांत के सक्कर जिले में 23 मार्च 1923 को जन्मे हेमू कालानी बचपन से ही राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत थे। वे भगत सिंह की वीरता की कहानियों से अत्यधिक प्रभावित थे। मात्र 7 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने मित्रों के साथ एक क्रांतिकारी टोली बनाई थी।

वर्ष 1942 में जब महात्मा गांधी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' का शंखनाद किया, तो किशोर हेमू अपनी छात्र संस्था 'स्वराज सेना' के साथ इस आंदोलन में कूद पड़े। अक्टूबर 1942 में, उन्हें गुप्त सूचना मिली कि ब्रिटिश सेना हथियारों और बारूद से भरी एक विशेष ट्रेन लेकर सिंध के दमन के लिए आ रही है। हेमू कालानी ने अपने साथियों के साथ मिलकर रेलवे ट्रैक की फिश-प्लेटें खोलकर उस ट्रेन को पलटने की साहसिक योजना बनाई। कार्य को अंजाम देते समय ब्रिटिश पहरेदारों ने उन्हें देख लिया। अपने साथियों को सुरक्षित भगाने के बाद हेमू स्वयं पकड़े गए।

जेल में उन्हें भयानक यातनाएं दी गईं ताकि वे अपने सहयोगियों के नाम उगल दें, परंतु इस 19 वर्षीय वीर ने अपने मुंह से एक शब्द भी नहीं निकाला। मार्शल लॉ कोर्ट ने उन्हें मौत की सजा सुनाई। अपनी फांसी के फैसले पर जहां पूरा देश स्तब्ध और दुखी था, वहीं हेमू के चेहरे पर एक अलौकिक मुस्कान थी। 21 जनवरी 1943 को सक्कर जेल में हंसते-हंसते वे फांसी के फंदे पर झूल गए। उनकी इस महान शहादत के कारण उन्हें सिंध का भगत सिंह कहा जाता है।

जयरामदास दौलतराम-सिंध के एक और महान सपूत जयरामदास दौलतराम महात्मा गांधी के अत्यंत विश्वस्त और प्रमुख सहयोगियों में से एक थे। 1915 में डॉ. एनी बेसेंट की 'होम रूल लीग' से जुड़कर अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले जयरामदास ने गांधीजी के हर बड़े आंदोलन का नेतृत्व सिंध में किया। वर्ष 1930 के नमक सत्याग्रह और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्होंने सिंध में जन-जागृति फैलाई और कई बार जेल गए। कराची में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की बर्बर गोलीबारी में उनके पैर में गोली लगी थी, लेकिन उन्होंने तिरंगा झुकने नहीं दिया। वे 'हिंदुस्तान टाइम्स' के संपादक भी रहे और अपनी कलम से राष्ट्रवाद की अलख जगाई। आजादी के बाद वे स्वतंत्र भारत के पहले खाद्य और कृषि मंत्री बने और बाद में बिहार व असम के राज्यपाल के रूप में देश की सेवा की।

आचार्य जे.बी. कृपलानी- हैदराबाद (सिंध) में जन्मे जीवतराम भगवानदास कृपलानी (आचार्य कृपलानी) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक मुख्य मार्गदर्शक और बौद्धिक स्तंभ थे। चंपारण सत्याग्रह के समय से ही वे गांधीजी के साथ खड़े रहे। असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कृपलानी जी वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता के ऐतिहासिक समय पर 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उन्होंने देश की राजनीतिक दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. चोइथराम गिडवानी और मौलाना उबैदुल्लाह सिंधी-डॉ. चोइथराम गिडवानी सिंध कांग्रेस के अध्यक्ष थे और उन्होंने देश की खातिर अपनी फलती-फूलती डॉक्टरी की प्रैक्टिस छोड़ दी और असहयोग आंदोलन में कूद पड़े। वहीं, मौलाना उबैदुल्लाह सिंधी जैसे क्रांतिकारी नेताओं ने विदेशों में जाकर भारत की आजादी के लिए रणनीतियां बनाईं और ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ों को हिला कर रख दिया। इनके अलावा रूपलो कोल्ही जैसे लोकनायकों ने सिंध के थारपारकर क्षेत्र में अंग्रेजों की सेना से 16 वर्षों तक गुरिल्ला युद्ध लड़ा और देश के लिए अपना बलिदान दिया। सिंधी समाज का योगदान केवल शारीरिक संघर्ष तक सीमित नहीं था। सिंधी समुदाय अपनी व्यापारिक कुशलता के लिए वैश्विक स्तर पर जाना जाता था। जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने विदेशों में भारत की मुक्ति के लिए 'आजाद हिंद फौज' का पुनर्गठन किया, तब उन्हें सेना के संचालन के लिए भारी धन की आवश्यकता थी। उस समय सुदूर पूर्व (मलेशिया, सिंगापुर, हांगकांग) और दुनिया के अन्य हिस्सों में स्थापित सिंधी व्यापारियों ने अपनी तिजोरियां नेताजी के लिए खोल दीं। सिंधी उद्योगपतियों और व्यापारियों द्वारा दिया गया यह विशाल वित्तीय सहयोग आजाद हिंद फौज की सफलता का एक मुख्य आधार बना। स्वतंत्रता के बाद आईएनए के वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीद हेमू कालानी के परिवार को उनकी देशभक्ति के सम्मान में स्वर्ण पदक भेंट कर इस समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की थी।

स्वतंत्रता के सूर्य का उदय सिंधी समुदाय के लिए एक ऐसी काली रात लेकर आया, जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। भारत की आजादी की कीमत सिंधी समाज को अपना सब कुछ देकर चुकानी पड़ी।पंजाब और बंगाल के विपरीत, सिंध प्रांत का कोई विभाजन नहीं हुआ; 1947 के विभाजन समझौते के तहत पूरा का पूरा सिंध प्रांत पाकिस्तान के हिस्से में दे दिया गया। इसके पीछे मुख्य कारण राजनीतिक समीकरण और भौगोलिक परिस्थितियां थीं, जहां गैर-मुस्लिम आबादी अल्पसंख्यक थी, यद्यपि वे आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से अत्यंत सुदृढ़ थे।जब सिंध पाकिस्तान में चला गया, तो वहां रहने वाले हिंदू सिंधियों के सामने अचानक गहरे धार्मिक उत्पीड़न और अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया। रातों-रात स्थितियां इतनी हिंसक और असुरक्षित हो गईं कि सिंधी हिंदुओं के पास अपनी जान और सम्मान बचाने के लिए अपनी पैतृक भूमि को छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

सिंधी समुदाय को अपनी सदियों पुरानी समृद्ध विरासत, जमीनें, हवेलियां, फलते-फूलते व्यापारिक प्रतिष्ठान और पूजनीय सिंधु नदी के तटों को छोड़कर खाली हाथ भागना पड़ा।

चीन की 'नाम बदलो और दावा करो' नीति को भारत का करारा जवाब

रामस्वरूप रावतसरे

भारत सरकार ने सीमा सुरक्षा, प्रशासनिक पहचान और देश की संप्रभुता के मामले में बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की देखरेख में और अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ लंबे विचार-विमर्श के बाद भारत की आधिकारिक मानचित्र संस्था 'सर्वे ऑफ इंडिया' ने राज्य की 27 बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक जगहों को देश के आधिकारिक राष्ट्रीय नक्शे में शामिल कर लिया है।

इन सभी जगहों को उनके असली, स्थानीय और प्रामाणिक नामों के साथ दर्ज किया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब पड़ोसी देश चीन काफी समय से अरुणाचल प्रदेश की अलग-अलग जगहों के मनगढ़ंत और फर्जी चीनी नाम रखकर उन पर अपना झूठा दावा ठोकने की कोशिश कर रहा था।

जानकारी के अनुसार भारत का यह कदम केवल कागजों पर नाम दर्ज करने का मामूली काम नहीं है बल्कि यह चीन की 'कार्टाग्राफिक आक्रामकता' यानी नक्शा-बाजी का एक बेहद करारा, संस्थागत और स्थायी जवाब है। इस कदम से न केवल हमारे दूर-दराज के सीमावर्ती इलाकों की वास्तविक पहचान को कानूनी और संवैधानिक मजबूती मिली है, बल्कि आम नागरिकों, सेना और स्थानीय प्रशासन के बीच इन क्षेत्रों को लेकर सटीक और सही जानकारी हमेशा के लिए स्थापित हो गई है।

चीन पिछले कई सालों से एक सोची-समझी रणनीति के तहत अरुणाचल प्रदेश को 'जंगनान' या 'दक्षिणी तिब्बत' बताकर उसके अलग-अलग इलाकों के नाम बदलने का नाटक करता आ रहा था। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने सबसे पहले साल 2017 में अरुणाचल की 6 जगहों के तथाकथित चीनी नामों की पहली सूची जारी की थी। इसके बाद अपनी इस नापाक चाल को आगे बढ़ाते हुए उसने 2021 में 15 जगहों, 2023 में 11 जगहों और मार्च 2024 में 30 जगहों के फर्जी नाम घोषित किए थे। चीन की इस हरकत को अंतरराष्ट्रीय मामलों में 'सलामी स्लाइसिंग' और 'मानचित्र आक्रामकता' कहा जाता है।

बताया जाता है इसके तहत चीन दुनिया के सामने कागजी भ्रम फैलाकर यह साबित करने की कोशिश करता है कि ये इलाके ऐतिहासिक रूप से उसके नियंत्रण में रहे हैं। भारत सरकार ने हर बार चीन की इन हरकतों को सिरे से खारिज किया और साफ कहा कि किसी दूसरे देश द्वारा कागजों पर फर्जी नाम लिख देने से अरुणाचल की जमीनी हकीकत नहीं बदल जाएगी।

जानकारी के अनुसार सर्वे ऑफ इंडिया के नए नक्शे में जिन 27 जगहों को शामिल किया गया है, उनमें से कई ऐसी हैं जिनका भारत और चीन के सीमा विवाद के इतिहास से बहुत गहरा संबंध रहा है। इनमें सबसे प्रमुख और ऐतिहासिक नाम 'लॉन्गजू' का है, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी के बिल्कुल पास स्थित है। लॉन्गजू वही ऐतिहासिक स्थान है जो 1962 की भारत-चीन जंग से भी तीन साल पहले, यानी 1959 में दोनों देशों के बीच पहला बड़ा सैन्य संघर्ष बिंदु बना था, जब चीनी सेना ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश की थी। इसी लॉन्गजू के पास ऊपरी सुबनसिरी जिले में स्थित 'माजा' गाँव को भी आधिकारिक नक्शे पर प्रमुखता से दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त पश्चिमी क्षेत्र में स्थित 'थाग ला' दर्रा इस पूरी सूची का एक और सबसे संवेदनशील हिस्सा है। थाग ला दर्रा और उसके पास की नमका चू घाटी वही इलाका बताया जाता है, जहाँ से 20 अक्टूबर 1962 को चीन ने भारत पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। इन दो ऐतिहासिक स्थानों के साथ-साथ बेहद दुर्गम और ऊँचाई पर स्थित दर्रों जैसे 'डजो ला', 'रिजा ला' और 'पुकुर ला' को भी नक्शे में जगह दी गई है। ये दर्रे भारतीय सुरक्षा बलों की आवाजाही, निगरानी और गश्त के लिहाज से बेहद अहम बताए जाते हैं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार भारत सरकार द्वारा जारी सूची में केवल पहाड़, नदियाँ और दर्रे ही शामिल नहीं हैं, बल्कि इसमें भारत माता के उन वीर सपूतों के स्मारक भी शामिल किए गए हैं जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। इस सूची में तावांग के रास्ते में स्थित 'जसवंत गढ़' को आधिकारिक रूप से दर्ज किया गया है। जसवंत गढ़ 1962 के युद्ध के अमर नायक राइफलमैन जसवंत सिंह रावत (महावीर चक्र) की बेमिसाल बहादुरी की याद दिलाता है। उन्होंने अकेले ही 72 घंटे तक चीनी सेना की पूरी टुकड़ी को रोके रखा था और दर्जनों दुश्मनों को ढेर करने के बाद वीरगति प्राप्त की थी।

आज भी भारतीय सेना और स्थानीय लोग जसवंत गढ़ को एक पवित्र मंदिर की तरह पूजते हैं। इसी तरह ऊपरी क्षेत्र में बने 'शेर-ए-थापा स्मारक' को भी सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शे पर औपचारिक जगह दी गई है।

यह स्मारक 1962 की जंग में सुबनसिरी सेक्टर के पास चीनी सेना के दाँत खट्टे करने वाले सूबेदार त्रिलोक सिंह थापा और उनकी बहादुर टुकड़ी के अप्रतिम शौर्य का प्रतीक है। इन युद्ध स्मारकों को देश के नक्शे में शामिल करने का सीधा संदेश यह है कि भारत अपने बलिदानियों की पावन भूमि और अपनी सीमा के एक-एक इंच हिस्से का सम्मान करता है।

नक्शे में जोड़ी गई कई जगहें ऐसी हैं जो अरुणाचल प्रदेश के प्रशासनिक कामकाज, वहाँ रहने वाली स्थानीय जनजातियों के जीवन और हमारी सेना के लॉजिस्टिक्स यानी रसद प्रबंधन के लिए रीढ़ की हड्डी की तरह काम करती हैं। जयरामपुर पूर्वी अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार सीमा की ओर जाने वाले सुरक्षा बलों की आवाजाही, राशन और सैन्य हथियारों की आपूर्ति के लिए एक बहुत बड़ा रणनीतिक सेंटर है।इसी तरह लोहित जिले में स्थित 'कमलांग नगर', जो प्रसिद्ध कमलांग वाइल्डलाइफ सेंचुरी के करीब है, और 'सनपुरा' जैसे प्रशासनिक इलाकों को भी आधिकारिक नक्शे पर पक्की पहचान दी गई है। इसके अलावा इस सूची में 'सांम्भो सरोवर' नामक एक बेहद खूबसूरत और ऊँचाई पर स्थित प्राकृतिक झील को शामिल किया गया है।

साथ ही बीसा, बड़ा कुंदन, छोटा कुंदन, धन बारी, प्रीतनगर, बौद्धमंदिर, टेरितनगर, रामनगर, सागर, पद्मा, ज्योतिनगर, बैसाखी, छोटा रोपुक, बड़ा रोपुक और शिवाजी नगर जैसे बसे हुए गाँवों को उनके असली नामों के साथ चिन्हित किया गया है। इन सभी गाँवों को नक्शे में जोड़ने से वहाँ के स्थानीय जनजातीय समुदायों और उनकी पारंपरिक पहचान को सुरक्षा और सम्मान दोनों मिलता है।

जानकारों के अनुसार किसी भी आजाद और संप्रभु देश के लिए उसका आधिकारिक नक्शा सिर्फ भूगोल की रेखाएँ नहीं होता, बल्कि वह उसकी संवैधानिक संप्रभुता, प्रशासनिक नियंत्रण और कानूनी अधिकारों का सबसे मजबूत प्रमाण होता है।

शहर कभी नहीं सोता, लेकिन उसकी कीमत कौन चुकाता है

आरके जैन

रात अब घड़ी में आती है, शहर में नहीं। घड़ी बारह बजने का ऐलान करती है, लेकिन शहर का दिन आगे बढ़ता रहता है। बाजार खुले हैं, स्क्रीन चमक रही हैं, वाहन दौड़ रहे हैं और मशीनें अगली पाली में जा चुकी हैं। कभी अँधेरा शरीर को विश्राम का संकेत देता था; अब रोशनी जागते रहने का आदेश देती है। चौबीस घंटे सक्रिय रहना हमने आधुनिकता का प्रमाण मान लिया, लेकिन इसकी कीमत मनुष्य की नींद चुका रही है। सूरज की जगह बिजली को समय का संकेतक बना लिया, पर शरीर की जैविक घड़ी को नहीं बदल सके। वह आज भी उजाले में जागती और अँधेरे में विश्राम माँगती है। शहर भले रात को पराजित माने, शरीर अब भी उसे अपनी जरूरत मानता है। शहर की यह अनिद्रा किसी एक आविष्कार की देन नहीं। वैश्वीकरण ने अलग-अलग समय क्षेत्रों को जोड़ा, डिजिटल अर्थव्यवस्था ने काम को चौबीस घंटे उपलब्ध कर दिया और उपभोक्ता संस्कृति ने रात को भी बाजार बना दिया। कारखाने मांग के लिए चलते हैं; कॉल सेंटर दूसरे देशों की सुबह के लिए जागते हैं। अस्पताल, हवाई अड्डे, परिवहन और सुरक्षा सेवाएँ भी रात को नहीं थम सकतीं। समस्या इन सेवाओं में नहीं, उस मानसिकता में है जिसने शहर को कभी न थकने वाली मशीन मान लिया है। धीरे-धीरे नींद अधिकार नहीं, विलासिता बन रही है—जिसके पास साधन हैं, वह आराम करता है; बाकी अपनी नींद बेचकर व्यवस्था चलाते हैं।

इस निरंतर जागरण की पहली चोट मनुष्य की आंतरिक जैविक घड़ी पर पड़ती है। शरीर की यह घड़ी सूर्य के उदय और अस्त के साथ बनी थी, लेकिन कृत्रिम रोशनी, स्क्रीन और देर रात तक चलती गतिविधियों ने उसे भ्रमित कर दिया है। नींद की कमी का अर्थ केवल सुबह की थकान नहीं है। स्मृति कमजोर होती है, निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है, भावनात्मक संतुलन बिगड़ता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घटती है। इससे एक दूसरा संकट पैदा होता है—भीड़ के बीच अकेलेपन का। रात का शहर बाहर से जितना जीवंत दिखाई देता है, भीतर से उतना ही खाली हो सकता है। रोशनी बढ़ती जाती है, आवाजें बढ़ती जाती हैं, लेकिन मनुष्य की आंतरिक शांति घटती जाती है। फिर भी हम इस सामूहिक थकान को प्रगति और दक्षता कहते हैं। तर्क है कि दुनिया नहीं सोती, इसलिए हमें भी नहीं सोना चाहिए। लेकिन प्रकृति का कोई चक्र चौबीस घंटे सक्रिय नहीं रहता। दिन के बाद रात, जागरण के बाद नींद और श्रम के बाद विश्राम आता है। तकनीक के सहारे मनुष्य ने भ्रम पाल लिया कि वह प्रकृति के नियमों से स्वतंत्र है—समय को नियंत्रित किया जा सकता है, थकान को नकारा जा सकता है और शरीर की सीमाएँ अनंत तक खींची जा सकती हैं। शहर की अनिद्रा इसी अहंकार की अभिव्यक्ति है। प्रकृति से संघर्ष में मनुष्य जीतता दिख सकता है, लेकिन कीमत अंततः शरीर और मन को चुकानी पड़ती है।

इस व्यवस्था का सबसे भारी बोझ उन अदृश्य श्रमिकों पर पड़ता है जिनकी जागी हुई रात दूसरों की सुरक्षित नींद बनाती है। सुरक्षा गार्ड रात भर पहरा देता है, नर्स अस्पताल में जागती है, सफाई कर्मचारी शहर को सुबह के लिए तैयार करता है, ट्रक चालक माल पहुँचाता है और रेस्तरां कर्मचारी उस समय काम करता है जब बाकी लोग आराम कर रहे होते हैं। उनकी रात दूसरों के दिन को संभव बनाती है। फिर भी समाज उनकी थकान को सामान्य मानकर आगे बढ़ जाता है। इस तरह शहर की चमक एक गहरी असमानता पर टिकी है—कुछ लोगों के पास रात में सोने का अधिकार है, जबकि अनेक लोग अपनी नींद को मजदूरी में बदलकर शहर की चौबीस घंटे चलने वाली अर्थव्यवस्था को ईंधन देते हैं।

तकनीक ने अब इस अनिद्रा को सड़कों और कार्यस्थलों से उठाकर हमारे घरों और बिस्तरों तक पहुँचा दिया है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, समाचार, संदेश और चौबीस घंटे उपलब्ध मनोरंजन ने रात को निजी जीवन की आखिरी सीमा से भी बाहर कर दिया है। आदमी बिस्तर पर लेटा है, लेकिन उसका मन लगातार किसी स्क्रीन पर दौड़ रहा है। नींद का समय विश्राम के बजाय एक और उत्पादक या मनोरंजक घंटे में बदल गया है। लगातार सूचना और शोर के बीच मनुष्य ने अपनी आंतरिक चुप्पी खो दी है। उसे सन्नाटा असहज लगने लगा है। यानी रात का शहर अब केवल बाहर नहीं जागता; वह हमारे भीतर भी जागता रहता है।

इस संकट से निकलने के कुछ प्रयास दिखाई देते हैं। कुछ शहर रात्रिकालीन शोर को नियंत्रित करने, अनावश्यक प्रकाश सीमित करने और काम के घंटों में संतुलन लाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ये प्रयास तभी पर्याप्त होंगे जब हमारी सोच बदले।

हमें स्वीकार करना होगा कि नींद आलस्य नहीं, जीवन की आधारशिला है; विश्राम उत्पादकता की रुकावट नहीं, उसकी शर्त है। चौबीस घंटे जागते रहना उपलब्धि नहीं, यदि उसके बदले मनुष्य अपना स्वास्थ्य, संतुलन और मानसिक शांति खो दे। असली प्रश्न यह नहीं कि शहर कितने घंटे खुला रह सकता है, बल्कि यह है कि वह अपने नागरिकों को कितने घंटे चैन से जीने और सोने देता है। शहर चाहे जितना जाग ले, मनुष्य की नींद का विकल्प नहीं बना सकता। रोशनी जितनी फैलती जाएगी, अँधेरे और नींद की जरूरत उतनी गहरी होगी। इसे नकारते रहे तो एक दिन शहर की बत्तियाँ जलती रहेंगी, लेकिन उसके निवासी थके, बेचैन और भीतर से खोखले होंगे। सच्ची प्रगति रात को दिन में बदलना नहीं, मनुष्य की जैविक सीमाओं का सम्मान करना है। नींद की हार केवल नींद की हार नहीं; विश्राम को अनावश्यक मानना अपने ही शरीर की प्राकृतिक लय से विद्रोह है।

परीक्षा पर सवाल लोकतंत्र कटघरे में

कुमार कृष्णन

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी की परीक्षाओं को लेकर चल रहा आंदोलन अब परीक्षा का मामला भर नहीं रह गया है। परीक्षा में कथित अनियमितता, छात्रों का आंदोलन, विधानसभा का हंगामा, पुलिस की कार्रवाई, राजनीतिक दलों के आरोप और प्रत्यारोप—इन सबके बीच एक बुनियादी सवाल कहीं दबता जा रहा है। वह सवाल है कि राज्य अपने युवाओं से आखिर कह क्या रहा है—मेहनत करो और भरोसा रखो, या मेहनत करो और फिर व्यवस्था पर संदेह करते रहो? किसी प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र केवल कागज पर छपे सवालों का पुलिंदा नहीं होता। उसके पीछे किसी छोटे शहर के कमरे में रात-रात भर जागता हुआ विद्यार्थी होता है, खेत बेचकर या कर्ज लेकर पढ़ाने वाला परिवार होता है, उम्र निकल जाने का डर होता है और नौकरी मिल जाने पर जीवन बदल जाने की उम्मीद होती है। इसलिए परीक्षा की निष्पक्षता पर उठने वाला सवाल केवल प्रशासनिक सवाल नहीं होता। वह उस सामाजिक अनुबंध पर सवाल होता है जिसमें राज्य अपने युवाओं से कहता है कि अवसर सबके लिए समान है।

झारखंड में पिछले दिनों जो हुआ, वह इसी भरोसे के संकट को सामने लाता है।

छात्र पिछले अठारह दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। दस अगस्त को विधानसभा मार्च के दौरान पुलिस से टकराव हुआ। पानी की बौछार, आंसू गैस और लाठीचार्ज की खबरें आईं। इसके बाद भी आंदोलन थमा नहीं। रांची में एबीवीपी के करीब 110 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने और हिरासत में लिए गए लोगों को ले जा रही बस को रोकने के प्रयास के बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की खबर सामने आई। महिला प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लिए जाने की बात कही गई। उधर, इन घटनाओं के विरोध में भाजपा विधायकों के हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही तय समय से एक दिन पहले अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई।

यह सब केवल घटनाओं की एक श्रृंखला नहीं है। यह लोकतंत्र के तीनों रास्तों—सड़क, सदन और सरकार—के बीच संवाद टूटने का संकेत भी है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा में कहा कि भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीआईडी जांच चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की ओर से सुझाए गए सुधारों को आंदोलनकारी छात्रों ने स्वीकार कर लिया है। यदि ऐसा है तो सरकार को इसे स्पष्ट रूप से सार्वजनिक करना चाहिए। छात्रों की कौन-सी मांगें मानी गई हैं, किन पर सहमति बनी है, कौन-सी मांगें लंबित हैं और उनके समाधान की समयसीमा क्या है—इन सवालों के जवाब जनता के सामने होने चाहिए।

लोकतंत्र में सरकार का भरोसा केवल उसके बहुमत से नहीं बनता, उसके फैसलों की पारदर्शिता से बनता है।

सरकार ने 14वीं जेपीएससी और बैकलॉग परीक्षा रद्द करने की घोषणा की है। टीडीपीएल के माध्यम से अब तक आयोजित परीक्षाओं की उच्चस्तरीय जांच की बात भी कही गई है। परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए आईआईटी, आईआईएम और एक्सएलआरआई जैसे संस्थानों से विशेषज्ञ राय लेने की बात स्वागतयोग्य है। लेकिन परीक्षा रद्द कर देना अपने आप में सुधार नहीं है। वह तो उस विफलता का प्रमाण है जिसके कारण रद्द करने की नौबत आई।

पेंशन की धूल भरी पासबुक

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

बैंक की शाखा में हर महीने की पहली तारीख को सत्तर साल के भवानी शंकर अपने फटे कुर्ते की जेब से हरे रंग की पुरानी पेंशन पासबुक निकालकर कतार में सबसे आगे खड़े हो जाते थे। भारत में सरकारी कतारें मोक्ष के द्वार जैसी होती हैं, जहाँ पहुँचने के लिए आदमी को अपनी आधी उम्र और पूरी गरिमा विसर्जित करनी पड़ती है। उस पासबुक पर जमी धूल को वे अपनी धोती के पल्ले से बार बार पोंछते, जैसे किसी भ्रष्ट विभाग की फाइल से नैतिकता झाड़ रहे हों। बैंक का युवा मैनेजर, जो उपभोक्ता सेवा को एक बोझ समझता था, उन्हें देखते ही ऐसे बिदकता जैसे किसी नेता को अपना पुराना घोषणापत्र याद आ जाए। वह चिढ़कर कहता, ₹बाबा, आपकी पेंशन सीधे खाते में जमा हो जाती है, तो आप रोज़ यहाँ आकर पासबुक की छपाई का हठ क्यों पकड़ लेते हैं? मैनेजर की आधुनिकता दरअसल डिजिटल इंडिया का वह पर्दा थी जिसके पीछे मानवीय संवेदनाएँ दम तोड़ चुकी थीं। भवानी शंकर अपनी झुकी हुई कमर को सीधा करने का प्रयास करते यह झुकना उम्र का नहीं, व्यवस्था के बोझ का था और शांत स्वर में कहते, बेटा, इस कागज़ पर जब तक काली स्याही से लिखावट नहीं छपेगी तब तक मेरे मन को तसल्ली नहीं मिलेगी।

हमारे देश में सत्य वही है जो छपा हुआ है, चाहे वह अख़बार का झूठ ही क्यों न हो। पास खड़े गाँव के लोग उनका उपहास उड़ाते हुए कहते, मासाब को लगता है कि बैंक वाले उनकी पेंशन की एंट्री छिपाकर डकार जाएँगे। दफ़्तर का चपरासी भी हँसते हुए तंज कसता, ₹बाबा, जब खाते में कुछ होगा ही नहीं तो मशीन बेचारी क्या आपके चरित्र का प्रमाण पत्र छापेगी? चपरासी की हँसी में वह क्रूरता थी जो अक्सर निचली कुर्सियों पर बैठने वालों में ऊपर वालों की चापलूसी करते करते पैदा हो जाती है।

भवानी शंकर बिना किसी की बात का बुरा माने उस धूल भरी पासबुक को अपनी छाती से चिपकाए चुपचाप अपनी बारी का इंतज़ार करते रहते थे। उनके लिए वह पासबुक महज़ कागज़ नहीं, बल्कि उस ईमानदारी का वसीयतनामा थी जिसे समाज 'पागलपन' का नाम दे चुका था। यह सिलसिला पिछले दो वर्षों से जारी था, चाहे तपती धूप हो या हाड़ कंपाने वाली ठंड। बैंक के कर्मचारी उन्हें एक सनकी और हठी बुज़ुर्ग मान चुके थे आजकल के दौर में जो आदमी सीधा खड़ा हो, वह तंत्र को टेढ़ा ही नज़र आता है। एक दिन जब बैंक में बहुत भीड़ थी और सर्वर डाउन होने के कारण लोग हंगामा कर रहे थे सर्वर डाउन होना हमारे प्रशासन की वह राष्ट्रीय बीमारी है जो काम से बचने का सबसे बड़ा बहाना बन चुकी है तब भी भवानी शंकर शांत भाव से एक कोने में बैठे अपनी पासबुक को निहार रहे थे।

मैनेजर ने तंग आकर उन्हें अपने केबिन में बुलाया और मेज़ पर हाथ पटकते हुए कहा, बाबा, आप रोज़ यहाँ आकर मेरा समय खराब करते हैं। अगर आपको पासबुक छपवाने का इतना ही शौक है, तो किसी प्राइवेट बैंक में खाता खुलवा लीजिए जहाँ लूट के बदले थोड़ी मुस्कुराहट भी मिल जाती है। भवानी शंकर ने अपनी कांपती उंगलियों से चश्मा ठीक किया और बोले, साहब जी, मैं यहाँ अपनी पेंशन के पैसे निकालने नहीं आता हूँ, बल्कि अपने स्वाभिमान की हाज़िरी लगाने आता हूँ।

क्या आपके पौधे में भी गुलाब की जगह दिखती हैं सिर्फ पत्तियां, तो तुरंत अपनाएं माली वाली ट्रिक

गुलाब का पौधा हर कोई अपने घर में लगा लेता है, लेकिन बुरा तब लगता है जब प्लांट में सिर्फ पत्तियां नजर आती हैं फूल खिलते ही नहीं। अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है तो माली वाली आसान ट्रिक्स जान लीजिए। इससे आपका गार्डन या बालकनी गुलाब के फूलों से खिल उठेगी।

गार्डनिंग का शौक रखने वाले लोगों के घर में गुलाब का पौधा जरूर होता है। वैसे ये पौधा जितना खूबसूरत है इसकी मेंटेनेंस करना उतना ही मुश्किल काम है। कभी फूल नहीं खिलते तो कभी फंगस लग जाती है। अब गुलाब के पौधे में गुलाब ही नहीं होंगे तो बुरा लगना भी लाजमी है। क्योंकि नर्सरी में हमेशा पौधे में गुलाब के फूल रहते हैं।

इसलिए आप किसी भी वेरायटी का गुलाब लगाए , उसकी मेंटेनेंस थोड़ी ज्यादा करनी होगी। नहीं तो शुरुआत में तो उसमें फूल आएंगे, लेकिन बाद में नहीं। ऐसे में हम आपको गुलाब में फूल लाने और गार्डन को खूबसूरत बनाने के लिए माली वाली ट्रिक बता रहे हैं। जो आपके बहुत काम आने वाली हैं।

पौधे की मिट्टी बदलें

गुलाब के पौधे में फूल नहीं आने का कारण इसकी मिट्टी हो सकती है, जिसे साल में एक बार बदलने की जररूत होती है। क्योंकि मिट्टी से न्यूट्रिएंट्स खत्म होने लगते हैं इसलिए पौधे की मिट्टी को साइट से 5-6 इंच तक खोदिए और इसमें थोड़ी सी नीम खली, गोबर की खाद और फ्रेश गार्डन सॉइल मिला दें।

इससे गुलाब के पौधे को बेहतर न्यूट्रिएंट्स मिलेंगे। मिट्टी बदलने के बाद पौधे को धूप में रखें और नियमित पानी दें। वहीं अगर पौधा 2-3 साल से एक ही गमले में लगा है, तो रीपॉट करें। रीपॉटिंग से नई जड़ें निकलने की वजह से बेहतर फूल आते हैं।

कटिंग करना जरूरी

फूलों वाले पौधों की नई ब्रांच में ही फूल आते हैं, इसलिए कटिंग बहुत जरूरी होती है। हर मौसम में पौधे की छंटाई करनी चाहिए, इससे नई कोपलें फूटेंगी और पौधा लंबाई में बढ़ने की जगह घना होने लगेगा। पौधे की कटिंग करते समय ध्यान रखें कि गुलाब में कीड़े बहुत जल्दी लगतो हैं और फंगस का खतरा भी रहता है।

ऐसे में कटिंग वाली जगह में हल्दी या फिर फंगीसाइड लगाना बिल्कुल भी न भूलें। साथ ही पौधे को कीड़ों और फंगस से बचाने के लिए नीम ऑयल को पानी मिलाकर इसका छिड़काव करें।

गुलाब के पौधे के लिए खाद

हैवी फीडर वाले इस पौधे से अच्छी फ्लावरिंग चाहिए तो खाद भी अच्छी देनी होगी। इसके लिए एक किलो गोबर की खाद, एक किलो वर्मी कम्पोस्ट, एक किलो सीवीड एक्सट्रैक्ट ग्रेनुअल्स, और एक किलो बायोजाइम ग्रेनुअल्स इन सभी को मिलाकर पौधे के लिए एक फर्टिलाइजर मिक्स बना लीजिए। अब हर महीने मिट्टी को थोड़ा सा खोद कर इस खाद को डालें।

बारिश में ये काम करना न भूलें

बारिश के मौसम में ज्यादा पानी की वजह से गुलाब का पौधे की जड़ सड़ने का खतरा रहता है। इसलिए आपको समय-समय पर पौधे की गुड़ाई करनी चाहिए। जब भी खुला मौसम दिखे तब ऊपरी हिस्से की मिट्टी को थोड़ा सा खोद दें और घास, सड़ी हुई पत्तियां आदि साफ कर लीजिए। इसकी वजह से गुलाब के पौधे की जड़ों को हवा लगेगी, फिर यह सड़ेंगी नहीं।

वैज्ञानिकों ने माना- यह छोटी सी गलती है डायबिटीज का असली कारण, इसमें चीनी का कुछ नहीं

डायबिटीज का क्या कारण है, डायबिटीज क्यों होती है या डायबिटीज किसे होती है? डायबिटीज के लिए हमेशा चीनी को जिम्मेदार माना जाता है। बेशक मीठे का अधिक सेवन शुगर की बीमारी का कारण बनता है लेकिन एक नए अध्ययन में वैज्ञानिकों को इस बात का प्रमाण मिला है कि प्लास्टिक की बोतल इस्तेमाल करने से भी डायबिटीज का खतरा होता है क्योंकि इन्स्में खतरनाक केमिकल पाया जाता है।

'डायबिटीज' नामक जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि खाने और पीने के पैकेजों को बनाने में इस्तेमाल होने वाला रसायन बीपीए, जो प्लास्टिक की पानी की बोतलों में भी पाया जाता है, शरीर में शुगर का संतुलन बनाने वाले हॉर्मोन 'इंसुलिन' के प्रति सेंस्टिविटी को कम कर सकता है। इस रिसर्च के नतीजे अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन में प्रस्तुत किए जाएंगे।

डायबटीज का कारण बनता है बीपीए

पहले के अध्ययनों में पहले ही यह बताया जा चुका है कि

प्लास्टिक और एपॉक्सी रेजिन बनाने में इस्तेमाल होने वाला रसायन बिस्फेनॉल ए (बीपीए) मानव शरीर में हॉर्मोन्स के संतुलन को बिगाड़ सकता है। यह पहला मौका है जब किसी शोध में बीपीए को डायबिटीज से जोड़ा गया है, लेकिन पहले किसी भी अध्ययन में इस बात का सीधा परीक्षण नहीं किया गया था।

वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

कैलिफोर्निया पॉलिटेक्निक स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक बयान में कहा है कि यह पहला ऐसा अध्ययन है जिसमें बताया गया है कि बीपीए का सेवन करने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने इसकी मात्रा पर लगाम लगाने और प्लास्टिक बोतल का कम इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

कैसे हुआ अध्ययन

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 40 हेल्दी लोगों को शामिल किया। इन लोगों को दो ग्रुप में बांटा गया। एक ग्रुप को निष्क्रिय पदार्थ (प्लेसीबो) दिया गया, वहीं दूसरे ग्रुप को प्रति किलो ग्राम वजन के हिसाब से रोजाना लगभग 50 माइक्रोग्राम बीपीए दिया गया।

क्या निकाल नतीजा

अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों को BPA दिया गया उनमें 4 दिनों बाद इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता कम हो गई। जबकि निष्क्रिय पदार्थ लेने वाले लोगों में ऐसी कोई कमी नहीं देखी गई।

प्लास्टिक बोतल से बचने की सलाह

अध्ययन में ये भी बताया गया है कि स्टेनलेस स्टील या कांच की बोतलें और बीपीए-free डिब्बे इस्तेमाल करने से बीपीए के संपर्क को कम किया जा सकता है, जिससे डायबिटीज का खतरा भी कम हो सकता है। आजकल प्लास्टिक की बोतलें हर जगह इस्तेमाल की जाती हैं। ये सुविधाजनक जरूर हैं लेकिन इनके रसायनिक तत्वों के सेहत पर पड़ने वाले खतरों को लेकर चिंताएं भी लगातार बढ़ रही हैं।

प्लास्टिक बोतल से कैंसर का भी खतरा

हाल ही में इको-एनवायरनमेंट एंड हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि धूप में पड़ी हुई प्लास्टिक की पानी की बोतलें हानिकारक रसायन छोड़ सकती हैं। कुछ खास तरह की बोतलों से बहुत जहरीले कार्बनिक तत्व निकलते हैं, जिनमें n-hexa-decane जैसे कैंसर पैदा करने वाले रसायन भी शामिल हैं। ये नतीजे सेहत के लिए गंभीर खतरे की ओर इशारा करते हैं।

माइग्रेन के दर्द में इन छोटी-छोटी आदतों में बदलाव से मिलेगी राहत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सिरदर्द एक आम समस्या बन गई है, लेकिन हर सिरदर्द सामान्य नहीं होता। कुछ लोगों को बार-बार होने वाला तेज दर्द, रोशनी और आवाज से परेशानी, जी मिचलाना या कमजोरी जैसी समस्याएं महसूस होती हैं, जिसे माइग्रेन कहा जाता है। यह सिर्फ सिर में दर्द की स्थिति नहीं है, बल्कि यह शरीर के तंत्रिका तंत्र से जुड़ी एक जटिल समस्या है। विशेषज्ञों के अनुसार, माइग्रेन का दर्द कई बार हमारी रोजमर्रा की आदतों से भी प्रभावित होता है। गलत खान-पान, नींद की कमी, तनाव, शरीर में पानी की कमी और जीवनशैली की कुछ गलत आदतें इसके लक्षणों को बढ़ा सकती हैं। यही वजह है कि माइग्रेन से पीड़ित लोगों को अपनी दिनचर्या में कुछ सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं ऐसी कौन-सी गलतियां हैं, जो माइग्रेन के दौरान परेशानी को और बढ़ा सकती हैं।

शरीर में पानी की कमी - माइग्रेन के समय शरीर में पानी की कमी होना दर्द को बढ़ाने वाले कारणों में शामिल हो सकता है। जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता, तो शरीर के सामान्य कामकाज पर असर पड़ सकता है और थकान, चक्कर या सिर में भारीपन जैसी समस्याएं महसूस हो सकती हैं। पानी शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने और कोशिकाओं को सही तरीके से काम करने में मदद करता है। इसलिए दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहना जरूरी है। पानी के अलावा नारियल पानी, सूप या पानी से भरपूर फल भी शरीर में तरल पदार्थों की कमी पूरी करने में मदद करते हैं।

नींद के साथ लापरवाही करना- माइग्रेन और नींद का संबंध काफी गहरा माना जाता है।

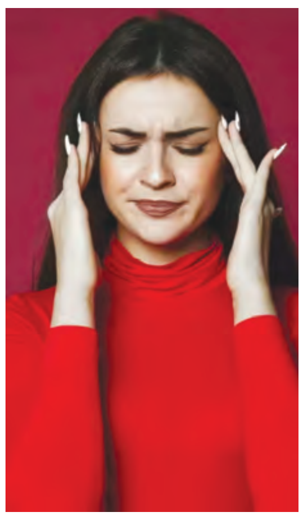

कम सोना या रोज अलग-अलग समय पर सोना शरीर की प्राकृतिक घड़ी को प्रभावित कर सकता है, जिससे कुछ लोगों में माइग्रेन का खतरा बढ़ सकता है। पर्याप्त नींद लेने से शरीर और दिमाग को आराम मिलता है। कोशिश करें कि रोजाना एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत बनाएं। आमतौर पर वयस्कों के लिए 7 से 9 घंटे की नींद फायदेमंद मानी जाती है।

ज्यादा मात्रा में चाय, कॉफी या शराब लेना- कई लोग सिरदर्द के दौरान चाय या कॉफी का सहारा लेते हैं, लेकिन कैफीन का ज्यादा सेवन कुछ लोगों में माइग्रेन को बढ़ा सकता है। वहीं शराब भी कई लोगों के लिए माइग्रेन का ट्रिगर बन सकती है। इन चीजों का ज्यादा सेवन शरीर में पानी की कमी, नींद में गड़बड़ी और तंत्रिका तंत्र पर असर डाल सकता है। हालांकि हर व्यक्ति में इसका प्रभाव अलग-अलग हो सकता है, इसलिए यह समझना जरूरी है कि कौन-सी चीज आपके माइग्रेन को बढ़ाती है। अगर किसी खास पेय पदार्थ के बाद बार-बार दर्द शुरू होता है, तो उससे दूरी बनाना बेहतर हो सकता है।

लंबे समय तक स्क्रीन देखते रहना- आज के डिजिटल दौर में मोबाइल, कंप्यूटर और टीवी का इस्तेमाल बढ़ गया है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव पड़ सकता है और कुछ लोगों में सिरदर्द की समस्या बढ़ती है। माइग्रेन के दौरान तेज रोशनी और स्क्रीन की चमक कई लोगों को परेशान कर सकती है। ऐसे में स्क्रीन की ब्राइटनेस कम रखना, बीच-बीच में आंखों को आराम देना और कुछ समय के लिए शांत वातावरण में रहना मददगार हो सकता है।

समय पर खाना न खाना और गलत खान-पान- माइग्रेन से जूझ रहे लोगों के लिए भोजन की नियमितता भी काफी महत्वपूर्ण होती है। लंबे समय तक खाली पेट रहना या अचानक खाने का समय बदलना कुछ लोगों में माइग्रेन का कारण बन सकता है।

शरीर को ऊर्जा देने के लिए संतुलित आहार लेना जरूरी है। खाने में फल, हरी सब्जियां, प्रोटीन और जरूरी पोषक तत्व शामिल करने चाहिए। वहीं बहुत ज्यादा तला हुआ भोजन, अत्यधिक मसालेदार चीजें या ऐसे खाद्य पदार्थ जिनसे आपको व्यक्तिगत रूप से परेशानी होती है, उनसे बचना बेहतर हो सकता है।

60 साल पार वाले बुजुर्गों के करने लायक योगासन, होता है काफी फायदा

हर उम्र में चुस्त और दुरुस्त रखने के लिए योग की सलाह दी जाती है. बच्चों और युवाओं के लिए ही नहीं बुजुर्गों के लिए भी योग काफी फायदेमंद होता है. 60 साल से ज्यादा उम्र वाले पुरुषों और महिलाओं को अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए.योग से सीनियर सिटीजन की पाचन की समस्याएं दूर हो सकती हैं.

इससे तनाव कम होता है और मन-मस्तिष्क शांत रहता है. हालांकि, इस उम्र में योगासन अभ्यास थोड़ा मुश्किल हो सकता है. ऐसे में कुछ आसन ऐसे हैं जिन्हें 60 प्लस उम्र वाले भी बड़े ही आसानी से कर सकते हैं. आइए जानते हैं ऐसे ही योगासनों के बारें में...

ताड़ासन

ताड़ासन बेहद आसान है. 60 साल से ज्यादा उम्र वाले भी इसे आसानी से कर सकते हैं. इस आसन को करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बना रहता है. इससे तनाव से छुटकारा मिल सकता है. ताड़ासन से हाथ, पैर और पेट की मसल्स स्ट्रेच होती हैं. जिससे दर्द से आराम मिलता है.

कैसे करें आसान

पैरों में गैप बनाकर खड़े हो जाएं.

हाथों को सिर के ऊपर ले जाएं.

अब गहरी सांस लें और एड़ी को ऊपर उठाते हुए हाथों को सिर से ऊपर ले जाएं.

हथेलियों को इंटरलॉक करें और बॉडी को स्ट्रेच करें.

इस प्रक्रिया को कम से कम 3-5 बार दोहराएं.

बालासन

60 साल से ज्यादा उम्र वाले बालासन का अभ्यास कर सकते हैं. इस आसन को करना काफी आसान है. इस आसन से बड़ी रिलैक्स रहती है और पाचन तंत्र बेहतर बनता है. महिलाओं के लिए यह आसन अच्छा माना जाता है. बालासन से मेनोपॉज के लक्षणों को कम कर सकते हैं. इससे सेहत से जुड़ी कई समस्याएं दूर हो सकती हैं.

आसान कैसे करें

घुटनों को मोड़कर बैठ जाएं.

पैरों के अंगूठों को पास रखें और एड़ी पर बैठ जाएं.

गहरी सांस लेते और छोड़ते हुए आगे की तरफ झुक जाएं.

सीने को जांघों के बीच रखें और हाथों को आगे की ओर फैलाए.

30-50 सेकेंड तक रुकें और धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं.

इस आसन को 3-5 बार दोहराएं.

पवनमुक्तासन

बुजुर्गों के लिए पवनमुक्तासन काफी अच्छा होता है. 60 साल से ज्यादा उम्र वालों की पाचन की समस्याएं हो सकती हैं. अगर वे रोजाना इस आसान को करें तो गैस और कब्ज से छुटकारा मिल सकता है. इस आसन से पीठ और कमर दर्द में भी आराम मिलता है. शरीर का ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है.

आसन कैसे करें

जमीन पर एक योगा मैट बिछाकर पीठ के बल लेट जाएं और गहरी सांसें लें.

अब सांस छोड़ते हुए दोनों घुटनों को मोड़ें और जांघों को पेट की तरफ लाते हुए हाथों से दबाने की कोशिश करें.

गहरी सांस लेकर छोड़ें और सिर जमीन से ऊपर की ओर ले जाएं.

सिर को धीरे-धीरे नीचे लाएं और पैरों को सामान्य अवस्था में ले आएं.

शवासन

शवासन भी 60 प्लस उम्र वालों के लिए काफी बेहतर होता है. इस आसान को ज्यादा उम्र वाले बड़ी ही आसानी से कर सकते हैं. इस आसन से सेहतमंद रह सकते हैं. इससे तनाव कम होता है और दिमाग शांत रहता है. इससे बॉडी रिलैक्स महसूस होता है. शाम के वक्त शवासन करने से पूरे दिन की थकान खत्म हो सकती है.

आसन कैसे करें

जमीन पर योगा मैट बिछाकर पीठ के बल लेट जाएं.

हाथों और पैरों को सीधा रखें.

अपनी दोनों आंखें बंद करके गहरी सांस लें और छोड़ें. शरीर को रिलैक्स करने का प्रयास करें. शवासन में सोने से बचें।

छींकने-खांसने से भी टूट जाती हैं हड्डियां

ऐसी स्थितियां बढ़ा सकती हैं ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा

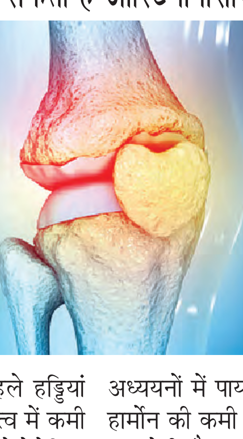

हड्डियों की कमजोरी अब सिर्फ उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या नहीं रही है, कम उम्र के लोग भी इसके शिकार हो रहे हैं। आहार में पोषक तत्वों की कमी और गड़बड़ लाइफस्टाइल के कारण अब समय से पहले हड्डियां कमजोर और खनिज घनत्व में कमी देखी जा रही है। ऑस्टियोपोरोसिस ऐसी है तेजी से बढ़ती हड्डियों की बीमारी है जिसकी शुरुआत 25 की आयु में हो सकती है।

हड्डियों के खनिज घनत्व और द्रव्यमान की कमी के कारण ये इतनी कमजोर हो जाती हैं कि जरा सी चोट या गिरने से भी फ्रैक्चर का खतरा हो सकता है। इतना ही नहीं ऑस्टियोपोरोसिस की गंभीर स्थिति में छींकने-खांसने से भी हड्डियों के टूटने का जोखिम हो सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस के कारण हड्डियां कमजोर और भंगुर हो जाती हैं। इसके शिकार लोगों में कूल्हे, कलाई या रीढ़ की हड्डी टूटने का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है। पुरुष-महिला दोनों में इसका खतरा देखा जाता रहा है। हड्डियों से संबंधित इस समस्या से बचे रहने के लिए कम उम्र से ही निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है।

क्यों होती है ये समस्या?

सामान्यतौर पर हमारी हड्डियां लगातार नवीनीकरण की अवस्था में होती हैं। यानी कि हड्डियों के पुराने ऊतक नष्ट होते रहते हैं और नए ऊतकों का निर्माण होता रहता है। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ ये प्रक्रिया बाधित होने लग जाती है। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या में ऊतक तो नष्ट होते जाते हैं पर नए ऊतकों का निर्माण नहीं हो पाता है।

किन लोगों में इसका खतरा अधिक?

खान-पान में गड़बड़ी के साथ उम्र, पारिवारिक इतिहास और हार्मोनल समस्याओं के कारण ऑस्टियोपोरोसिस होने का जोखिम बढ़ जाता है। अध्ययनों में पाया गया है कि सेक्स हार्मोन की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। रजोनिवृत्ति के समय महिलाओं में एस्ट्रोजन के स्तर में गिरावट आ जाती है, इसी तरह से प्रोस्टेट कैंसर के उपचार की स्थिति में पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन का स्तर प्रभावित हो जाता है। इस तरह की स्थितियां आपमें हड्डियों से संबंधित समस्याओं को बढ़ाने के साथ कई तरह की अन्य विकारों का भी कारण बन सकती हैं।

आहार में गड़बड़ी भी खतरनाक

हड्डियों की दिक्कतों के लिए कैल्शियम की कमी को प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस के विकास में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आहार में कैल्शियम की कमी हड्डियों के घनत्व को कम करने, हड्डियों को जल्दी क्षति पहुंचाने और फ्रैक्चर के जोखिमों को बढ़ाने वाली मानी जाती है।

इन रोगों के शिकार हैं तो भी बरतें सावधानी

ऑस्टियोपोरोसिस का जोखिम कुछ प्रकार की चिकित्सा समस्या वाले लोगों में भी अधिक देखा जाता रहा है। आप भी अगर इनमें से किसी रोग के शिकार हैं तो सावधान हो जाएं।

सीलिएक डिजीज।

इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज।

किडनी या लिवर रोग और कैंसर।

मल्टीपल मायलोमा।

रूमेटाइड आर्थराइटिस।

शादी या सगाई आ गई है नजदीक तो जरूर अपनाएं ये टिप्स

अगर आपका रिश्ता तय हो गया है और सगाई या शादी की तारीख निकाली जाने लगी है तो कुछ ऐसे काम है, जिनका शादी से पहले किया जाना बेहद जरूरी है। शादी जीवन का बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है।

इस रिश्ते में आने के लिए सोच समझ कर फैसला लेना चाहिए। हड़बड़ी में गलत साथी का चयन करने से रिश्ता और जीवन दोनों खराब हो जाते हैं।

अक्सर माता पिता की मर्जी से की जाने वाली शादी यानी अरेंज मैरिज में कपल एक दूसरे को पहले से जानते नहीं हैं। शादी के बाद जब दो अजनबी एक दूसरे के साथ जीवन जीते हैं तो कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अक्सर इस दौरान वह महसूस करते हैं कि वह बेमेल जोड़ी हैं। शादी से पहले ही ये समझ लेना चाहिए कि क्या कपल एक दूसरे के लिए बने हैं। इसलिए शादी करने से पहले हर कपल को कुछ काम जरूर कर लेने चाहिए, ताकि बाद में अफसोस न हो।

एक दूसरे से संवाद करें

सगाई और शादी से पहले अपने होने वाले जीवनसाथी से संवाद जरूर करना चाहिए। एक दूसरे से खुलकर बातचीत करें और मन में उठे सवालों व चिंताओं के जवाब हासिल कर लें।

मिलकर करें शादी की तैयारी

शादी आपके और आपके पार्टनर दोनों के लिए बड़ा मौका है। हर किसी को अपनी शादी की उत्सुकता होती है। मिलकर शादी की तैयारी हैं। शादी की खरीदारी साथ ही करें। एक दूसरे की पसंद को जानने का भी ये अच्छा मौका है।

भविष्य की योजनाएं

शादी के बाद जिसके साथ जीवन बिताना है, उसके साथ अपने भविष्य की योजनाएं बना लें। शादी के बाद नौकरी करने है या नहीं करनी है, कहां रहना है, विदेश यात्रा या परिवार बढ़ाने संबंधित भविष्य की योजनाओं की राय बना लें।

एक-दूसरे का भरोसा बढ़ाएं

रिश्ता भरोसे पर टिका होता है। शादी से पहले आपके पास वक्त होता है कि आप अपने रिश्ते को मजबूत बनाएं, इसके लिए एक दूसरे पर भरोसा करने की शुरूआत शादी से पहले ही शुरू कर दें। एक दूसरे को वक्त दें और समझने की कोशिश करें, ताकि विश्वास करना सीखें।

उम्र सिर्फ एक नंबर है, आत्मविश्वास व अंदाज कभी पुराने नहीं होते : ईशा कोप्पिकर

बढ़ती उम्र को लेकर अब लोगों की सोच भी बदल रही है। खासकर मनोरंजन जगत की अभिनेत्रियां अपने अनुभवों के साथ यह बताती नजर आती हैं कि उम्र किसी की खूबसूरती, आत्मविश्वास या पहचान तय नहीं करती। अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर भी इसी सोच को लेकर अपनी बात सामने रखती रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उम्र, आत्मविश्वास, फिटनेस, मातृत्व, प्यार और जिंदगी में आए बदलावों को लेकर खुलकर बात की। ईशा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ खूबसूरत और स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट कीं और कहा, "उम्र सिर्फ एक नंबर है। अब मैं पहले से थोड़ी ज्यादा आत्मविश्वासी, अपनी पसंद को लेकर ज्यादा सजग और खुद को लेकर पहले से ज्यादा बेबाक हूं। असली खूबसूरती और अंदाज उम्र में नहीं, बल्कि इस बात में है कि इंसान समय के साथ खुद को कितना बेहतर बनाता है।" ईशा ने लिखा, "मैं अब बेहतर चुनाव करती हूं, गहराई से प्यार करती हूं और जिंदगी के हर पड़ाव को खास बनाने की कोशिश करती हूं। मैं वही लड़की हूं, लेकिन अब मेरे स्टैंडर्ड बेहतर हैं, सपने बड़े हैं, आसपास लोगों की संख्या कम है और यादें पहले से ज्यादा हैं।' ईशा की पोस्ट की पहली तस्वीर पर लिखा, तब भी पसंदीदा थीं और आज भी पसंदीदा हैं। इसके बाद ईशा ने अपनी वर्कआउट से जुड़ी तस्वीर साझा की। इसमें वह व्यायाम करती दिखाई दीं और तस्वीर पर लिखा था, फिटनेस को कुछ समय का शौक नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल बनाना भी अपने आप में खास है। 20 साल बाद भी मेहनत जारी है।

एक अन्य तस्वीर में ईशा ने मां होने के अनुभव को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। तस्वीर पर लिखा था, '"मां होना भी अपने आप में खास है और इसके बावजूद अपने भीतर की उस लड़की को जिंदा रखना भी जरूरी है।प्यार और रिश्तों को लेकर भी ईशा ने अपनी सोच साझा की।

उन्होंने लिखा, मैं आज भी प्यार में मिलने वाली उस खास खुशी और एहसास पर विश्वास करती हूं, लेकिन अब रिश्तों को लेकर मेरी पसंद और उम्मीदें पहले से बेहतर हैं। ईशा ने एक तस्वीर के साथ यादों को लेकर भी दिलचस्प बात कही।

उन्होंने लिखा, सिर्फ तस्वीरें जमा करने के बजाय यादें जमा करना खास है। हालांकि तस्वीरें भी अब काफी अच्छी आती हैं। अपनी तस्वीरों की इस पूरी सीरीज के आखिर में ईशा ने लिखा, 20 साल बाद भी पसंदीदा हूं और अब भी अपने अंदाज में खास हूं।

काम की बात करें तो ईशा कोप्पिकर ने हिंदी सिनेमा की कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। वह 'फिजा', 'कंपनी', 'पिंजर', 'डॉन', 'सलाम-ए-इश्क', 'क्या कूल हैं हम' और 'एक विवाह... ऐसा भी' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

नयनतारा ने की 'टॉक्सिक' की निर्देशक गीतू मोहनदास की जमकर तारीफ

बोलीं- 'वह हर कलाकार को अपना बना लेती हैं'

नयनतारा

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं, जबकि नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। फिल्म को लेकर चर्चा सिर्फ इसकी स्टारकास्ट और कहानी की वजह से नहीं है, बल्कि निर्देशक गीतू मोहनदास के काम करने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। अब फिल्म की अभिनेत्री नयनतारा ने गीतू की तारीफ की है। हाल ही में 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, अब तक सभी लोग गीतू की एक निर्देशक के तौर पर खूब तारीफ कर चुके हैं, लेकिन मैं उनके व्यक्तित्व के उस पहलू के बारे में बात करना चाहती हूं, जो शायद पर्दे के पीछे नजर आता है। गीतू सिर्फ कलाकारों से उनका काम नहीं करवातीं, बल्कि उनकी भावनाओं को समझती हैं और मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी भी रहती हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों को कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। किसी के लिए दिन अच्छा रहा तो किसी को मुश्किल सीन का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में गीतू ने निर्देशक होने के साथ-साथ एक मजबूत सहारे की भूमिका भी निभाई। वह हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहीं। यही चीज गीतू को एक अलग तरह की निर्देशक बनाती है। वह अपने कलाकारों को केवल फिल्म का हिस्सा नहीं मानतीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी बनाती हैं।

इस दौरान नयनतारा ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया, "एक बार शूटिंग के दौरान गीतू एक कलाकार को लेकर काफी भावुक हो गई थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं। इसके बाद वह उस कलाकार के साथ कुछ देर तक रही, ताकि उसे अकेला न महसूस हो।"

उन्होंने आगे बताया कि जब गीतू से वापस आईं, तो हमने उनसे पूछा कि आखिर वहां क्या हुआ था। मुझे लगा कि शायद गीतू ने भावनाओं में आकर कुछ ऐसा कह दिया होगा, जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। मैंने उनसे पूछा, 'क्या हुआ? क्या आपने अपना आपा खो दिया? क्या आपने कुछ ऐसा कह दिया जो आपको नहीं कहना चाहिए था?' लेकिन गीतू ने बेहद सहजता से कहा, 'नहीं, मैंने बस प्यार दिया।

नयनतारा ने कहा कि गीतू जिस भी कलाकार के साथ काम करती हैं, उसके साथ एक खास रिश्ता बना लेती हैं।

बता दें कि 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और इसकी कहानी यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कन्नड़ और अंग्रेजी में की गई है और इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम समेत कई भाषाओं में डब किया गया है। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

गीतू मोहनदास

बेटे करण संग सनी देओल ने जाना बंटवारे का सच कहा-नई पीढ़ी को समझना चाहिए

अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन में व्यस्त चल रहे हैं। बुधवार को उन्होंने बताया कि फिल्म के प्रमोशन के दौरान वे अमृतसर पार्टिशन म्यूजियम गए थे। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अपने बेटे करण के साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने इस वीडियो के जरिए बताया कि अमृतसर के म्यूजिम्यम में बंटवारे के समय की बहुत सारी कहानी देखने को मिली। अभिनेता ने लिखा, फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के दौरान अमृतसर पार्टिशन म्यूजियम जाने का मौका मिला। वहां जाकर बंटवारे की ऐसी कई कहानियां जानने को मिलीं, जिनमें दर्द, हिम्मत, बिछड़ने और फिर से जीवन शुरू करने की बातें हैं। इन कहानियों को सुनकर एहसास होता है कि 1947 के बंटवारे ने लाखों लोगों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी थी। इतिहास के कुछ पन्ने दर्द से भरे हैं लेकिन उन्हें याद रखना बहुत जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ियां शांति, इंसानियत और एकता की कीमत समझ सकें। वाहेगुरु सब पर अपनी मेहर बनाए रखें।

हालांकि, अभिनेता की आगामी फिल्म 'बंटवारा 1947' भी भारत-पाकिस्तान विभाजन पर आधारित कहानी को बयां करती हैं। इसके जरिए निर्देशक राजकुमार संतोषी ने विभाजन के समय की कहानी को बयां करने की कोशिश की है। फिल्म की कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी देश के बंटवारे के दौरान हुई हिंसा, डर और जबरन पलायन से पूरी तरह बदल जाती है। कहानी में उन लोगों की परेशानी दिखाई गई है, जिन्हें अपने घर और अपनी पुरानी जिंदगी को छोड़कर दूसरी जगह जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

कहानी यह बताने की कोशिश करती है कि जब समाज में डर और हिंसा बढ़ रही थी, तब भी कुछ लोगों ने इंसानियत को सबसे ऊपर रखा। फिल्म के जरिए उस दौर की उम्मीद और लोगों के संघर्ष को भी सामने लाने की कोशिश की गई है।

'बंटवारा 1947' में सनी देओल के साथ शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। 'बंटवारा 1947' को दुनियाभर में 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है।

कैसेट किंग गुलशन कुमार की मौत के 29 साल बाद भी कायम है ये विरासत

गुलशन कुमार ने अपने जीवन में संगीत जगत को नई ऊंचाई दी थी लेकिन उनकी मौत के 29 साल बाद उनकी सबसे बड़ी कमाई शायद किसी दुकान, कैसेट या फिल्म से नहीं बल्कि एक ऐसे माध्यम से हो रही है जिसकी उन्होंने अपने समय में कल्पना भी नहीं की होगी। उन्हें 'कैसेट किंग' कहा जाता था और उन्होंने भक्ति संगीत को 1980 और 1990 के दशक में सस्ते कैसेटों के जरिए घर-घर पहुंचाया और आज वही संगीत मोबाइल फोन और इंटरनेट पर अरबों बार देखा जा रहा है।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण 'श्री हनुमान चालीसा' का वह वीडियो है, जिसमें गुलशन कुमार दिखाई देते हैं। मई 2011 में टी-सीरीज के भक्ति चैनल पर आया यह वीडियो नवंबर 2025 में 5 अरब व्यूज पार कर गया। यानी गुलशन कुमार के जाने के करीब 14 साल बाद उनका चेहरा एक ऐसे डिजिटल रिकॉर्ड का हिस्सा बना, जो दुनियाभर में चर्चा का विषय बना।

यहां कहानी सिर्फ 5 अरब व्यूज की नहीं है। दरअसल, यह वही बाजार है, जिसे गुलशन कुमार ने अपने समय में पहचाना था। जब भारत में संगीत सुनने के लिए कैसेट खरीदे जाते थे, तब उन्होंने समझ लिया था कि भक्ति संगीत का बाजार बहुत बड़ा है। टी-सीरीज ने शुरुआती सालों में भजन और धार्मिक गीतों के कैसेट बड़े पैमाने पर निकाले। गुलशन कुमार की कारोबारी समझ यह थी कि संगीत केवल फिल्म देखने वाले लोगों की जरूरत नहीं है। मंदिर जाने वाला, घर में पूजा करने वाला और छोटे शहर में रहने वाला व्यक्ति भी संगीत का बड़ा ग्राहक हो सकता है। बाद में यही सोच टी-सीरीज के डिवोशनल कैटलॉग की बड़ी ताकत बनी।

'श्री हनुमान चालीसा' के डिजिटल सफर की बात करें, तो वीडियो 10 मई 2011 को जारी हुआ और 2020 में एक अरब व्यूज पार किए। 2023 में यह तीन अरब तक पहुंचा और नवंबर 2025 में पांच अरब के पार चला गया। उस समय मीडिया ने इसे भारत का पहला ऐसा यूट्यूब अपलोड बताया, जिसने पांच अरब व्यूज का आंकड़ा पार किया। ये हैरान करने वाला था। आमतौर पर किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसका नाम किताबों, पुरस्कारों या स्मारकों तक सीमित रहता है लेकिन गुलशन कुमार के मामले में ऐसा नहीं हुआ। उनका नाम एक चलती हुई कर्मशियल म्यूजिक लाइब्रेरी से जुड़ा रहा। पुराने भजन नए वीडियो बनकर आए, पुराने संगीत को नए डिजिटल प्लेटफॉर्म मिले और टी-सीरीज ने अपने डिवोशनल कंटेंट को इंटरनेट पर फैलाया।

गुलशन कुमार की विरासत का एक और हिस्सा इंस्टीट्यूट और अवॉर्ड्स के रूप में दिखाई देता है। गुलशन कुमार फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का नाम सीधे उनके नाम पर है। 2019 में टी-सीरीज की एजुकेशनल विंग ने गुलशन कुमार अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस और गुलशन कुमार यंग अचीवर्स अवॉर्ड भी शुरू किए थे, यानी उनकी विरासत को एजुकेशन में भी इस्तेमाल किया गया।

उनके नाम का एक और बड़ा इस्तेमाल सिनेमा में होना है। 'मोगुल' के नाम से उनकी जिंदगी पर फिल्म बनाने की योजना लंबे समय से चल रही है। इस प्रोजेक्ट में अलग-अलग समय पर अक्षय कुमार और आमिर खान जैसे नाम जुड़े। 2025 में इसे नए सिरे से आगे बढ़ाने की खबर आई लेकिन फिल्म अब भी अटकी हुई है।

सारा अली खान ने पंखे पर फेंक दी फेविकोल की बोतल, सस्पेंड होने की आ गई थी नौबत

बॉलीवुड में आने के बाद सारा अली खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ मजाकिया अंदाज के लिए भी पहचानी जाती हैं। वह अक्सर इंटरव्यू में जिंदगी की छोटी-छोटी बातें बिना किसी हिचक के साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने स्कूल के दिनों का ऐसा किस्सा शेयर किया था, जिसने सभी को हैरान कर दिया।

उन्होंने बताया था कि एक बार स्कूल में उन्होंने पंखे पर फेविकोल फेंक दी थी और बात इतनी बढ़ गई कि स्कूल से सस्पेंड किए जाने की नौबत आ गई थी। सारा अली खान का जन्म 12 अगस्त 1995 को मुंबई में हुआ। वह अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री अमृता सिंह की बेटी हैं। उनका परिवार फिल्मों से जुड़ा रहा है। उन्होंने मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की और बाद में अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में इतिहास और राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की। एक इंटरव्यू में उन्होंने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा था कि वह पढ़ाई में अच्छी थीं, लेकिन साथ ही काफी शरारती भी थीं। इसी इंटरव्यू में उन्होंने फेविकोल वाले किस्से का भी खुलासा किया। सारा ने बताया कि उन्हें जियोग्राफी की क्लास में ज्यादा दिलचस्पी नहीं थी। उसी दौरान उन्होंने गोंद की एक बोतल पंखे की तरफ फेंक दी। बोतल टूट गई और फेविकोल पंखे और उसके आसपास फैल गया। मामला इतना आगे बढ़ा कि सस्पेंड होने की नौबत आ गई थी।

पढ़ाई पूरी करने के बाद सारा ने अभिनय को करियर बनाने का फैसला किया। उन्होंने खुद बताया था कि कोलंबिया में पढ़ाई के दौरान ही उन्हें लगा कि वह अभिनेत्री बनना चाहती हैं। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने अपने फिटनेस पर भी काफी काम किया। इसके बाद 2018 में उन्हें अभिषेक कपूर की फिल्म 'केदारनाथ' से बॉलीवुड में डेब्यू करने का मौका मिला। फिल्म में उनके साथ सुशांत सिंह राजपूत थे। सारा ने मुक्कू का किरदार निभाया और पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा।

उसी साल सारा की दूसरी फिल्म 'सिंबा' रिलीज हुई। रोहित शेट्टी की इस फिल्म में उनके साथ रणवीर सिंह थे।

'केदारनाथ' में गंभीर भूमिका के बाद 'सिंबा' में उनका चुलबुला अंदाज देखने को मिला। दोनों फिल्मों के एक ही साल में आने से सारा को शुरुआत में ही अलग-अलग तरह के किरदार करने का मौका मिला। 'केदारनाथ' के लिए उन्हें फिल्मफेयर, आइफा और स्क्रीन अवॉर्ड मिला।

इसके बाद सारा ने 'लव आज कल', 'कुली नंबर 1', 'अतरंगी रे', 'गैसलाइट', 'जरा हटके जरा बचके', 'मर्डर मुबारक', 'ऐ वतन मेरे वतन', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' और 'स्काई फोर्स' जैसी फिल्मों में काम किया। 2025 में वह 'मेट्रो... इन दिनों' में भी नजर आईं। उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन सारा लगातार फिल्मों में काम कर रही हैं।

रमन सिंह बोले-किसानों की खुशहाली से ही प्रदेश की तरक्की

हरेली पर मुख्यमंत्री साय ने की हल-नांगर की पूजा, सीएम-हाउस में लोक संस्कृति की झलक

रायपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पहले लोकपर्व हरेली तिहार का आयोजन मुख्यमंत्री निवास, नवा रायपुर में किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हल-नांगर की पूजा की। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी मौजूद रहे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि एक साल में किसानों के खातों में 35 हजार करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब किसान के घर खुशहाली आएगी, तभी छत्तीसगढ़ का विकास होगा।

हरेली तिहार के मौके पर मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और पुरानी परंपराओं की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में आने वाले लोगों को फरा-चिल्ला बांटा गया। साथ ही कई तरह के पारंपरिक पकवान भी बनाए गए। मुख्यमंत्री निवास परिसर को नीम और आम के पत्तों, गेंदे के फूलों और पारंपरिक ग्रामीण सजावट से विशेष रूप से सजाया गया।

पुलिस कस्टडी में मौत, सुप्रीम-कोर्ट ने सीबीआई को सौंपी जांच

परिवार को 25 लाख देने का आदेश, बिलासपुर के श्रवण की हुई थी मौत

रायपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर में 34 साल के श्रवण सूर्यवंशी की पुलिस कस्टडी में मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने अब मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार को मृतक के परिवार को अंतरिम मुआवजे के तौर पर 25 लाख रुपए देने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच में हिरासत में हुई हिंसा के लिए जो भी अधिकारी जिम्मेदार पाए जाएं, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

बिलासपुर के सीपत थाना पुलिस ने 18 जनवरी 2024 को कच्ची महुआ शराब रखने के आरोप में श्रवण सूर्यवंशी को हिरासत में लिया था। इसके तीन दिन बाद 21 जनवरी 2024 को अस्पताल में उसकी मौत हो गई। आरोप था कि उसने अपनी किराना दुकान के सामने करीब 1,200 रुपए की कच्ची महुआ शराब बिक्री के लिए रखी थी।

सुप्रीम कोर्ट में रखी गई

जानकारी के मुताबिक, इस मामले में एफआईआर 30 जुलाई 2026 को दर्ज की गई। यानी श्रवण की मौत के करीब ढाई साल बाद एफआईआर हुई। इस देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए।

श्रवण की मौत के बाद जेल अधीक्षक ने 22 जनवरी 2024 को सेशन जज को पत्र लिखकर न्यायिक जांच की मांग की थी। इसके बाद मजिस्ट्रेट ने मामले की जांच शुरू की। जुलाई 2024 में न्यायिक मजिस्ट्रेट ने अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में कहा गया कि मौत किसी भोथरे हथियार से सिर में लगी चोट के बाद हुई जटिलताओं के कारण श्रवण की मौत हुई थी।

मृतक की पत्नी और दो बेटियों ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका लगाकर मामले की निष्पक्ष जांच और 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। हाईकोर्ट ने परिवार को 1 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया था, लेकिन एफआईआर दर्ज करने या मामले की स्वतंत्र जांच का निर्देश नहीं दिया। इसके बाद परिवार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही सुनवाई में 1 लाख रुपए के मुआवजे को मामले की गंभीरता के मुकाबले बहुत कम बताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई केवल युवक की मौत की परिस्थितियों की जांच नहीं करेगी, बल्कि यह भी देखेगी कि न्यायिक जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद राज्य के अधिकारियों ने उचित कार्रवाई क्यों नहीं की।

कोर्ट ने सीबीआई को नियमित आपराधिक केस दर्ज कर जांच करने और किसी वरिष्ठ अधिकारी को इसकी जिम्मेदारी देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान राज्य के डीजीपी ने एफआईआर में देरी को लेकर कहा था कि न्यायिक जांच रिपोर्ट पुलिस विभाग को नहीं भेजी गई थी। इस पर जस्टिस संदीप मेहता ने सवाल उठाया कि यह रिपोर्ट तो राज्य की ओर से हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे के साथ पहले ही लगाई जा चुकी थी। डीजीपी ने यह भी कहा था कि रिपोर्ट में ऐसा कोई संज्ञेय अपराध सामने नहीं आया, जिसके आधार पर एफआईआर जरूरी हो।

हिड़मा–देवा के गढ़ से कर्रेगुट्टा तक तिरंगा यात्रा

नक्सलियों के इलाके से गुजर रहे बाइकर्स, मेटल डिटेक्टर से रास्तों की जांच, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जगदलपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। जहां कभी नक्सलियों का दबदबा था, वहां अब तिरंगा लहराएगा। छत्तीसगढ़ भाजपा की 3 दिवसीय बस्तर तिरंगा यात्रा आज नारायणपुर से शुरू हुई। इसमें बड़ी संख्या में बाइकर्स भी शामिल हुए हैं। सभी बाइकर्स हिड़मा और देवा जैसे नक्सली कमांडरों के गढ़ से तिरंगा लेकर गुजर रहे हैं।

यात्रा दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर के संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरेगी। सुरक्षा के लिहाज से इन इलाकों की मेटल डिटेक्टर से जांच हो रही है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा बाइक चलाकर यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। यात्रा के दौरान जहां जवान शहीद हुए, वहां की मिट्टी भी लाई जाएगी।

यात्रा में बुरकापाल, मिनपा-ताड़मेटला, जगरगुंडा, सिलगेर और टेकलगुड़ेम जैसे इलाके शामिल हैं। 14 अगस्त को कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर तिरंगा फहराने के साथ यात्रा का समापन होगा।

कोंडागांव जिले के आखिरी गांव कड़ेनार में भी तिरंगा यात्रा पहुंची। यह इलाका दंतेवाड़ा, कोंडागांव और नारायणपुर जिलों की सीमा से लगा हुआ है। यात्रा से पहले यहां प्रशासन की टीम के पहुंचने पर ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर उनके पास पहुंचे। ग्रामीणों ने गांव में रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना है कि रोजगार के अभाव में गांव के लोग दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं।

नारायणपुर से शुरू हुई तिरंगा यात्रा बारसूर के इंद्रावती सातधार पुल से गुजरी। दंतेवाड़ा के रास्ते अबूझमाड़ का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले इस इलाके को कभी नक्सलियों का कोर जोन माना जाता था।

इसी इलाके से तिरंगा लेकर बाइकर्स का काफिला आगे बढ़ा।

क्या चिराग पासवान और प्रशांत किशोर आएंगे एक साथ?

बिहार में माइनस भाजपा-आरजेडी रिएलाइनमेंट की चर्चा तेज

पटना, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बांकीपुर उपचुनाव जीतने के बाद बिहार में प्रशांत किशोर को लेकर एक नये समीकरण की चर्चा निकल पड़ी है। चर्चा ये है कि बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर की भूमिका अब क्या होने वाली है? आने वाले समय में प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी की राजनीति क्या होगी, इस पर विचार और चर्चा का माहौल गर्म है। सवाल उठता है कि क्या बिहार तीसरे मोर्चे की तरफ भी बढ़ेगा। मसलन, क्या प्रशांत किशोर गठबंधन की राजनीति भी करेंगे? ध्यान रहे कि जन सुराज की ओर से कई बार ये बयान आया है कि प्रशांत किशोर को गठबंधन की राजनीति से एतराज नहीं है।

क्या बदलेगा बिहार का सियासी समीकरण?

संभावना ये जताई जा रही है कि फिलहाल भले प्रशांत किशोर ये कहें कि वो किसी के साथ नहीं जाएंगे। राजनीतिक गलियारों में ये चर्चा तेज है कि आने वाले समय

चिराग पासवान और प्रशांत किशोर

में माइनस बीजेपी और माइनस आरजेडी इन दोनों को छोड़कर किसी तीसरे दल के साथ जा सकते हैं। और इस मामले में एक नाम हर बार लिया जाता है। पीके भी उनको अपना दोस्त मानते हैं, जो नेता हैं, वो भी पीके को अपना दोस्त बताते नहीं थकते।

चिराग पासवान को लेकर कई बार ये अटकलें लगती रही हैं कि प्रशांत किशोर की पार्टी से चिराग पासवान का गठबंधन हो सकता है। क्योंकि, अब प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति में एक भूमिका में आ चुके हैं। बांकीपुर का सीट जीतना ही नहीं, बल्कि अब उनकी पार्टी की एक अच्छी शुरुआत हो गई है। प्रशांत किशोर के आने वाले सियासी भविष्य और उनके गठबंधन को लेकर पटना के वरिष्ठ पत्रकार और इंडियन एक्सप्रेस के बिहार प्रतिनिधि संतोष सिंह कहते हैं कि वो अगले चुनाव में एक राजनीतिक रिएलाइनमेंट देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जो बिहार में गठबंधन होगा, उसमें वे जन सुराज की भूमिका को देखते हैं। उन्होंने एक निजी चैनल से बातचीत में कहा कि एक नई पार्टी का बीजारोपण हो गया है। जो रिएलाइनमेंट का पार्ट हो सकती है। ये कोई नहीं जानता, पीके जेडीयू से भी एलाइनमेंट कर सकते हैं। पीके कांग्रेस के साथ भी संपर्क कर सकते हैं। गठबंधन कर सकते हैं। प्रशांत किशोर चिराग पासवान के साथ गठबंधन कर सकते हैं। संतोष सिंह ने साफ कहा कि माइनस बीजेपी और माइनस आरजेडी प्रशांत किशोर के कोई भी एलाइनमेंट हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यदि इसी तरह पीके अपने संगठन पर काम करते रहे। उसके विस्तार पर काम करते रहे। अब बिहार की राजनीति का प्रवेश लेवल प्लेइंग फील्ड के दौर में हो गया है। उसमें प्रशांत किशोर एक प्लेयर के तौर पर इमर्ज कर गए हैं। उनकी उपस्थिति दर्ज हो गई है। वो अब विधानसभा पहुंच चुके हैं। वे कुछ भी बन सकते थे।

किशनगंज इंजीनियरिंग कॉलेज की कई छात्राओं की तबीयत खराब

प्रोफेसर बोले- व्रत रखने से बीमार हुई छात्राएं

किशनगंज, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के किशनगंज शहर के महेशबथना स्थित गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज की कई छात्राओं मंगलवार की रात बीमार पड़ गईं। उन्हें निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिनों से पेट दर्द समेत अन्य शिकायतों के साथ छात्राएं इलाज के लिए किशनगंज सदर अस्पताल पहुंच रही। देर रात एक छात्रा की हालत गंभीर बताई गई। उसे उपचार के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

यहां डॉक्टरों की टीम ने काफी देर तक उसका इलाज किया। तब जाकर उसके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। बताया जा रहा है कि मंगलवार को दिन में भी कॉलेज की तीन छात्राएं पेट दर्द और चेस्ट पेन की शिकायत के साथ सदर अस्पताल पहुंची थीं।

पंजोखरा साहिब में हत्या का प्रयास करने वालों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर एसपी को ज्ञापन

अंबाला, 12 अगस्त (एजेंसियां)। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया एवं विश्व हिंदू तख्त के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने आज पंजोखरा साहिब में 7 अगस्त को खालिस्तान के खिलाफ मुहिम चलाने वाले लुधियानी निवासी गुरशरण सिंह मंड की हत्या का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर आज पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत को ज्ञापन सौंपा।

मांग की गई कि कानून और संविधान की धज्जियां उड़ाने वाले कट्टरपंथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस मौके पर सुरेंद्र पाल केके, तरसेम सैनी, दीपक शांडिल्य, इंद्रजीत सिंह लाडी, राजीव परासन रूबी, संदीप गुलाटी, मनोहर लाल, अश्विनी, पवन वैद्य, रोहित सैनी, विक्रमजीत, राजीव सहित कई एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के सदस्य मौजूद थे। वीरेश शांडिल्य ने कहा घटनास्थल एवं आसपास की सीसीटीवी फुटेज

सुरक्षित/जब्त कर हमले में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की पहचान करने और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कानून सम्मत कार्रवाई की जाए।

गुरसिमरन सिंह मंड पर कथित रूप से तलवारों, लाठियों एवं अन्य तेजधार हथियारों से हमला किया गया, उन्हें पुलिस सुरक्षा की मौजूदगी में घेरकर पीटा गया और उनके वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया गया।

उन्होंने कहा कि पुलिस को इस पहलू की भी गंभीरता से जांच करनी चाहिए कि हमला पूर्व नियोजित था या नहीं और इसके पीछे आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल व अमृतपाल सिंह व उसके समर्थकों अथवा आतंकी नेटवर्क की कोई भूमिका थी या नहीं।

शांडिल्य ने कहा कि यह घटना इसलिए भी बेहद गंभीर है क्योंकि यह पवित्र गुरुद्वारा साहिब के परिसर के बाहर हुई। उन्होंने कहा कि विचारों का जवाब तलवार, लाठी, तेजधार हथियार अथवा भीड़ की हिंसा नहीं हो सकता। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि घटना के दौरान हरियाणा पुलिस के कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की बात सामने आई है।

दिनदहाड़े फाइनेंसकर्मी की हत्या

थाना से 500 मीटर दूर चलीं ताबड़तोड़ गोलियां

सीवान, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के सिवान जिले में बुधवार को हथियारबंद अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। थाने से सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर अपराधियों ने एक शख्स को गोलियों से भून डाला। थाने से महज कुछ दूरी पर इस वारदात को दिन दिनदहाड़े सरेआम अंजाम दिया गया। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

ये मामला सिवान के शहर का है। जीबी नगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने दिनदहाड़े एक फाइनेंसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान नीतीश कुमार के रूप में हुई है। वारदात तरवारा नहर के पास हुई, जो जीबी नगर थाना से महज करीब 500 मीटर की दूरी पर है। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार अपने बच्चे को स्कूल छोड़ने के बाद बाजार से घर लौट रहे थे।

इसी दौरान दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। परिजनों के मुताबिक अपराधियों ने नीतीश को कई गोलियां मारीं और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

गोलीबारी की सूचना मिलते ही सिवान पुलिस मौके पर पहुंची और घायल नीतीश को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार उनके शरीर में आधा दर्जन से अधिक गोलियां लगने की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी।

घटना के बाद इलाके में दहशत है। थाना से महज 500 मीटर की दूरी पर दिनदहाड़े हुई हत्या ने पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एसडीपीओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि एफएसएल टीम को मौके पर भेजा गया है। एसआईटी समेत कई टीमों का गठन कर छापेमारी की जा रही है। हालांकि अभी तक पुलिस को कोई कामयाबी नहीं मिली है। वहीं इस वारदात को लेकर स्थानीय लोगों में भी काफी आक्रोश है।

कर्ज चुकाने प्रिंटर से छापे 12 लाख के नकली नोट

कबीरधाम, 12 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में 3 आरोपियों ने कर्ज चुकाने के लिए 12.50 लाख के नकली नोट छापे हैं। आरोपी किराए के मकान में कलर प्रिंटर की मदद से असली नोट स्कैन कर नकली नोट प्रिंट करते थे, फिर कंटिग कर बाजार में खपा रहे थे। उधारी चुकाने के लिए जब उन्होंने 4.50 लाख रुपए दिनेश कुमार यादव को दिए तो पकड़ में आ गए। पीड़ित दिनेश को नोट देखते ही शक हुआ। कई नोट तिरछे थे, कटिंग सही नहीं थी। नोटों के कागज और रंग की क्वालिटी हल्की दिखी तो थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। मामला पोंडी पुलिस चौकी क्षेत्र का है।

क्या छात्रों के आंदोलन को भाजपा ने हाईजैक कर लिया

छात्रों ने कहा- हमारे बीच कुछ असामाजिक तत्व शामिल थे

रांची, 12 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित धांधली को लेकर छात्र पिछले 18 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। वे परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं और सामने आई गड़बड़ियों की जांच समेत अन्य मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं।

कई छात्र अनशन पर बैठे हैं। आंदोलन के 17वें दिन सोमवार को छात्रों ने विधानसभा का घेराव किया। इस दौरान हंगामा हुआ। छात्रों पर लाठीचार्ज भी किया गया। छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा ने मंगलवार को झारखंड बंद रखा।

छात्र संगठन एबीवीपी ने भी विधानसभा घेराव किया। भाजपा ने सरकार को सवालों के घेरे में रखा। वहीं, सरकार की ओर से मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि भाजपा ने अपने राजनीतिक इरादों से पूरी प्रक्रिया को लटकाने-भटकाने की कोशिश की।

राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण छात्रों ने आंदोलन वापस नहीं लिया। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या छात्रों के इस आंदोलन को भाजपा ने हाईजैक कर लिया है?

सोमवार को छात्रों के विधानसभा घेराव के दौरान अलग-अलग समय पर पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हुई। वाटर कैनन छोड़े गए, आंसू गैस के गोले दागे गए, विधानसभा गेट तक पहुंचे छात्रों को हटाने के लिए लाठीचार्ज भी किया गया।

इसे लेकर हमने छात्रों से बात की। जेएसएससी-जेपीएससी रिफॉर्म मंच के रविंद्र कुमार ने कहा, "जब हम विधानसभा गेट पर पहुंचे, तो हम चाहते थे कि मुख्यमंत्री की ओर से कुछ न कुछ कहा जाए। नैतिकता के तौर पर ही सही, उन्हें कुछ तो कहना चाहिए था, ताकि छात्रों को भी लगता कि हमारा आंदोलन सफल हुआ है।

जब ऐसा नहीं हुआ, तो हमने तय किया कि हम वहीं बैठेंगे। हमने अपना संदेश पुलिस के माध्यम से भी भिजवाया, लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं आया। इसी बीच हमें हटाने के लिए पुलिस ने लाठियां चलानी शुरू कर दीं।

हम मानते हैं कि पुलिस पर भी दबाव रहा होगा, लेकिन उन्होंने कोई चेतावनी नहीं दी।

छात्रों के उग्र होने के सवाल पर जेएसएससी-जेपीएससी रिफॉर्म मंच का कहना है कि अगर हमें बदमाशी या तोड़फोड़ करनी होती, तो हम वॉलंटियर क्यों बनाते?

घेराव शुरू होने से लेकर हंगामा होने तक हम लगातार माइक से अपील करते रहे कि कोई उग्र नहीं होगा।

छात्रों का कहना है कि निश्चित रूप से हमारे बीच कुछ असामाजिक तत्व शामिल थे, जो चाहते थे कि हंगामा हो। हम यह नहीं कहते कि वे किसी खास राजनीतिक दल से जुड़े थे, लेकिन वे मौजूद थे।"

राहुल गांधी को निशाना बनाना चांद पर थूकने जैसा

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा-हम युवाओं के हित में काम कर रहे, 95% मांगें मान ली गई है

रांची, 12 अगस्त (एजेंसियां)। छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के मुद्दे पर बुधवार को झारखंड सरकार के चार मंत्रियों ने प्रेसवार्ता की। इसमें वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भाजपा पर कई आरोप लगाए।

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा, मैं बीजेपी से कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी को निशाना बनाना चांद पर थूकने जैसा है। आपके बयानों और कामों के बारे में हम सभी से बेहतर कोई नहीं जानता। हमारी सरकार और कांग्रेस पार्टी इस समस्या का समाधान खोजने पर ध्यान दे रही है, लेकिन आप दिल्ली में झारखंड की छवि खराब कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- आपको ऐसा करने का अधिकार और हिम्मत

किसने दी? मैं इसकी निंदा करता हूं। हम युवाओं के हित में काम कर रहे हैं। हम उनसे बातचीत कर रहे हैं। हमारी सहयोगी दीपिका पांडे भी बातचीत करने वाली टीम का हिस्सा हैं।

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा- वह लगातार दिन-रात छात्रों से बात कर रही हैं। उन्होंने रात में भी हमसे बात की और पूछा, 'इरफान जी, हम आगे का रास्ता कैसे निकाल सकते हैं?' कुछ युवा भी हमसे जुड़ना चाहते हैं और बातचीत चल रही है। सरकार ने 90 से 95 प्रतिशत मांगें मान ली हैं। बाकी पांच प्रतिशत के लिए कोई वैकल्पिक समाधान निकाला जाएगा।

वहीं, दीपिका पांडे सिंह ने कहा तमाम जो तथ्य है, वह सामने आई। इस पूरे देश में शिक्षा माफिया, एग्जामिनेशन माफिया भाजपा चला रही है। उनको अपने एजेंसीज के माध्यम से संरक्षित भी कर रही है। इन बातों को कहने के लिए जो हमारे पास तथ्य है, वह हम आपके सामने रखना चाहती हूं। 2015 से लेकर अब तक 152 पेपर लिक्स हुए हैं। उसमें बहुत संघर्ष के बाद सीबीआई जांच की घोषणा भाजपा ने की तो वह 17 एग्जाम है। छात्रों ने आंदोलन हमारे कार्रवाई शुरू करने के बाद शुरू किया है। इसे बीजेपी पीछे से इसलिए हवा दे रही है क्योंकि सीआईडी के जांच में झारखंड सरकार यह सुनिश्चित करेगी दूध का दूध पानी का पानी हो जाए।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा - भाजपा भले ही शरीर से छात्र आंदोलन में शामिल हो, लेकिन उनका निशाना कांग्रेस पार्टी के ऊपर है।

रामगोपाल की गिरफ्तारी का विरोध

रायपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कथित 3400 करोड़ रुपए के शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार कर रायपुर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें 5 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। 17 अगस्त को फिर उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। कोर्ट पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रामगोपाल अग्रवाल से मुलाकात की। बघेल ने कहा कि केवल परेशान करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियों के पास नकली गवाह है, कोई सबूत नहीं है। रामगोपाल की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने ईडी दफ्तर का घेराव कर दिया। प्रदर्शन में शामिल हुए भूपेश बघेल ने केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि हमारी सरकार दोबारा बनी तो सभी का हिसाब लिया जाएगा।

दिल्ली में जंतर-मंतर सीजन-2 जल्दः सीजेपी का बड़ा एलान

दीपके का दावा- हॉल मालिकों को दी गई उल्टा लटकाने की धमकी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित सम्मेलन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया कि बैठक के लिए हॉल बुक करने के बाद उसके मालिकों को धमकियां दी गईं। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम के लिए भाजपा पर आरोप लगाया। हालांकि, उनके इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

दीपके ने कहा कि सीजेपी को आज दिल्ली में अपने कार्यकर्ताओं की बैठक करनी थी। इसके लिए पार्टी काफी समय से हॉल की तलाश कर रही थी। उनका दावा है कि कई जगहों पर हॉल देने से इनकार कर दिया गया। हॉल मालिकों ने कथित तौर पर कहा कि उन पर ऊपर से दबाव है।

क्या हॉल बुक करने के बाद शुरू हुआ विवाद?

अभिजीत दीपके ने कहा कि काफी मुश्किलों के बाद सीजेपी ने एक हॉल बुक किया था। उनके पास इसकी रसीद भी है। लेकिन बैठक से पहले ही हॉल के मालिकों को कथित तौर पर धमकी मिली। दीपके ने दावा किया कि मालिकों से कहा गया कि अगर सीजेपी की बैठक यहां होने दी गई तो उन्हें 'उल्टा लटका दिया जाएगा'। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब भाजपा की ओर से किया जा रहा है। दीपके ने कहा कि भाजपा के नेताओं के काम और बयान यह दिखाते हैं कि वे देश के युवाओं से डर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी को लगता है कि इस तरह की छोटी हरकतों से सीजेपी के कार्यकर्ता डर जाएंगे, तो यह गलतफहमी है। अभिजीत दीपके ने 'जंतर-मंतर' को लेकर भी बड़ा संकेत दिया। उन्होंने कहा कि कई लोग इंस्टाग्राम पर पूछ रहे थे कि 'जंतर-मंतर' का सीजन-2 कब शुरू होगा। दीपके ने कहा कि वह ऐसे लोगों को बताना चाहते हैं कि 'जंतर-मंतर' का सीजन-2 बहुत जल्द शुरू होने जा रहा है। इस बयान से साफ है कि सीजेपी आने वाले दिनों में अपनी गतिविधियां फिर तेज करने की तैयारी में है।

सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने इस पूरे मामले को लेकर दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि इस मामले में दिल्ली पुलिस क्या कर रही है? रांका ने सवाल किया कि क्या दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह खत्म हो गई है? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या दिल्ली पुलिस केवल भाजपा के लिए काम कर रही है।

पान मसाला की प्लास्टिक पैकिंग पर बैन

अब सिर्फ पेपर, टिन या कांच के जार में बिकेगा गुटखा

एफएसएसएआई ने जारी किए नए नियम

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने पान मसाला की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक को बैन कर दिया है। नए नियमों के तहत कंपनियां अब सिर्फ पेपर, टिन या ग्लास कंटेनर में ही पान मसाला पैक कर बेच सकेंगी।

कंपनियों को नए ईको-फ्रेंडली विकल्पों की तरफ जाना होगा। एफएसएसएआई ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड पैकेजिंग अमेंडमेंट रेगुलेशन 2026 को नोटिफाई कर दिया है। ये नए नियम तुरंत लागू हो गए हैं।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा

> फरवरी 2027 तक जिम्मेदारी संभालते रहेंगे > नोएल टाटा से मतभेद > ट्रस्ट में खींचतान बनी वजह

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आज 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वे फरवरी 2027 तक पद पर बने रहेंगे। उनका इस्तीफा 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है। चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। नए कारोबारों में भारी निवेश, उनके प्रदर्शन और टाटा संस के भविष्य को लेकर मतभेद इस फैसले की बड़ी वजह बने। एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे की खबर के बाद टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गिरावट है। टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाटा कंज्यूमर के शेयर 3% तक नीचे हैं।

चंद्रशेखरन ने इस्तीफा देते हुए क्या कहा

चंद्रशेखरन ने कहा कि, टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मेरा मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म हो रहा है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके मेरे अगले 5 साल के कार्यकाल के विस्तार की सिफारिश की थी। इसे टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमेटी और बोर्ड ने दर्ज किया था और आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके बाद, यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस बोर्ड के सामने रखा गया था। हालांकि, यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका क्योंकि बोर्ड के एक सदस्य ने इसका समर्थन नहीं किया। सर्वसम्मत समर्थन न मिलने की वजह से मैंने इस फैसले को टालने का विकल्प चुना। उस बोर्ड मीटिंग को हुए 6 महीने बीत चुके हैं और आज तक कोई फैसला नहीं हो पाया है। टाटा संस एक बहुत बड़ा संस्थान है और कई बड़े रणनीतिक प्रोजेक्ट्स अभी अहम मोड़ पर हैं। फरवरी 2027 के बाद ग्रुप की अगुआई करने के लिए न सिर्फ एक लीडर का होना जरूरी है, बल्कि कर्मचारियों, निवेशकों, पार्टनर्स और बाकी स्टेकहोल्डर्स के लिए लीडरशिप को लेकर स्पष्टता होना भी बहुत जरूरी है।

चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने पर मतभेद

फरवरी 2026 में टाटा संस बोर्ड ने चंद्रशेखरन के अगले 5 साल के कार्यकाल की सिफारिश की थी। बाद में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने इसका विरोध किया और सिर्फ 2 साल का कार्यकाल देने की वकालत की। 24 फरवरी 2026 को 5 साल के विस्तार का प्रस्ताव बोर्ड के सामने रखा गया, लेकिन एक सदस्य के समर्थन न देने से इस पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद करीब 6 महीने तक फैसला अटका है। चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म होना है।

नए कारोबारों के प्रदर्शन पर सवाल

चंद्रशेखरन के कार्यकाल में टाटा ग्रुप ने एविएशन, डिजिटल कारोबार, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और बैटरी जैसे नए क्षेत्रों में बड़े निवेश किए। इनमें से कुछ कारोबार अभी भी घाटे में हैं। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस को FY26 में कुल 22,238 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, जबकि टाटा डिजिटल का घाटा 4,974 करोड़ रुपये रहा। इन्हीं मुद्दों पर नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के प्रदर्शन को लेकर आपत्ति जताई थी।

टाटा संस की लिस्टिंग हो या नहीं

टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्ट किया जाए या निजी कंपनी ही रखा जाए, इस पर टाटा ट्रस्ट्स के अंदर भी अलग-अलग राय सामने आई। नोएल टाटा लिस्टिंग के पक्ष में नहीं बताए जाते हैं, जबकि कुछ ट्रस्टी लिस्टिंग की वकालत कर चुके हैं। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की करीब 66% हिस्सेदारी है, इसलिए दोनों के बीच बड़े फैसलों पर सहमति बेहद अहम है। नए कारोबारों की रणनीति, निवेश और चंद्रशेखरन के कार्यकाल को लेकर मतभेदों से दोनों के बीच तालमेल का सवाल भी सामने आया।

भारतीय ट्रेन में सफर करेंगे बांग्लादेशी

> पंजाब में बने 19 कोच आज जा रहे हैं बांग्लादेश

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेशी नागरिक अब भारतीय रेल के बनाए गए ट्रेन में सफर सकेंगे। जी हां, भारतीय रेल की तरफ से आज ही 19 पैसेंजर कोच बांग्लादेश को भेजा जा रहा है। ये डिब्बे रेल मंत्रालय के कपूरथला (पंजाब) स्थित प्रोडक्शन यूनिट रेल कोच फैक्ट्री में तैयार किए गए हैं। इसकी जानकारी एक सरकारी बयान में दी गई है।

पहले रेक का निर्यात

रेलवे की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार रेल कोच फैक्ट्री (कपूरथला) से बुधवार को बांग्लादेश रेलवे के लिए 19 डिब्बों वाली एक ट्रेन रवाना की जा रही है। यह ट्रन बड़ी लाइन मतलब कि ब्रॉड गेज (बीजी) के हैं। इस ट्रेन में तीन एसी स्लीपर डिब्बे, तीन एसी चेयर कार वाले डिब्बे और 11 नॉन-एसी चेयर कार वाले डिब्बे शामिल हैं। साथ ही ट्रेन के आगे-पीछे लगाए जाने वाले गार्ड कम पावर कार के दो डिब्बे भी शामिल हैं।

पहले भी भेजे गए हैं डिब्बे

बांग्लादेश रेलवे को भारतीय रेल की तरफ से पहली बार कोई ट्रेन नहीं भेजी जा रही है। इससे पहले साल 2015-16 में ब्रॉड गेज (बीजी) के 120 पैसेंजर कोच सप्लाई किए थे। हां, यह जरूर है कि वहां की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाने के बाद यह ट्रेन सेट का पहला निर्यात है।

राइट्स की तरफ से भेजे जा रहे हैं डिब्बे

रेल मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम राइट्स की तरफ से ये डिब्बे बांग्लादेश भेजे जा रहे हैं। यही कंपनी भारतीय रेलवे की तरफ से ट्रेन, इंजन एवं अन्य साजोसामाना का निर्यात करती है। इसी कंपनी को बंगलादेश की तरफ से 200 डिब्बों के निर्यात का ऑर्डर मिला है।

यह ऑर्डर मई 2024 में यूरोपीय इन्वेस्टमेंट बैंक से जारी एक ग्लोबल कंपीटीटिव बीडिंग प्रोसेस के जरिए मिला था। इससे पहले भी राइट्स बांग्लादेश को बड़ी लाइन पर चलने वाले 120 डिब्बे, बड़ी लाइन के 36 इंजन और छोटी लाइन के 10 इंजनों का निर्यात कर चुकी है।

कई देशों को होता है निर्यात

रेलवे से जुड़ी तकनीक की बात करें तो भारत दुनिया में एक बड़ा खरीदार है। लेकिन यदि रेलवे एक्सपोर्ट की बात करें तो भारत बांग्लादेश, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक, सेनेगल एवं कुछ अन्य देशों को निर्यात करता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कर्क	मे
चंद्र	कर्क	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कन्या	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
कर्क---	04-07 बजे
सिंह----	06-19 बजे
कन्या--	08-26 बजे
तुला-----	10-30 बजे
वृश्चिक--	12-41 बजे
धनु----	14-56 बजे
मकर--	17-00 बजे
कुंभ----	18-52 बजे
मीन----	20-29 बजे
मेष-----	22-05 बजे
वृष-----	23-49 बजे
मिथुन--	01-52 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

सूर्योदय 05-58
सूर्यास्त. 18 -48

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष गुरुवार 13 August 2026
तिथि - प्रतिपदा 20-41 रात्रि तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - आश्लेषा 06-06 तक उप मघा /पूर्वाफाल्गुनी
योग - वरियान 12-15 तक उप परिघ
करण - किस्तुघ्न 09-50 तक उप बव
विशेष: नक्षत्र शांति
श्रावण मास

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-56 से 15-32 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		
शुभ	06-01 - 07-35	शुभ
रोग	07-35 - 09-10	अशुभ
उत्पात	09-10 - 10-46	अशुभ
चंचल	10-46 - 12-21	शुभ
लाभ	12-21 - 13-56	शुभ
अमृत	13-56 - 15-32	शुभ
काल	15-32 - 17-07	अशुभ
शुभ	17-07 - 18-42	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	18-42 - 20-07	शुभ
चंचल	20-07 - 21-32	शुभ
रोग	20-32 - 22-56	अशुभ
काल	22-56 - 00-21	अशुभ
लाभ	00-21 - 01-46	शुभ
उत्पात	01-46 - 03-11	अशुभ
शुभ.	03-11 - 04-35	शुभ
अमृत	04-35 - 06-01	शुभ

सोना 158 रुपये बढ़कर 1.53 लाख रुपये पर पहुंचा

चांदी 2.35 लाख रुपये किलो बिक रही

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 12 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 158 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 46 रुपए बढ़कर 2.35 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 12 दिन में ही सोना 10 हजार और चांदी 16 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 20 हजार रुपए महंगा हुआ है।

सेंसेक्स 188 अंक गिरकर 77966 पर बंद

निफ्टी भी 36 अंक टूटा, आईटी और एफएमसीजी शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 12 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 188 अंक की गिरावट के साथ 77,966 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 36 अंक की गिरावट रही, ये 24,436 पर बंद हुआ। आईटी और एफएमसीजी शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन के आईपीओ का आज आखिरी दिन है। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स आईपीओ के जरिए 939.70 करोड़ और धूत ट्रांसमिशन 3,066.89 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का निर्यात बढ़ा

> गोयल को एक खरब डॉलर लक्ष्य हासिल करने का भरोसा

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अप्रैल-जुलाई 2026 के वित्त वर्ष में देश का निर्यात करीब 15 फीसदी बढ़ा है। यह वृद्धि भारत की आर्थिक मजबूती का संकेत देती है। उन्होंने 2026-27 तक वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात का एक खरब डॉलर का लक्ष्य हासिल करने का भरोसा जताया।

पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में यह आंकड़ा 863 अरब डॉलर था। गोयल ने कहा कि इस वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में निर्यात में लगभग 15 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़ा वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। जुलाई के अंतिम निर्यात और आयात आंकड़े 13 अगस्त को जारी किए जाएंगे। इन आंकड़ों से जुलाई महीने के व्यापार प्रदर्शन की पूरी तस्वीर साफ होगी। उन्होंने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर भी बात की। पिछले चार वर्षों में नौ ऐसे समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है। इन समझौतों ने घरेलू उद्योग के लिए बड़े अवसर खोले हैं। ये समझौते वैश्विक व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से के बराबर हैं। अप्रैल-जून 2026 के वित्त वर्ष में निर्यात 15.92 फीसदी बढ़कर 129.32 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में आयात 19.89 फीसदी बढ़कर 216.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि वैश्विक स्तर पर कई अनिश्चितताएं मौजूद हैं। इसके बावजूद भारत के निर्यात प्रदर्शन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अप्रैल से जुलाई 2026 के दौरान निर्यात में करीब 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि देश की आर्थिक शक्ति और व्यापारिक लचीलेपन को दर्शाती है। यह दिखाता है कि भारतीय उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी जगह बना रहे हैं। यह सकारात्मक रुझान देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। मंत्री गोयल ने 2026-27 के लिए 1 खरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को लेकर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल किया जाएगा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कुल निर्यात 863 अरब डॉलर था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार विभिन्न नीतियां बना रही है। निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं।

पिछले चार वर्षों में भारत ने नौ मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिया है। गोयल के अनुसार, इन समझौतों ने घरेलू उद्योग के लिए बड़े अवसर पैदा किए हैं। ये समझौते वैश्विक व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन समझौतों से भारतीय उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंच मिली है। इससे देश के व्यापारिक संबंध मजबूत हुए हैं और निर्यात को बढ़ावा मिला है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे ।ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,

आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें । आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं। अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

10 हजार रुपये तक के चेक एआई की मदद से हो रहे क्लियर

> एमएसएमई कर्ज को भी नई तकनीक के जरिए मंजूरी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने वित्त वर्ष 2026 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बैंक ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके लगभग एक लाख करोड़ रुपये के एमएसएमई कर्ज को मंजूरी दी है। ये कर्ज प्रत्येक पांच करोड़ रुपये तक के थे।

यह जानकारी बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को दी। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक में 10,000 रुपये तक के चेक भी एआई की मदद से स्वचालित रूप से क्लियर हो रहे हैं।

एसबीआई के प्रबंध निदेशक रामा मोहन राव अमारा ने वार्षिक एफआईबीएसी कार्यक्रम में बताया कि 12 महीनों में यह लक्ष्य हासिल किया गया। इसमें नए और मौजूदा दोनों तरह के ग्राहक शामिल थे। बैंक 10,000 रुपये तक के चेक की प्रोसेसिंग को भी स्वचालित कर रहा है। इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जिसमें लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) भी शामिल हैं, का उपयोग किया जा रहा है। एआई के उपयोग से रिलेशनशिप मैनेजरों का समय बचा है।

पहले वे डेटा इकट्ठा करने और प्रारंभिक विश्लेषण में काफी समय लगाते थे। 10,000 रुपये तक के चेक बैंक के कुल चेक मात्रा का करीब 25 फीसदी होते हैं। एआई मॉडल चेक को पढ़ सकता है और अनिवार्य क्षेत्रों व अनुपालन आवश्यकताओं को सत्यापित कर सकता है। बैंक ने अब ऐसे चेकों की प्रोसेसिंग को एसटीपी (स्ट्रेट-थ्रू प्रोसेसिंग) प्रणाली के माध्यम से स्वचालित कर दिया है। इसमें व्यावहारिक रूप से कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होता है।

भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 23 प्रतिशत बढ़कर 8.11 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। भारत का मौजूद वित्त वर्ष में अब तक (एक अप्रैल से 10 अगस्त तक) शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 8.11 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को जारी डेटा में दी गई। इस दौरान कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह में सालाना आधार पर 19.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 9.55 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि समीक्षा अवधि में जारी किए गए रिफंड का आंकड़ा 1.43 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 3.79 प्रतिशत अधिक हैं। रिफंड से पहले कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह, पिछले साल 10 अगस्त तक 7.97 लाख करोड़ रुपए था, जो अब 1.57 लाख करोड़ रुपए बढ़कर इस स्तर पर पहुंच गया है।

2,700 करोड़ से पटरी पर उतरेंगी 27 नई वंदे भारत

स्वदेशी सुपर ट्रेन पर भी तेजी से चल रहा काम

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे देश में सफर का तरीका पूरी तरह बदलने की तैयारी में है। यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और तेज रफ्तार देने के लिए चालू वित्त वर्ष में 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से करीब 27 नई सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनें तैयार की जा रही हैं। देश की तीनों प्रमुख कोच फैक्ट्रियों में इन ट्रेनों का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। फिलहाल देश भर में चेयरकार और स्लीपर मिलाकर 100 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें दौड़ रही हैं, पर यह वित्त वर्ष वंदे भारत के उत्पादन के लिहाज से सबसे बड़ा साबित होने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस वित्त वर्ष में 27 ट्रेन सेट का निर्माण पूरा होगा, जिसकी संख्या मांग के आधार पर बढ़ सकती है। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, रायबरेली की मॉडर्न कोच फैक्ट्री और कपूरथला की रेल कोच फैक्ट्री में इनका निर्माण जारी है।

भारतीय रेलवे ने लंबी अवधि के लिए 1,000 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इसमें 8, 16 और 24 कोच वाले अलग-अलग ट्रेन सेट (चेयरकार और स्लीपर) शामिल होंगे। इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए 35,000 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया जा चुका है। इन ट्रेनों को जल्द ही अलग-अलग रूट पर शुरू किया जाएगा।

देश में बिजनेस परिवारों की संपत्ति 138 लाख करोड़ रुपये हुई

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के 300 सबसे अमीर फैमिली बिजनेस की कुल संपत्ति रिकॉर्ड 138 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। 2024 के मुकाबले इनकी संपत्ति करीब 30 लाख करोड़ रुपए और 2025 के मुकाबले 1.23 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। यह संपत्ति नीदरलैंड्स और सऊदी अरब जैसे देशों की इकोनॉमी से भी ज्यादा है। '2026 बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्युएबल फैमिली बिजनेस लिस्ट' के मुताबिक बीते दो सालों में इन बिजनेस फैमिली ने रोजाना औसतन 4,076 करोड़ रुपये जोड़े हैं।

जिंदल परिवार ने पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा वेल्थ क्रिएट की है। जिंदल परिवार ने बीते 3 सालों में अपनी संपत्ति में 3.3 लाख करोड़ रुपए जोड़े हैं, जिससे उनकी कुल नेटवर्थ 70% बढ़कर 8.02 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। हुरुन इंडिया के फाउंडर और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद के अनुसार, भारत के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसायों की कुल संपत्ति 1.46 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 138 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है।

अनस रहमान ने बताया कि अगर इस लिस्ट में शामिल सभी परिवारों की कुल संपत्ति को मिलाकर एक देश मान लिया जाए, तो जीडीपी (जीडीपी) के मामले में यह दुनिया की 18वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

यह नीदरलैंड, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और पोलैंड जैसे विकसित देशों की जीडीपी से भी अधिक है। शाही एक्सपोर्ट्स के आहूजा परिवार ने बीते तीन सालों में ग्रोथ के मामले में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। आहूजा परिवार की संपत्ति 352% बढ़कर 37,500 करोड़ रुपए हो गई है, जो इस लिस्ट में तीन साल की सबसे उच्चतम ग्रोथ रेट है।

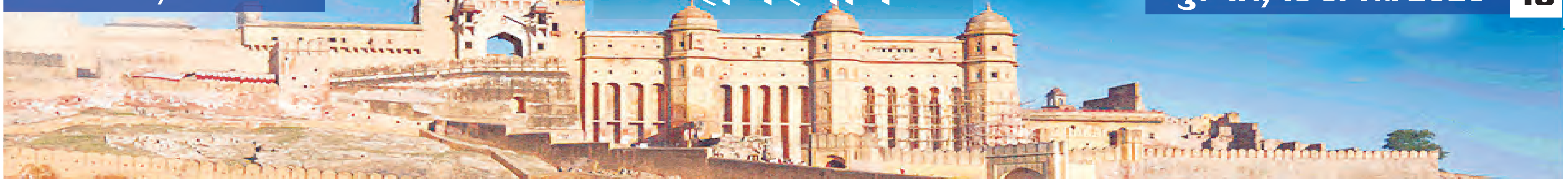

अपनी सरकार में धरने पर बैठे वन मंत्री संजय शर्मा

डोटासरा बोले- भ्रष्टाचारी व्यवस्था की विदाई तय

अलवर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर में सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे को लेकर अपनी ही सरकार के अफसरों के खिलाफ वन मंत्री संजय शर्मा के धरने पर बैठने के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। राजस्थान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस घटनाक्रम को लेकर भाजपा सरकार और उसकी प्रशासनिक व्यवस्था पर जोरदार हमला बोला है।

डोटासरा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि अगर मंत्री अपनी ही सरकार के घोटालों के खिलाफ धरने पर बैठ जाए, तो सोचिए.. सरकार में भाजपाई भ्रष्टाचार का आलम क्या है। जब मंत्री स्वयं ब्यूरोक्रेसी पर बेईमानी करने, लूटकर खाने एवं मानमानी करने जैसे गंभीर आरोप लगा रहे हैं.. तो सोचिए अराजकता की स्थिति कितनी भयावह है। अलवर में सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे पर वन मंत्री संजय शर्मा का धरने पर बैठना एवं कलक्टर व नगर निगम आयुक्त पर गंभीर आरोप लगाना भाजपा सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचारी मॉडल एवं ब्यूरोक्रेसी इस कदर हावी है कि मंत्री तक की नहीं सुनी जा रही, विधायकों को कोई पूछता नहीं है, और कोर्ट के आदेश की भी परवाह नहीं होती। जिस जनतंत्र की बार-बार बात होती है, उसकी स्थिति ये है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद सफाई कर्मचारियों को कई महीनों से नियुक्ति नहीं मिल रही। वर्षों पुरानी भर्ती के अभ्यर्थी कोर्ट से जीतने के बाद भी नियुक्ति के लिए भटक रहे हैं।

डोटासरा ने कहा कि भाजपा सरकार में ब्यूरोक्रेसी इस कदर हावी है कि न तो मंत्रियों की सुनी जा रही है, न विधायकों को पूछा जा रहा है और न ही अदालत के आदेशों की परवाह की जा रही है। जिस जनतंत्र की बार-बार बात होती है, उसकी स्थिति ये है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद सफाई कर्मचारियों को कई महीनों से नियुक्ति नहीं मिल रही। वर्षों पुरानी सफाई कर्मचारी भर्ती के अभ्यर्थी कोर्ट से केस जीतने के बाद भी महीनों से नियुक्ति के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। जनता सब देख रही है। ढाई साल बाद इस अराजक भ्रष्टाचारी व्यवस्था की विदाई तय है।

दरअसल, अलवर नगर निगम में वर्ष 2012 की सफाई कर्मचारी भर्ती में चयनित 329 अभ्यर्थियों को अब तक नियुक्ति पत्र नहीं मिलने का मामला लंबे समय से लंबित है। अभ्यर्थियों के समर्थन में वन मंत्री संजय शर्मा बुधवार को नगर निगम परिसर में धरने पर बैठ गए।

संजय शर्मा ने कहा कि वर्ष 2012 में 329 सफाई कर्मचारियों की भर्ती हुई थी, लेकिन चयनित अभ्यर्थियों को आज तक नियुक्ति पत्र नहीं दिए गए। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों के पक्ष में हाईकोर्ट का फैसला भी आ चुका है। वहीं स्वायत्त शासन विभाग भी अभ्यर्थियों को योग्य मान चुका है। इसके बावजूद स्थानीय अधिकारी पत्राचार के नाम पर मामला अटकाते रहे।

कहीं बांध टूटा तो कहीं ओवरफ्लो हुआ

हजारों बीघा जमीन जलमग्न; फसलें चौपट

चित्तौड़गढ़, 12 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के झालावाड़, चित्तौड़गढ़ सहित कई जिलों में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। रुक-रुककर बरसात हो रही बारिश के चलते कई जगह सड़कें डूब गई और कई कॉलोनियों जलमग्न हो गई। खोखी नदी में आए उफान से चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा क्षेत्र में स्थित खोखी बांध के 7 में से 2 ब्लॉक पूरी तरह टूट गए। बांध के क्षतिग्रस्त होने से 300 बीघा कृषि भूमि जलमग्न हो गईं। वहीं, झालावाड़ जिले में छापी बांध ओवरफ्लो पानी से निचले क्षेत्र की करीब 1000 बीघा फसल चौपट हो गई। बांध के ओवरफ्लो होने से ग्रामीण इलाकों में अफरा-तफरी मच गई।

देवपुरा ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थित खोखी बांध के 7 में से 2 ब्लॉक देर रात पूरी तरह टूट गए। जिससे करीब 300 बीघा कृषि भूमि जलमग्न हो गईं। बड़ी बात ये रही कि बांध रात के समय टूटा, जिससे गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। यदि यही घटना दिन के समय होती तो कई किसान खेतों में कृषि कार्य कर रहे होते और बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों बताया कि रावतभाटा से 65 किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश क्षेत्र से बहती खोखी नदी राणा प्रताप सागर बांध कैचमेंट में मिलती है। साल 2001 में देवपुरा पंचायत की कृषि भूमि सिंचाई के लिए इस नदी पर एक छोटा बांध बनाया गया। पिछले 25 साल से इस बांध की मरम्मत नहीं हुई। ऐसे में इसके तल में धीरे-धीरे छेद होने लगे थे। मध्यप्रदेश क्षेत्र में तेज बारिश के बाद नदी में आए उफान से बांध के कुल सात ब्लॉक में से 2 ब्लॉक बह गए। करीब 300 बीघा कृषि भूमि जलमग्न हो गई।

झालावाड़ जिले में स्थित छापी बांध के गेट खोलने में बरती गई लापरवाही के कारण ओवरफ्लो पानी से निचले क्षेत्र की करीब 1000 बीघा फसल चौपट हो गई। बांध के ओवरफ्लो होने से ग्रामीण इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। आक्रोशित किसानों ने भारतीय किसान संघ के तत्वावधान में प्रदर्शन किया। सूचना पर एसडीएम अकलेरा बांध स्थल पर पहुंचे और किसानों को प्रभावित फसल का सर्वे कराने तथा मामले की जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया। जानकारी के अनुसार बांध का जलस्तर अधिकतम भराव क्षमता 341 मीटर से 2 मीटर अधिक पहुंच गया था। इसके बावजूद समय रहते सायरन नहीं बजाया गया और गेट नहीं खोले गए। बताया गया कि जनरेटर में डीजल नहीं था। बिजली गुल होने से कर्मचारियों को गेट खोलने में परेशानी हुई। आनन-फानन में 11 गेट एक साथ खोल दिए गए, जबकि दो गेट जाम हो गए। बांध ओवरफ्लो होने से गेटों के ऊपर करीब एक मीटर ऊंचाई तक पानी बहता रहा। एक साथ अधिक संख्या में गेट खोलने के बाद तेज बहाव से खड़ी फसलें, पशु चारा, घरों में रखा लहसुन, गेहूं व अन्य अनाज तथा घरेलू सामान खराब हो गया।

पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में भी वर्षा रुकने के कारण कालीसिंध बांध में पानी की आवक में कमी आई। बांध के सुबह सात गेट, दोपहर में पांच गेट और शाम होते-होते तीन गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता सोनू शर्मा ने बताया कि बारिश रुकने से बांध में पानी की आवक धीमी पड़ गई है। शाम तक कालीसिंध बांध के तीन गेट चार मीटर खोलकर करीब 15 हजार 360 क्यूसेक पानी की निकासी की गई।

सियासत में गुर्जर-मीणा समीकरण पर बैसला का बड़ा बयान

बच्चू सिंह बैसला ने पायलट परिवार को लेकर किया अहम दावा

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के संगठन महासचिव बच्चू सिंह बैसला ने राजस्थान की जातीय राजनीति, गुर्जर-मीणा संबंधों और गुर्जर समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पायलट परिवार की राजनीतिक जमीन को डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की वजह से जोड़कर देखना सही नहीं है। उनके अनुसार पायलट परिवार को उस दौर में मीणा समाज का समर्थन और स्नेह मिला था, जबकि डॉ. किरोड़ीलाल मीणा विरोध की राजनीति में थे।

बैसला ने कहा कि दौसा की राजनीति में मीणा समाज की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। समाज किसी एक व्यक्ति का नाम नहीं, बल्कि सामूहिक सामाजिक शक्ति है। उन्होंने दावा किया कि पायलट परिवार को दौसा क्षेत्र में मीणा समाज का समर्थन मिला और राजनीतिक आधार मजबूत करने में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बच्चू सिंह बैसला ने कहा कि गुर्जर समाज की चिंता केवल संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि समाज की संख्या और हिस्सेदारी के आंकड़े उपलब्ध हैं तो राजनीतिक और प्रशासनिक पदों पर उसका उचित प्रतिबिंब क्यों नहीं दिखाई देता। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार में कैबिनेट स्तर का प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है और केवल राज्यमंत्री बनाए जाने से समाज की राजनीतिक भागीदारी की पूरी तस्वीर सामने नहीं आती।

गुर्जर-मीणा संबंधों को लेकर बैसला ने कहा कि दोनों समाजों के बीच लंबे समय से सामाजिक भाईचारा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक लोग अपने हितों के लिए दोनों समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करने का प्रयास करते हैं। बैसला ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं लेकिन उन्हें सामाजिक रिश्तों पर हावी नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने गुर्जर समाज की ओर से मीणा समाज के साथ भाईचारा बनाए रखने की बात कही।

पुराने गुर्जर आंदोलनों का जिक्र करते हुए बैसला ने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान सरकार की ओर से कई बार डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को भेजा गया। उनके मुताबिक इससे गुर्जर और मीणा समाज के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश हुई। उन्होंने दावा किया कि उस समय दोनों समुदायों के आरक्षण संबंधी हितों को आमने-सामने रखने का प्रयास किया गया था। बैसला ने कहा कि ऐसी राजनीति से दोनों समाजों को नुकसान होता है।

पांचना बांध के मुद्दे पर बैसला ने कहा कि यह मामला आज भी पूरी तरह सुलझा नहीं है। उन्होंने वर्ष 2008 से 2013 के बीच की राजनीतिक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए दावा किया कि उस दौरान आंदोलन के बीच प्रशासनिक स्तर पर गंभीर कार्रवाई की तैयारी हुई थी लेकिन अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद स्थिति को संभालने के लिए वैकल्पिक रास्ता अपनाया गया। उन्होंने कहा कि पांचना बांध के पानी पर गुर्जर समाज अपनी प्राथमिकता का अधिकार चाहता है। उनके अनुसार बांध और क्षेत्र की सुरक्षा तथा निगरानी करने वाले लोगों के लिए पहले पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके बाद अन्य जरूरतमंद क्षेत्रों और समुदायों को पानी देने पर समाज को आपत्ति नहीं है।

बैसला ने सरकार से ओबीसी आयोग के आंकड़े सार्वजनिक करने और गुर्जर समाज की वास्तविक संख्या स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सही जातिगत आंकड़े सामने आने से राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आरक्षण से जुड़े मामलों में पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने आगामी पंचायत राज और नगरीय निकाय चुनावों में गुर्जर समाज को पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की।

2500 करोड़ ठगी के मामले में ईडी का एक्शन

नेक्सा एवरग्रीन के संचालक को किया अरेस्ट

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मोटे मुनाफे का लालच दिखाकर ढाई हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी करने वाली गैंग का सरगना गिरफ्त में आ गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉड्रिंग के आरोप में नेक्सा एवरग्रीन के संचालक सुभाष बिजारणिया को गिरफ्तार किया है। ईडी जयपुर की टीम ने आरोपी सुभाष को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान अन्य आरोपियों के बारे में सुराग मिलना तय है।

वर्ष 2021 में सुभाष बिजारणिया ने अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ मिलकर ठगी का खेल शुरू किया था। शुरूआत सीकर से की गई। बाद में झुंझुनूं, चूरू, जयपुर सहित अन्य जिलों में जाल फैलाया। बाद में देश के कई राज्यों में ऑफिस खोल कर ठगी का खेल शुरू किया। जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने 62 हजार से ज्यादा लोगों से निवेश के नाम पर ढाई हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की।

आरोपियों ने नेक्सा एवरग्रीन नाम से कंपनी बनाई थी। इस कंपनी के तहत गुजरात में अहमबाद के पास धोलेरा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट लाने जाने का दावा किया गया। इस प्रोजेक्ट में निवेश करने पर हर सप्ताह तीन प्रतिशत मुनाफा होने का दावा किया गया। शुरुआत में कई लोगों को प्रॉफिट दिया और बाद में जब लाखों रुपए में निवेश आने लगा तो आरोपियों ने रुपए हड़प कर दफ्तर के लॉक लगा दिया।

जब नेक्सा एवरग्रीन के दफ्तर पर रातोंरात ताला लगाकर आरोपी गायब हुए तो निवेशकों में हड़कंप मच गया। हजारों की संख्या में निवेशक ने विरोध प्रदर्शन करते हुए गिरफ्तारी की मांग की। सीकर, झुंझुनूं और जयपुर सहित कई जिलों में नेक्सा एवरग्रीन के संचालकों के खिलाफ केस दर्ज कराए गए। आरोपियों पर कार्रवाई के लिए निवेशकों ने जयपुर में कई बार प्रदर्शन किए। एक बार तो कई निवेशक पानी की टंकी पर चढ गए थे। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर नीचे उतारा था।

ढाई हजार करोड़ से ज्यादा की ठगी मामला देखकर प्रवर्तन निदेशालय भी हरकत में आया। पिछले साल ईडी की ओर से सीकर, झुंझुनूं और जयपुर सहित करीब एक दर्जन ठिकानों पर रेड मारी गई। जिन ठिकानों पर आरोपियों द्वारा निवेश किया गया। वहां ईडी ने छापेमारी की। ईडी ने कंपनी के सारे अकाउंट फ्रीज कराए।

गहरा गड्ढा खोदकर एचपीसीएल रिफाइनरी से क्रूड ऑयल चोरी करने वाले 8 लोग गिरफ्तार

2 टैंकर तेल बेचने का हुआ खुलासा

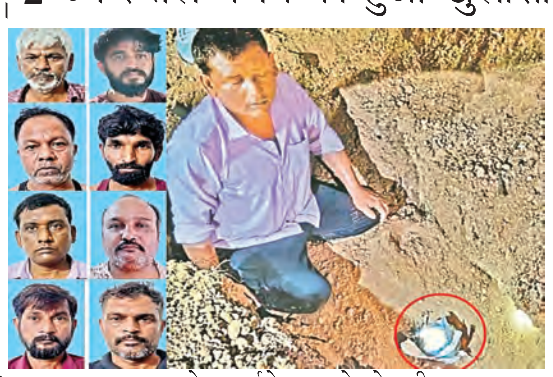

बाड़मेर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बालोतरा जिले की पचपदरा तहसील से गुजर रही एचपीसीएल की रिफाइनरी की पाइपलाइन में सेंध लगाकर क्रूड ऑयल की चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और राजस्थान पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस गिरोह से जुड़े 8 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

गुजरात एटीएस ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि गुजरात और राजस्थान के कुछ लोग मिलकर बालोतरा जिले में बंजर जमीन से गुजर रही एचपीसीएल की क्रूड ऑयल पाइपलाइन में पंचर कर क्रूड ऑयल की चोरी करते हैं। चोरी के क्रूड ऑयल को अहमदाबाद-राजकोट हाईवे पर बेचने की साजिश कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद एटीएस की टीम ने अहमदाबाद-राजकोट हाईवे पर कुवाडवा के पास सोखड़ा गांव जाने वाले रास्ते पर जयराज सिंह को हिरासत में लिया। उसके कब्जे में मिले क्रूड ऑयल के बारे में पूछताछ करने पर उसने क्रूड ऑयल बालोतरा जिले के कालूड़ी गांव से लाने की बात बताई। इसके बाद एटीएस की टीम ने साजिश में शामिल अन्य 7 आरोपियों को राजस्थान पुलिस की मदद से बालोतरा के टापरा गांव के पास स्थित एक ढाबे से हिरासत में ले लिया।

आरोपियों को राजस्थान के जसोल थाने ले जाया गया। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि कालूड़ी गांव में बंजर जमीन पर गहरा गड्ढा खोदकर एचपीसीएल की क्रूड ऑयल पाइपलाइन में अवैध तरीके से पंचर किया था। उसमें वाल्व लगाकर ऑयल की चोरी करते थे। फिर एचपीसीएल अधिकारियों को सूचना दी गई। राजस्थान पुलिस को साथ लेकर जांच की तो पाइपलाइन में वाल्व लगा मिला। रिफाइनरी के सिक्योरिटी सुपरवाइजर श्रवण कुमार जाट (24) की शिकायत पर जसोल थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

'घूस दो, सैंपल पास कराओ!', 10 हज़ार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया फ़ूड सेफ्टी ऑफिसर

उदयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की उदयपुर इकाई ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी की टीम ने सलूंबर में कार्रवाई करते हुए फूड सेफ्टी ऑफिसर (खाद्य सुरक्षा अधिकारी) घनश्याम सोलंकी को 10,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया है। आरोपी अधिकारी दुकानदारों से फूड सैम्पल चेक करने और उनके खिलाफ कार्रवाई न करने के एवज में लगातार अवैध राशि की मांग कर रहा था। एसीबी अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी घनश्याम सोलंकी रिश्वत की एक किश्त के रूप में 10,000 रुपए सत्यापन के दौरान ही ले चुका था। इसके बाद जैसे ही उसने परिवादी से बाकी के 10,000 रुपए स्वीकार किए, मुस्तैद एसीबी टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सलूंबर क्षेत्र में स्थानीय दुकानदारों और खाद्य कारोबारियों से सैम्पलिंग और निरीक्षण के नाम पर डरा-धमकाकर रिश्वत मांगने की शिकायतें एसीबी को लगातार मिल रही थीं। परिवादी की शिकायत मिलने के बाद एसीबी उदयपुर ने गोपनीय तरीके से मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान भी आरोपी अधिकारी ने 10,000 रुपए ऐंठ लिए थे और बाकी राशि लेते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। भ्रष्टाचारी अधिकारी के खिलाफ इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने में एसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों की मुख्य भूमिका रही। पूरी कार्रवाई एसीबी उदयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में संपन्न हुई। एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर ट्रैप की योजना को अंजाम दिया। फिलहाल एसीबी की टीम आरोपी फूड सेफ्टी ऑफिसर घनश्याम सोलंकी के आवास और अन्य ठिकानों पर तलाशी अभियान चला रही है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

पुलिस कांस्टेबल वर्दी में बना देवदूत, आग में फंसी थी 7 जिंदगियां, बुजुर्ग महिला को गोद में उठाकर बचाई जान

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस का एक सिपाही आधी रात को फरिश्ता बन गया। रात डेढ बजे एक फ्लैट में आग लगी थी तो पूरे फ्लोर पर धुआं फैल गया। दो फ्लैटों में कुल 7 लोग फंसे हुए थे। कांस्टेबल सुरेश चंद शेरावत ने अपनी जान की परवाह किए बगैर 7 लोगों की जान बचा ली। सुरेश के इस कारनामे की पूरे जयपुर में चर्चाएं हो रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी कॉल करके सुरेश की हिम्मत की दाद दे रहे हैं।

7 लोगों की जिंदगी बचाने वाले कांस्टेबल का पूरा नाम सुरेश चंद शेरावत है। वे जयपुर के कालवाड़ रोड स्थित माचवा गांव के रहने वाले हैं। वर्ष 2013 में वे पुलिस में भर्ती हुए थे। पिछले दो साल से वे जयपुर आयुक्तालय के वैशाली नगर थाने में तैनात हैं। सोमवार रात को सुरेश शेरावत की ड्यूटी डायल 112 वाहन में थी। रात डेढ बजे जब आग की सूचना मिली तो सुरेश देवदूत बन गए।

कांस्टेबल सुरेश चंद शेरावत ने बताया कि सोमवार रात डेढ बजे वह साथी सिपाही छितरमल के साथ डायल 112 में ड्यूटी पर थे। रात करीब डेढ बजे खातीपुरा मोड के पास से गुजर रहे थे। उसी समय पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि सिरसी रोड स्थित मुस्कान रेजिडेंसी के तीसरे फ्लोर पर आग लगी हुई है। सूचना मिलने के तुरंत बाद महज 3 मिनट में पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। मुस्कान रेजीडेंसी के बाहर लोगों की भीड़ जमा थी। लोगों ने बताया कि दो फ्लैट में लोग फंसे हुए हैं।

कागजों में इलाज और उठा लिया 60 लाख का क्लेम

सरकारी अस्पताल में बड़ा फर्जीवाड़ा

झालावाड़, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मरीज भर्ती हो गए, उनका इलाज भी हुआ और डिस्चार्ज भी, लेकिन यह सब झालावाड़ जिले के सबसे बड़े सरकारी एसआरजी अस्पताल में केवल कागजों में हुआ। इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से करीब 60 लाख रुपए का क्लेम उठा लिया गया। बीमा कंपनी ने क्लेम के लिए आए 82 मामलों की अस्पताल के मेडिकल रिकॉर्ड से जांच कराई गई तो तीन-चार मामलों को छोड़कर अधिकांश आईपीडी और डिस्चार्ज टिकट फर्जी पाए गए। फर्जी टिकटों पर अस्पताल का पंजीयन नंबर, डॉक्टरों के नोट्स और सील तक लगी मिली। मामला सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। इस खेल में अस्पताल के कर्मचारियों की मिलीभगत भी आशंका है। झालावाड़ मेडिकल कॉलेज एवं एसआरजी अस्पताल की तीन सदस्यीय समिति ने मामले की जांच कर रिपोर्ट अधीक्षक को सौंप दी है। अब पुलिस कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। बीमा क्लेम से जुड़े मामलों की जांच के दौरान सामने आया कि जिन मरीजों के नाम पर क्लेम लिया गया, वे अस्पताल में भर्ती ही नहीं हुए। मेडिसिन, सर्जरी और ऑर्थो विभाग से संबंधित मामलों की जांच में अधिकांश मरीजों का रिकॉर्ड नहीं मिला।

बूंदी में हुई 145 मिमी बारिश, आईएमडी ने दिया अगले 48 घंटे में राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। कम दबाव का क्षेत्र मध्यप्रदेश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से के ऊपर बना हुआ है और मानसून ट्रफ लाइन बीकानेर से होते हुए कम दबाव वाले क्षेत्र तक गुजर रही है। इसके असर से प्रदेश में अगले 48 घंटे बारिश का दौर तेज रहने की संभावना है। कोटा, उदयपुर, अजमेर और जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी और कहीं-कहीं अतिभारी बारिश हुई। वहीं भरतपुर, बीकानेर और जोधपुर संभाग में भी कई जगह मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। बीते 24 घंटे में भी कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। बूंदी में 145 मिमी, अंता-बारां में 98, नैनवा में 69 और डीडवाना-कुचामन में 73 मिमी बारिश हुई। जल संसाधन विभाग के आंकड़ों में चित्तौड़गढ़ के डूंगला में 77, उदयपुर के कुराबाद में 60, डीडवाना-कुचामन के परबतसर में 58 और सवाईमाधोपुर के बामनवास में 50 मिमी बारिश दर्ज हुई।

70 लाख के लालच में साहूकार की हत्या, हाथ-पैर बांधकर कुएं में फेंका शव

मध्यप्रदेश से पकड़ा गया नौकर

भीलवाड़ा, 12 अगस्त (एजेंसियां)। साहूकार शोभालाल श्रीमाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी रोशन गुर्जर को मध्य प्रदेश के सागर जिले से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रोशन मृतक का नौकर था और वारदात को अंजाम देने के बाद भाग गया था। पुलिस टीम मुख्य आरोपी के सहयोगी नारायण सरगरा को पहले गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस अब एमपी से पकड़े गए आरोपी से हत्या की साजिश, वारदात में इस्तेमाल साधनों और लूटे गए सामान को लेकर पूछताछ कर रही है। बागोर थाना प्रभारी बच्छराज चौधरी ने बताया कि क्षेत्र बावलास निवासी शोभालाल की गत दिनों नौकर रोशन ने साथी नारायण सरगरा के साथ मिलकर हत्या कर दी। इसके बाद मृतक के मुंह पर टेप चिपका सीमेंट के पोल से हाथ पर बांध कुएं में शव को फेंक दिया था। सहयोगी नारायण को पकड़ लिया। जबकि मुख्य आरोपी रोशन के मध्यप्रदेश के सागर जिले में छिपे होने की सूचना पर दबिश दी गई। सागर जिले के चन्द्रपुर से आरोपी रोशन को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। बता दें कि 26 जुलाई को बागोर थाने से महज पांच सौ मीटर दूर बागोर-करेडा मार्ग स्थित एक खेत पर बने कुएं में साहूकार का शव मिला था। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से शव को निकलावाया था। पुलिस ने जब शव को ध्यान से देखा गया तो मामला बेहद संदिग्ध और चौंकाने वाला नजर आया। मृतक के हाथ-पैर पीछे से कपड़े से बंधे हुए थे, मुंह पर टेप लगा था और पूरे शरीर को सीमेंट के एक पिल्लर से बांधकर कुएं में फेंका गया था। शव कई दिन पुराना होने के कारण काफी हद तक सड़-गल चुका था। बेटे भैरूलाल ने बताया था कि पिता शोभालाल श्रीमाल अपने भाई के साथ रहते थे।

बिहार कृषि नीति संबंधी जानकारी के लिए तेलंगाना की ओर देख रहा है: मंत्री तुम्मला

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कृषि मंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने बुधवार को यहां कहा कि बिहार राज्य तेलंगाना की प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि नीतियों और किसान कल्याणकारी पहलों से सीखने के लिए उत्सुक है। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य सचिवालय में तुम्माला से मुलाकात की, जहां दोनों मंत्रियों ने कृषि सहयोग, तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान, फसल विविधीकरण और सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा की। तुम्मला ने बिहार प्रतिनिधिमंडल को मौसम संबंधी चेतावनियों, फसल बुकिंग, उपग्रह आधारित फसल निगरानी, यूरिया बुकिंग, एग्रीस्टैक और एआई-संचालित 'कृषि-वास' फसल निगरानी प्रणाली सहित विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रायथु बंधु, रायथु बीमा, ऋण माफी, रैतू भरोसा योजनाओं और उत्तम किस्म के धान के लिए दिए जाने वाले 500 रुपये के बोनस के बारे में भी बताया।

मंत्रियों ने तेलंगाना में ताड़ के तेल, मक्का, दालें, सोयाबीन, आम, मिर्च और हल्दी की बढ़ती खेती पर चर्चा की। तुम्मला ने कहा कि तेलंगाना 3.11 लाख एकड़ भूमि पर ताड़ के तेल की खेती के साथ एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है। सिन्हा ने बिहार की फसल-समूह प्रणाली पर प्रकाश डाला, जिसमें मखाना, मक्का, फल, सब्जियां और बाजरा के लिए समर्पित समूह शामिल हैं। उन्होंने हाल ही में गठित मखाना बोर्ड की उन पहलों के बारे में भी बताया जिनका उद्देश्य उत्पादन, अनुसंधान, मूल्यवर्धन और निर्यात को बढ़ावा देना है।

केटीआर ने बुनकर की मौत की जांच की मांग की

परिवार को मदद का वादा किया

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने बुधवार को बुनकर वेंगाला वेंकटेशम की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उन्हें सजा दिलाने की मांग की, चाहे उनका पद कुछ भी हो। उन्होंने सिरसिल्ला के बीवाय नगर में वेंकटेशम के परिवार से मुलाकात की और उनकी पत्नी, मां और बेटी को सांत्वना दी।

मीडिया से बात करते हुए, रामा राव ने कहा कि मौत के सिलसिले में कुछ कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उन्हें संदेह है कि वे केवल मोहरे हो सकते हैं और असली दोषियों की पहचान की जानी बाकी है। उन्होंने कहा, राजनीतिक पृष्ठभूमि चाहे जो भी हो, सच्चाई सामने लाएं और परिवार को न्याय दिलाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए आम लोगों को शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मामले में पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि खबरों के अनुसार पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन केवल दो को रिमांड पर लिया गया और तीन अन्य को स्टेशन बेल पर रिहा कर दिया गया। उन्होंने पुलिस से पारदर्शी तरीके से और बिना किसी राजनीतिक दबाव के जांच करने का आग्रह किया। उन्होंने उन आरोपों का भी जिक्र किया कि वेंकटेशम की मौत को आत्महत्या के रूप में दिखाया जा रहा है और मांग की कि व्यापक जांच के माध्यम से तथ्यों का पता लगाया जाए। रामा राव ने कहा कि वेंकटेशम का परिवार मुश्किल हालात में रह रहा था और नए घर के लिए उनके अनुरोध पर महीनों से कोई जवाब नहीं मिला था। उन्होंने कहा कि उन्होंने जिला कलेक्टर से बात की है और सरकार से घर मंजूर करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ऐसा करने में विफल रहती है, तो बीआरएस परिवार के लिए घर बनवाएगी। उन्होंने परिवार के साथ तब तक खड़े रहने का वादा किया जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता। वेंकटेशम की 11 साल की बेटी, जो पांचवीं कक्षा में पढ़ती है, के नाम पर 3 लाख रुपये जमा करने के अलावा, उन्होंने उसकी पढ़ाई का सारा खर्च उठाने का भी भरोसा दिया।

तेलंगाना को 11.56 लाख आवास आवंटित करे केंद्र: पोंगुलेटी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले तेलंगाना के मंत्री, एकमुश्त आवंटन की मांग

नई दिल्ली, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने केंद्र सरकार से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी 2.0) के तहत तेलंगाना को 11,56,915 आवासों का एकमुश्त आवंटन करने का आग्रह किया है। मंत्री पोंगुलेटी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर इस संबंध में ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा पूर्व में केंद्र सरकार को भेजे गए पत्र का हवाला देते हुए आवासों के लक्ष्य को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना में 'आवास प्लस-2024' एप्लीकेशन के माध्यम से घर-घर जाकर पारदर्शी सर्वे कराया गया था। इस सर्वे में ग्रामीण क्षेत्रों के 11.56 लाख से अधिक गरीब परिवारों को आवास सहायता के लिए पात्र पाया गया। उन्होंने कहा कि पात्रता की सुपर-चेक प्रक्रिया तथा अपात्र लाभार्थियों को हटाने का काम भी करीब एक वर्ष पहले पूरा हो चुका है। इसके बावजूद केंद्र सरकार की ओर से आवासों के लक्ष्य की घोषणा में देरी हो रही है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में पिछले करीब 12 वर्षों से गरीबों के लिए आवास निर्माण की प्रक्रिया प्रभावित रही है, जिसके कारण आवासों की बड़ी लंबित मांग पैदा हुई है। उन्होंने केंद्र से सभी पात्र परिवारों के लिए आवास एक ही चरण में मंजूर करने का आग्रह किया। मंत्री पोंगुलेटी ने बताया कि तेलंगाना सरकार ने गरीब परिवारों को मकान निर्माण के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह सहायता केंद्र की राशि तथा पीएमएवाई--जी के तहत मिलने वाले नियमित राज्य हिस्से से अलग होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य के बजट में आवश्यक धनराशि पहले ही आवंटित की जा चुकी है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को तेलंगाना आने का भी आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि यदि केंद्रीय मंत्री स्वयं तेलंगाना का दौरा कर पीएमएवाई--जी 2.0 के तहत आवासों के आवंटन की घोषणा करते हैं, तो इससे राज्य के ग्रामीण गरीबों को बड़ी राहत मिलेगी और यह एक ऐतिहासिक अवसर होगा।शिवराज सिंह चौहान ने निमंत्रण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए तेलंगाना का दौरा करने पर सहमति जताई। बैठक में सांसद डॉ. मल्लू रवि, वेम नरेंद्र रेड्डी, चमाला किरण कुमार रेड्डी, सुरेश शेटकर, रघुराम रेड्डी और अनिल कुमार यादव के अलावा तेलंगाना हाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक वी.पी. गौतम तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस सांसदों ने केंद्र से रेलवे विकास परियोजनाओं में तेजी लाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । कांग्रेस सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा, चमाला किरण कुमार रेड्डी, मल्लु रवि और सुरेश शेतकर ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और तेलंगाना में रेलवे अवसंरचना विकास, लंबित परियोजनाओं और जनता के लिए आवश्यक सुविधाओं पर चर्चा की।पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने विशेष रूप से रामागुंडम-मनुगुरु रेलवे लाइन की प्रगति पर चर्चा की, जो उनके संसदीय क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। इस लाइन के लिए लगभग 4,000 करोड़ के अनुमानित निवेश की आवश्यकता है। सांसद ने वर्तमान स्थिति, कार्य प्रगति और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने बताया कि यह रेलवे लाइन रामागुंडम, पेद्दापल्ली और मंचरियाल क्षेत्रों के औद्योगिक, वाणिज्यिक और परिवहन विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने मंत्री जी से परियोजना में तेजी लाने और जमीनी स्तर पर स्पष्ट प्रगति सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि रामागुंडम-मनुगुरु रेलवे लाइन पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।वामसी कृष्णा ने पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र में पहले से स्वीकृत रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) से संबंधित मुद्दों को भी उठाया, विशेष रूप से निधि जारी होने और निर्माण में देरी के बारे में। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से लगातार फॉलोअप करने के बावजूद, काम में देरी हो रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निर्माण स्थलों पर जलभराव से जनता को असुविधा और जोखिम हो रहा है, और लंबित कार्यों में तेजी लाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। सांसद ने रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ पेद्दापल्ली, रामागुंडम और मंचरियाल रेलवे स्टेशनों के उन्नयन पर भी चर्चा की। गद्दम वामसी कृष्णा ने कहा कि वह पेद्दापल्ली और मंचरियाल जिलों में रेलवे के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, लंबित परियोजनाओं में तेजी लाने और जनता के लिए बेहतर परिवहन सुविधाएं प्रदान करने के लिए केंद्रीय रेल मंत्रालय के साथ लगातार समन्वय कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने इस बात पर जोर दिया कि वे रामागुंडम-मनुगुरु रेलवे लाइन से लेकर आरओबी, एफओबी और स्टेशन के जीर्णोद्धार तक, निर्वाचन क्षेत्र के विकास के हर पहलू को केंद्र सरकार के ध्यान में लाते रहेंगे और त्वरित प्रगति सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे।

मंत्री ने अल्पसंख्यक टॉपर्स के अभिनंदन समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) ।अल्पसंख्यक कल्याण एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने बुधवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के 13 अगस्त को होने वाले अभिनंदन कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई। इस कार्यक्रम में अल्पसंख्यक समुदायों के उन मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने ग्रुप-I, ग्रुप-II आदि प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, साथ ही तेलंगाना माइनॉरिटीज रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी के एसएससी और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के टॉपर्स को भी सम्मानित किया जाएगा। बैठक के दौरान, मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की और संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कार्यक्रम सुचारू रूप से, व्यवस्थित तरीके से और छात्रों, उनके परिवारों और मेहमानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ आयोजित किया जाए। मंत्री ने अल्पसंख्यक छात्रों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचानने और प्रोत्साहित करने के महत्व पर जोर दिया, और कहा कि टॉपर्स की उपलब्धियां अधिक युवाओं को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए उचित सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, चिकित्सा सहायता, अग्नि सुरक्षा, नागरिक सुविधाओं और अन्य रसद व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

भाजपा द्वारा आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता अमर सिंह राजपुरोहित, पूर्व पार्षद लालसिंह सहित भाजपा के कार्यकर्तागण।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

PUB/SCoR-162

निविदा सूचना सं.SCoR-HQ-ENGG-W-USFD262702, दि.10-07-2026 के प्रति शुद्धिपत्र सूचना 1&2

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, दक्षिण तट रेलवे-दतरे, आभियांत्रिकी विभाग, विशाखापत्तनम द्वारा वेबसाइट:http://www.ireps.gov.in पर,निविदा सूचना सं.SCoR-HQ-ENGG-W-USFD262702,दि.10-07-2026के प्रति निम्न शुद्धिपत्र सूचना1&2 जारी किया गया है।

कार्य विवरण: दक्षिण तट रेलवे-एससीओआर के बीजेडए, जीएनटी & जीटीएल डिवीजनों में आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित पीएयुटी वेल्ड टेस्टर का उपयोग करते हुए फ्लैशबट्ट वेल्ड्स की युएसएफडी टेस्टींग या परीक्षण।

निविदा सूचना सं.SCoR-HQ-ENGG-W-USFD262702,दि.10-07-2026 का शुद्धिपत्र 1- जारी करने की तिथि:17-07-2026

क्रम संख्य	कार्य विवरण	मौजूदा तिथि	संशोधित की जानेवाली तिथि
1	निविदा बंद करने की तिथि & समय	05.08.2026 15:00	07.09.2026 15:00

निविदा सूचना सं.SCoR-HQ-ENGG-W-USFD262702,दि.10-07-2026 का शुद्धिपत्र 2- जारी करने की तिथि:07-08-2026

क्रम सं ख्य	दस्तावेज/ संदर्भ:	मौजूदा	संशोधित
1	योग्यता मानदंड विशेष तकनीकी मानदंड	टेंडर्ड वर्क/टेंडर किए गये कार्यों के लिए, निम्न पात्रता मानदंड लागू होंगे: 1. फर्म द्वारा दक्षिण तट रेलवे-एससीओआर के बीजेडए, जीटीएल& जीएनटी डिवीजनो में त्रैमासिक आवंटित एफबी वेल्ड्स का परीक्षण करने के लिए, पर्याप्त प्रत्येक पीएयुटी वेल्ड टेस्टिंग मशीनों के साथ एक ऑपरेटर तैनात किया जाना चाहिए। (आरडीएसओ लेटर नं.सीटी/युएसएफडी/फेज्ड एर्रे वेल्ड टेस्टर दि.27-06-2023 का अनुच्छेद 9.8 देखें)	टेंडर्ड वर्क/टेंडर किए गये कार्यों के लिए, निम्न पात्रता मानदंड लागू होंगे: 1. फर्म द्वारा दक्षिण तट रेलवे-एससीओआर के बीजेडए, जीटीएल& जीएनटी डिवीजनो में त्रैमासिक आवंटित एफबी वेल्ड्स का परीक्षण करने के लिए, न्यूनतम 7 संख्याक प्रत्येक पीएयुटी वेल्ड टेस्टिंग मशीनों के साथ एक ऑपरेटर तैनात किया जाना चाहिए। (आरडीएसओ लेटर नं.सीटी/युएसएफडी/फेज्ड एर्रे वेल्ड टेस्टर दि.27-06-2023 का अनुच्छेद या पैरा 9.8 देखें).
2	तकनीकी शर्ते	20. तकनीकी पात्रता मानदंड: क) फर्म के पास (बीजेडए, जीटीएल, जीएनटी डिवीजनों) के लिए, आरडीएसओ द्वारा सत्यापित पीएयुटी वेल्ड टेस्टर्स के साथ प्रमाणित ऑपरेटर्स होने चाहिए। औसत दैनिक विकास अवश्य रुप से, लेटर नं.सीटी/युएसएफडी/फेज्ड एर्रे वेल्ड टेस्टर दि.27-06-2023 के अनुच्छेद 9.8 के अनुरुप होना चाहिए। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रदत्त समय सारिणी नुसार, तत्संबंधित कार्य पूरा किया हुवा होना चाहिए। प्रभारी अभियंता/इंजीनियर-इन-चार्ज द्वारा प्रदत्त समय सारिणी नुसार, तत्संबंधित कार्य पूर्ण किये जाने के बारे में लिया गया निर्णय अंतिम होगा तथा यह निर्णय ठेकेदार/कान्ट्रैक्टर पर बंधनकारक होगा।	तकनीकी पात्रता मानदंड: क) फर्म के पास (बीजेडए, जीटीएल, जीएनटी डिवीजनों) के लिए, न्यूनतम 7 संख्याक आरडीएसओ द्वारा सत्यापित पीएयुटी वेल्ड टेस्टर्स के साथ प्रमाणित ऑपरेटर्स होने चाहिए। औसत दैनिक विकास अवश्य रुप से, लेटर नं.सीटी/युएसएफडी/फेज्ड एर्रे वेल्ड टेस्टर दि.27-06-2023 के अनुच्छेद 9.8 के अनुरुप होना चाहिए। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रदत्त समय सारिणी नुसार, तत्संबंधित कार्य पूरा किया हुवा होना चाहिए। प्रभारी अभियंता/इंजीनियर-इन-चार्ज द्वारा प्रदत्त समय सारिणी नुसार, तत्संबंधित कार्य पूर्ण किये जाने के बारे में लिया गया निर्णय अंतिम होगा तथा यह निर्णय ठेकेदार/कान्ट्रैक्टर पर बंधनकारक होगा।
3	सामान्य शर्ते खंड/क्लॉज़: 10	पहला त्रैमासिक या तिमाही (3 महिने) -27072 जायन्ट्स, दूसरी तिमाही (3 महिने)- 27072 जायन्ट्स (अर्थात् 54144 संचयी संधियां/क्युमुलेटिव जायन्ट्स) तीसरी तिमाही (3 महिने)-27072 जायन्ट्स (अर्थात 81216 संचयी संधिया), चौथी तिमाही (3 महिने)-27072 जायन्ट्स (अर्थात् 108288 क्युमुलेटिव जायन्ट्स)-पांचवीं तिमाही(तीन महिने)-27072 जायन्ट्स (अर्थात् 135360 क्युमुलेटिव जायन्ट्स), छहवीं तिमाही (तीन महिने) 27072 जायन्ट्स (अर्थात् 162432 क्युमुलेटिव जायन्ट्स), सातवीं तिमाही (तीन महिने)-27072 जायन्ट्स (अर्थात् 189504 क्युमुलेटिव जायन्ट्स), आठवीं तिमाही (तीन महिने)-27072 जायन्ट्स (अर्थात् 216576 क्युमुलेटिव जायन्ट्स)।	पहला त्रैमासिक (3 महिने) -18833 जायन्ट्स (एक महिना मोबिलाइजेशन अवधि शामिल), दूसरी तिमाही (3 महिने)- 28249 जायन्ट्स (अर्थात् 7082 क्युमुलेटिव जायन्ट्स), तीसरी तिमाही (3 महिने)-28249 जायन्ट्स (अर्थात् 75531 संचयी संधियां), चौथी तिमाही (3 महिने)-28249 जायन्ट्स (अर्थात् 103580 क्युमुलेटिव जायन्ट्स)-पांचवीं तिमाही(तीन महिने)-28249 जायन्ट्स (अर्थात् 131829 क्युमुलेटिव जायन्ट्स), छहवीं तिमाही (तीन महिने) 28249 जायन्ट्स (अर्थात् 160078 क्युमुलेटिव जायन्ट्स), सातवीं तिमाही (तीन महिने)-28249 जायन्ट्स (अर्थात् 188327 क्युमुलेटिव जायन्ट्स), आठवीं तिमाही (तीन महिने)-28249 जायन्ट्स (अर्थात् 216576 क्युमुलेटिव जायन्ट्स)।
4	सामान्य शर्ते खण्ड/क्लॉज़: 12	12) फर्म द्वारा उपरोक्त पैरा 10 में निर्धारित त्रैमासिक समय सारिणी नुसार, प्रत्येक पर्याप्त पीएयुटी वेल्ड टेस्टिंग मशीनों के साथ एक ऑपरेटर सहित तत्संबंधित कार्य पूरा किये जाने से संबंधित प्लानिंग को प्रस्तुत करना चाहिए। जबकि, साइट पर अधिकतम 60 वेल्ड्स संबध्द फ्लैश बट्ट वेल्ड्स के लिए प्रति दिन प्रत्येक आपरेटर की निर्धारित संख्या के वेल्ड्स होनी चाहिए। (आरडीएसओ लेटर नं.सीटी/युएसएफडी/फेज्ड एर्रे वेल्ड टेस्टर दि.27-06-2023 का अनुच्छेद या पैरा 9.8 देखें)। अतः ठेकेदार या कान्ट्रैक्टर द्वारा उपरोक्त पैरा 10 &11 में निर्धारित त्रैमासिक या क्वार्टरली शेड्यूल्स को पूरा करने के लिए, पीएयुटी वेल्ड टेस्टर्स एवं आपरेटर्स की रिक्वीसीट नंबर्स या आवश्यक संख्याक को तैनात करना चाहिए।	12) फर्म द्वारा उपरोक्त पैरा 10 में निर्धारित त्रैमासिक अनुसूची नुसार, न्यूनतम 7 संख्याक, प्रत्येक पीएयुटी वेल्ड टेस्टिंग मशीनों के साथ एक ऑपरेटर सहित तत्संबंधित कार्य पूरा किये जाने से संबंधित योजना या प्लानिंग को प्रस्तुत करना चाहिए। जबकि, साइट पर अधिकतम 60 वेल्ड्स संबध्द फ्लैश बट्ट वेल्ड्स के लिए प्रति दिन प्रत्येक आपरेटर की निर्धारित संख्या के वेल्ड्स होनी चाहिए। (आरडीएसओ लेटर नं.सीटी/युएसएफडी/फेज्ड एर्रे वेल्ड टेस्टर दि.27-06-2023 का अनुच्छेद या पैरा 9.8 देखें)। अतः ठेकेदार या कान्ट्रैक्टर द्वारा उपरोक्त पैरा 10 &11 में निर्धारित त्रैमासिक या क्वार्टरली शेड्यूल्स को पूरा करने के लिए, पीएयुटी वेल्ड टेस्टर्स एवं आपरेटर्स की रिक्वीसीट नंबर्स या आवश्यक संख्याक को तैनात करना चाहिए।
5	मास्टर टेन्डर डाक्यूमेन्ट खण्ड/क्लॉज़:1.1	टेंडर्ड वर्क/टेंडर किए गये कार्यों के लिए, निम्न पात्रता मानदंड लागू होंगे: फर्म के पास, दक्षिण तट रेलवे-एससीओआर के बीजेडए, जीटीएल& जीएनटी डिवीजनो में 2,16,576 संख्याक एफबी वेल्ड्स का परीक्षण करने के लिए, पर्याप्त पीएयुटी वेल्ड टेस्टिंग मशीनों सहित एक ऑपरेटर तैनाती से संबध्द पजेशन या दाखिला होना चाहिए। अन्यथा प्रस्ताव या आफर को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।	टेंडर्ड वर्क/टेंडर किए गये कार्यों के लिए, निम्न पात्रता मानदंड लागू होंगे:1. फर्म के पास, दक्षिण तट रेलवे-एससीओआर के बीजेडए, जीटीएल& जीएनटी डिवीजनो में 2,16,576 संख्याक एफबी वेल्ड्स का परीक्षण करने के लिए, न्यूनतम 7 संख्याक प्रत्येक पीएयुटी वेल्ड टेस्टिंग मशीनों सहित एक ऑपरेटर तैनाती से संबध्द पजेशन या दाखिला होना चाहिए। अन्यथा प्रस्ताव या आफर को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

मूल निविदा सूचना की अन्य सभी नियम & शर्ते अपरिवर्तित रहेंगी।

SCoR-A187 उप मुख्य अभियंता, ट्रैक, विशाखापत्तनम

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

शिव मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र को

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबोवली पुलिस ने ईगल टीम के साथ मिलकर ड्रग सप्लाई के मामले में बिस्वजीत कलिता उर्फ बिस्वा (28) को पकड़ा है। हैदराबाद यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र बिस्वा अभी गोपनपल्ली में रहता है और एक्टर ट्रेनर के तौर पर काम करता है।

पुलिस ने उसे मंगलवार को एससीयू कैंपस में पकड़ा और उसके पास से 5 ग्राम गांजा ज़ब्त किया। बताया जा रहा है कि वह गच्चीबोवली पुलिस स्टेशन में पहले दर्ज ड्रग केस में फरार चल रहा था। यह केस 7 अगस्त को तब दर्ज किया गया था जब पुलिस को कैंपस के मेन्स-एल हॉस्टल में ड्रग्स के इस्तेमाल के बारे में पक्की जानकारी मिली थी। जांच के दौरान, एक छात्र ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसने अपने दोस्त बिस्वा से 500 रुपये में 10 ग्राम सूखा गांजा खरीदा था। इस जानकारी के आधार पर, गच्चीबोवली पुलिस और ईगल टीम ने बिस्वा का पता लगाया और उसे कैंपस में पकड़ लिया।

मेडचल रोड कालाकल स्थित या देवी श्री आईजी गौशाला में श्रवण हलहरिनी अमावस्या पर गौ सेवा करते हुए सिरवी ताराराम पंवार, हनुमानलाल, राजूराम , नारायणलाल, अरुण सिंह , गणेश राम , लुंबाराम , प्रकाश कुमार , खरता राम , आशाराम सीरवी व अन्य

विश्व मंगल गौशाला में हरियाली अमावस्या महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल स्थित सोमाराम विलेज की विश्व मंगल गौशाला में हरियाली अमावस्या महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गौभक्तों ने गौमाता की सेवा की तथा धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया।

महोत्सव के अवसर पर गौभक्तों के लिए भोजन प्रसादी की विशेष व्यवस्था की गई। भोजन प्रसादी के लाभार्थियों में दीपाराम सीरवी— नारायणलाल सीरवी , देवाराम सीरवी, राजू भाई माली, अमराराम सीरवी, दलाराम सीरवी, चम्पालाल सीरवी, मोहनलाल सीरवी गोविन्द कुमावत, राकेश वैष्णव, प्रकाश सीरवी, वीन्जाराम जाट , दिनेशदुल्लापल्ली, महेंद्र एवं सुनील कुमावत, संदीप भाई पेमाराम सीरवी, डावरजी एवं सुरेशजी सीरवी कोम्पल्ली, अमराराम सीरवी—दुल्लापल्ली, अमराराम सीरवी, बुद्धाराम कुमावत कोम्पल्ली, जगमालाराम चौधरी, मदनलाल चौधरी कोम्पल्ली, अमराराम एवं भेराराम सीरवी, रमेश एवं प्रकाश तथा उदय भास्कर कोम्पल्ली शामिल रहे।

वहीं गौमाता के लिए हरी घास सेवा के लाभार्थियों में धनराज सीरवी, गंडी मैसम्मा; स्व. मोट सिंह की धर्मपत्नी ढली देवी—कनाजीगुडा; कोमल कुमावत—कोम्पल्ली; तथा आईदान राम सुथार—सुचित्रा और भीमराज सुथार सामराऊ शामिल रहे।

कार्यक्रम के अंत में विश्व मंगल गौशाला के अध्यक्ष टी.वी. सुरेश, सचिव शांतिलाल सुथार एवं संगीता सीरवी ने उपस्थित सभी गौभक्तों को भोजन प्रसादी एवं हरी घास सेवा के लाभार्थियों तथा भजन मंडलियों का आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 टी-20 मैच खेले जाएंगे

13, 15 और 17 सितंबर को नई दिल्ली में सभी मुकाबले; बांग्लादेश सीरीज संकट में

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 सीरीज की तारीखों को कन्फर्म किया है। मुकाबले 13, 15 और 17 सितंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। बोर्ड ने 10 अगस्त को भेजे लेटर में कहा कि बीसीसीआई ने तारीखों पर सहमति दी है। इस सीरीज के साथ ही भारत के बांग्लादेश दौरा की संभावना लगभग खत्म हो गई है।

सीरीज को लेकर बीसीसीआई या अफगानिस्तान बोर्ड से कन्फर्मेशन आना बाकी है। यह पहली बार होगा कि अफगानिस्तान बाइलेटरल सीरीज में आधिकारिक तौर पर भारत की मेजबानी करेगा।

बोर्ड ने मीडिया राइट्स होल्डर्स से अपनी एडवांस प्लानिंग, शेड्यूलिंग, प्रोडक्शन अरेंजमेंट, प्रमोशनल एक्टिविटीज और दूसरी तैयारियां शुरू करने को कहा है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत के साथ 6 मैचों के लिए 1 से 13 सितंबर की तारीखें तय की थी। इनमें 3 टी-20 और 3 वनडे मैच खेले जाने थे। बोर्ड प्रेसिडेंट तमीम इकबाल ने कहा था कि हमने सरकार से कहा है कि भारत से बात करे। तमीम ने विदेश मंत्रालय जाकर सुरक्षा की गारंटी मांगी थी। हालांकि बांग्लादेश सरकार या बीसीसीआई की ओर से इसपर कोई स्टेटमेंट नहीं आया। अब अफगानिस्तान सीरीज का कम से कम एक मैच इस विंडो से टकरा रहा है।

दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था। अब सीरीज सितंबर 2026 में कराने की बात चल रही है। हालांकि भारत की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली है।

तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

हालात सुधरते दिखने पर सीरीज संभवः हाल ही में भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलनका न्योता दिया। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई। इसके बाद सीरीज होने की संभावना बढ़ गई थी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान बोर्ड ने 14 सितंबर यानी गणेश चतुर्थी के दिन मैच कराने का प्रस्ताव भेजा है। बोर्ड ने बीसीसीआई से पूछा है कि क्या पहला या दूसरा मैच 14 सितंबर को किया जा सकता है। इससे सीरीज को त्योहार से जोड़ा जा सकेगा।

प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप में जीता दूसरे दौर का मैच; सिंदारोव को हराया

सेंट लुई (अमेरिका), 12 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड शतरंज टूर की प्रतियोगिता सिंकफील्ड कप के दूसरे दौर के मैच में जावोखिर सिंदारोव के डिफेंस को ध्वस्त करते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। दूसरे दौर के स्टार प्रज्ञानंद रहे जिन्होंने रानी के सामने वाले प्यादे से शुरुआत करके धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत की और आखिर में जीत हासिल करने में सफल रहे।

सिंदारोव ने काले मोहरों से खेलते हुए बाजी ड्रॉ कराने को प्राथमिकता दी लेकिन वह प्रज्ञानंद की प्रतिबद्धता का अनुमान नहीं लगा पाए। इसका भारतीय खिलाड़ी को फायदा मिला जिन्होंने 95 चाल में जीत हासिल की। उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव का इस साल के आखिर में विश्व चैंपियन डी गुकेश के खिलाफ विश्व खिताब के लिए मुकाबला होगा।

इस जीत से प्रज्ञानंद के 1.5 अंक हो गए हैं। उन्होंने पहले दौर की बाजी ड्रॉ खेली थी। इस बीच पहले दौर में जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने नीदरलैंड के अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेला।

दूसरे दौर में प्रज्ञानंद सहित चार खिलाड़ियों ने जीत हासिल की। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को, अमेरिका के ही वेस्ली सो ने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट को और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव ने अमेरिका के सावियन सैमुअल को हराया।

दंगल गर्ल बबीता फोगाट बनीं मां

नन्ही परी देख खुशी से फूला नहीं समाया परिवार

सोनीपत, 12 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के अखाड़े में देश का नाम रोशन करने वाली और 'दंगल गर्ल' के नाम से मशहूर बबीता फोगाट के जीवन में खुशियों का नया अध्याय जुड़ गया। महाशिवरात्रि के अवसर पर उनके घर नन्ही परी ने जन्म लिया।

बबीता ने दिल्ली के शालीमार बाग स्थित एक अस्पताल में दोपहर करीब 12 बजे बेटी को जन्म दिया। बेटी के जन्म की खबर मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। बबीता अब सोनीपत में कुमासपुर के पास स्थित एल्डिको काउंटी में परिवार संग रहती हैं। बेटी के जन्म को बबीता फोगाट ने बेहद खास और भावुक पल बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा करते हुए बेटी को मां पार्वती का स्वरूप बताया। उन्होंने लिखा कि महादेव की कृपा से शिवरात्रि के इस पवित्र दिन उनके जीवन में नन्ही परी के रूप में पार्वती स्वरूप बेटी का आगमन हुआ है। बबीता ने कहा कि बेटी के रूप में मिला यह सुख उनके और पूरे परिवार के लिए किसी अनमोल आशीर्वाद से कम नहीं है।

उन्होंने अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों से बेटी को अपना आशीर्वाद देने की अपील की। विदित रहे कि बबीता ने जनवरी, 2021 में बेटे युवराज को जन्म दिया था। बबीता फोगाट देश की चर्चित महिला पहलवानों में शामिल रही हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। उनके संघर्ष और कुश्ती के सफर को फिल्म 'दंगल' के माध्यम से देशभर में पहचान मिली। इसके बाद उनकी लोकप्रियता खेल के मैदान से निकलकर घर-घर तक पहुंची।

संन्यास के बाद अब कमेंट्री में डेब्यू करेंगे अजिंक्य रहाणे

मुंबई, 12 अगस्त (एजेंसियां)। हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अब टेस्ट क्रिकेट में अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं. क्रिकट के मैदान पर करीब 18 साल तक भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के बाद रहाणे अब कमेंट्री की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं. रहाणे टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान पहली बार टेस्ट कमेंट्री करते हुए दिखाई देंगे.

भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने जा रही है. इस सीरीज के लिए भारत के पूर्व टेस्ट कप्तान अजिंक्य रहाणे को सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के कमेंट्री पैनल में शामिल किया गया है. भारत-श्रीलंका टेस्ट मुकाबलों का लाइव प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स और सोनी लिव पर किया जाएगा. इस सीरीज के दौरान रहाणे कमेंट्री बॉक्स में डेब्यू करेंगे. टेस्ट क्रिकेट में अपने लंबे अनुभव के साथ वह मुकाबलों के दौरान रणनीति, खिलाड़ियों के फैसले और खेल के अहम पहलुओं को फैंस के सामने आसान तरीके से पेश करेंगे. कमेंट्री की दुनिया में कदम रखने को लेकर रहाणे ने कहा कि वह भारत के श्रीलंका दौरे पर सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और सोनी लिव के साथ टेस्ट कमेंट्री की शुरुआत करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं. उन्होंने कहा, "मैं सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और सोनी लिव पर भारत के श्रीलंका दौरे के दौरान टेस्ट कमेंट्री की शुरुआत करने को लेकर उत्साहित हूं. टेस्ट क्रिकेट हमारे खेल का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित प्रारूप है. इतने वर्षों तक भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद अब उसी खेल को एक अलग नजरिए से देखने का मौका मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है."

रहाणे ने आगे कहा कि, "मैं अपने अनुभव को साझा करने, खेल की बारीकियों को समझाने और प्रशंसकों को टेस्ट मैच के दौरान होने वाले अहम फैसलों, रणनीतियों और महत्वपूर्ण पलों के बारे में जानकारी देने के लिए उत्सुक हूं."

अजिंक्य रहाणे ने हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था. 37 वर्षीय रहाणे ने अपने शानदार क्रिकेट करियर में भारत के लिए खेले 85 टेस्ट मैचों में 38.46 की औसत से कुल 5077 रन बनाए. उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 12 शतक और 26 अर्धशतक दर्ज हैं. रहाणे ने भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी भी संभाली थी. उनकी कप्तानी में भारत ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर टेस्ट सीरीज में मात देकर इतिहास रचा था. एडिलेड टेस्ट में महज 36 रन पर ऑलआउट होने के बाद रहाणे ने टीम की कमान संभाली और भारत ने शानदार वापसी करते हुए सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी.

फुटबॉल खेलते समय बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत

शिलांग, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मेघालय में फुटबॉल खेलते समय बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। घटना वेस्ट खासी हिल्स जिले के मावस्नापविर गांव की है। हादसे में 8 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा दोपहर करीब 3 बजे हुआ। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान 18 साल के मिकसन खशियार और 19 साल के क्लेवर्सन खशियार के रूप में हुई है। दोनों जिले के लॉवराफा गांव के रहने वाले थे।

आंद्रे रसेल ने बल्ले से मचाई तबाही

सीपीएल में 9 छक्के लगाए, ऐतिहासिक कारनामा करने वाले बने पहले खिलाड़ी

बारबाडोस, 12 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के धाकड़ ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने एक बार फिर अपने बल्ले से तबाही मचाई है. कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 में जमैका किंग्समेन की ओर से खेलते हुए रसेल ने बारबाडोस ट्राइडेंट्स के खिलाफ मुकाबले में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 38 गेंदों पर 68 रनों की विस्फोटक पारी खेली. अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने ताबड़तोड़ 9 छक्के भी लगाए. हालांकि, उनकी यह पारी किंग्समेन को जीत नहीं दिला सकी, लेकिन रसेल ने इस पारी दम पर सीपीएल में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. सीपीएल 2026 में बुधवार को खेले गए मुकाबले में बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट पर 206 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. वहीं, लक्ष्य का पीछा करने उतरी जमैका किंग्समेन की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम ने सिर्फ 60 रन पर 5 विकेट गंवा दिए. वहीं, 7वें नंबर पर बैटिंग करने उतरे आंद्रे रसेल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों की जमकर कुटाई की और महज 38 गेंदों में 68 रन ठोक दिए.

38 साल के रसेल ने अपनी इस पारी के दौरान 9 गगनचुंबी छक्के जड़े और उनका स्ट्राइक रेट 178.95 का रहा. हालांकि, उनकी तूफानी पारी के बावजूद जमैका की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 201 रन ही बना सकी और 5 रन से मुकाबला हार गई. हालांकि, इस पारी के दम पर रसेल ने सीपीएल में इतिहास रचने का कारनामा किया है.

इस पारी के साथ रसेल ने कैरेबियन प्रीमियर लीग में अपने 2000 रन पूरे किए. इसी के साथ वह सीपीएल इतिहास में 2000 से ज्यादा रन और 100 से अधिक विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. उन्होंने लीग में अब तक कुल 118 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से कमाल का प्रदर्शन किया है. गेंदबाजी में उन्होंने 26.15 की औसत और 8.94 के इकॉनमी रेट से कुल 102 विकेट अपने नाम किए हैं.

फुटबॉलर रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जॉर्जिना से शादी की

10 साल से डेट कर रहे थे, पिछले साल सगाई की थी; दोनों के 4 बच्चे हैं

पुर्तगाल, 12 अगस्त (एजेंसियां)। फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल में अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने कोर्ट मैरिज की। रोनाल्डो और जॉर्जिना 2016 में मैड्रिड में मिले थे। दोनों तभी से साथ हैं। दोनों के चार बच्चे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अंगूठियां पहने हुए फोटो भी शेयर की है। रोनाल्डो और जॉर्जिना ने आज से ठीक एक साल पहले 12 अगस्त 2025 को सगाई की थी। उस वक्त जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम पर एंगेजमेंट रिंग की फोटो शेयर की थी और कैप्शन में लिखा था, 'हां, मैं आपसे प्यार करती हूं। इस जिंदगी और आने वाली हर जिंदगी में।'

रोनाल्डो और जॉर्जिना 10 साल से डेट कर रहे हैं। दोनों ने 2017 की शुरुआत में अपने रिश्ते की पुष्टि की थी और ज्यूरिख में फीफा फुटबॉल अवाड्र्स में पहली बार एक साथ दिखाई दिए थे।

जॉर्जिना एक स्पेनिश मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। रोनाल्डो और जॉर्जिना के चार बच्चे हैं। एवा मारिया और मातेओ का जन्म 2017 में सरोगेसी से हुआ था। वहीं, 2017 में ही जॉर्जिना ने बेटी अलाना मार्टिना और 2022 में बेला एस्मेराल्डा को जन्म दिया था। इसके अलावा रोनाल्डो का एक और बेटा है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर, जिनका जन्म 2010 में हुआ था।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर की मां की पहचान रोनाल्डो ने कभी उजागर नहीं की थी। 2010 में जब उनके बेटे का जन्म हुआ, रोनाल्डो ने कहा था कि मां अपनी पहचान गोपनीय रखना चाहती हैं और बच्चे की जिम्मेदारी/कस्टडी वे खुद संभालेंगे।

रोनाल्डो ने इसी साल पुर्तगाल के लिए अपना आखिरी फीफा वर्ल्ड कप खेला। पुर्तगाल की टीम जुलाई में राउंड ऑफ-16 के मुकाबले में स्पेन से 1-0 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस मैच से पहले रोनाल्डो ने घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी फीफा वर्ल्ड कप होगा। मैच के बाद उन्हें मैदान से बाहर जाते समय भावुक और आंखों में आंसू लिए देखा गया।

रोनाल्डो के वर्ल्ड कप डेब्यू के बाद पुर्तगाल ने 2006 में चौथा स्थान हासिल किया था। इसके बाद टीम 2010 में राउंड ऑफ-16 तक पहुंची, जबकि 2014 में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई।

रोनाल्डो का वर्ल्ड कप करियर 27 मैचों के साथ खत्म हुआ। वह सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप में कुल 11 गोल किए।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर आरोन समर्स को हुई जेल

कोर्ट ने सुनाई कड़ी सजा

मेलबोर्न, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बिग बैश लीग में होबार्ट हरिकेन्स के पूर्व क्रिकेटर आरोन समर्स को एक टीनएज फैन के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में जेल भेज दिया गया है. पर्थ, वेस्ट ऑस्ट्रेलिया के आरोन समर्स तेज गेंदबाज हैं. वह बिग बैश लीग और पाकिस्तान सुपर लीग जैसे बड़े फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट खेल चुके हैं. द नॉर्थ वेस्ट स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक आरोन समर्स को 10 महीने की जेल हुई है. तस्मानियन सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ फैसला सुनाया है. तस्मानियन सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस हेलेन वुड ने कहा कि समर्स ने युवाओं तक पहुंच बनाने के लिए क्रिकेटर के रूप में अपनी लोकप्रियता का उपयोग किया है.

लिवरपूल क्लब में हिस्सेदारी खरीद रहे लक्ष्मी मित्तल के दामाद

लंदन, 12 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटिश-भारतीय बिजनेसमैन अमित भाटिया इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल की टीम लिवरपूल में हिस्सेदारी खरीद रहे हैं। उन्होंने अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस के साथ मिलकर 30% हिस्सेदारी के लिए 17 हजार करोड़ रुपए की बोली लगाई है।

अभी लिवरपूल का मालिकाना हक फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप के पास है। एफएसजी के पास लिवरपूल की 97% हिस्सेदारी है। 3% हिस्सेदारी डायनेस्टी ग्रुप के पास है। डील फाइनल होने के बाद एफएसजी के पास 67% हिस्सेदारी बचेगी। भाटिया और बेजोस के पास 30% हिस्सा आ जाएगा। डायनेस्टी ग्रुप के पास पहले की तरहल 3% हिस्सेदारी रहेगी। 46 साल के अमित भाटिया, भारतीय स्टील कारोबारी लक्ष्मी मित्तल के दामाद हैं। 2004 में लक्ष्मी मित्तल की बेटी वनिषा से उनकी शादी हुई थी। भाटिया इनवेस्टमेंट बैंकिंग बैकग्राउंड से आते हैं।म भाटिया 2007 में फुटबॉल क्लब से जुड़े। तब मित्तल फैमिली ने लंदन के क्लब क्युपीआर (क्वींस पार्क रेंजर्स) में 20% हिस्सेदारी खरीदी थी। इसके वाइस चेयरमैन अमित भाटिया बने। फिर 2018 से 2023 तक वे क्यूपीआर के चेयरमैन भी रहे। लिवरपूल डील पर फोकस करने के लिए उन्होंने 2026 में 19 साल बाद क्युपीआर डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपनी हिस्सेदारी मौजूदा मालिक रुबेन ग्नानालिंगम को ट्रांसफर कर दी। पिछले कुछ सालों में प्रीमियर लीग क्लब्स की वैल्यूएशन तेजी से बढ़ी है। 2022 में चेल्सी 4.25 अरब पाउंड यानी करीब 54,949 करोड़ में बिका था। 2024 में जिम रैटक्लिफ ने मैनचेस्टर यूनाइटेड में 25% हिस्सेदारी खरीदी थी, जिसमें क्लब की वैल्यू 4.3 अरब पाउंड यानी करीब 55,393 करोड़ आंकी गई थी। 2023 में ही डायनेस्टी इक्विटी ने लिवरपूल में एक छोटी हिस्सेदारी खरीदी थी।

बांग्लादेश से पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 घोषित

बोलैंड बाहर; कमिंस, हेजलवुड और स्टार्क 1 साल के बाद एक साथ मैदान पर उतरेंगे

मेलबोर्न, 12 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से डार्विन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया टीम 20 साल के बाद डार्विन में कोई टेस्ट मैच खेलने उतर रही है। 8 महीने में कंगारू टीम का यह पहला टेस्ट मुकाबला होगा।

स्कॉट बोलैंड को पहले टेस्ट से बाहर रखा गया है। टीम मैनेजमेंट ने पेस अटैक में जोश हेजलवुड को बोलैंड पर तरजीह दी है। इसके साथ ही पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क एक साल से ज्यादा समय के बाद पहली बार किसी मैच में एक साथ खेलते नजर आएंगे।

एशेज सीरीज में हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बाहर रहे स्पिनर नाथन लायन की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई है। बैटिंग ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन और ब्यू वेबस्टर दोनों को टीम में जगह मिली है।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन और स्क्वॉड

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 (पहला टेस्ट)

जैक वेदरल्ड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), ब्यू वेबस्टर, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

ऑस्ट्रेलिया का सीरीज में टेस्ट स्क्वॉड

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जैक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

बांग्लादेश का स्क्वॉड (पहला टेस्ट)

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, लिटन दास, अमित हसन, जाकेर अली, तजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुस्फिक हसन।

शाहीन अफरीदी ने कहा- फिलहाल मैं ही पाकिस्तान का कप्तान

बाबर आजम को दोबारा जिम्मेदारी देने की चर्चा के बीच बयान दिया

इस्लामाबाद, 12 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने कप्तानी को लेकर बयान दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाहीन से पूछा गया- क्या आपको 2027 वर्ल्ड कप तक कप्तान बनाए रखने की कन्फर्मेशन मिली है। इस पर शाहीन ने कहा- 'फिलहाल वनडे टीम का कप्तान मैं ही हूं।' बाबर आजम को हाल ही में टेस्ट टीम की कप्तानी दी गई। उनकी लीडरशिप में टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रॉ खेली। अब बाबर को दोबारा वनडे टीम की बागडोर दिए जाने की भी चर्चा हैष। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बाबर को दोबारा सभी फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी जा सकती है।

शाहीन को अक्टूबर 2025 में मोहम्मद रिजवान की जगह पाकिस्तान का वनडे कप्तान बनाया गया था। रिजवान की कप्तानी में पाकिस्तान ने 20 वनडे खेले, जिसमें टीम ने 9 मैच जीते और 11 हारे। यानी टीम 50% मुकाबले भी नहीं जीत सकी। इसके बाद कप्तान बने शाहीन ने टीम को 11 में से 7 मुकाबले जिताए। वहीं में 4 हार मिलीं। उनका सक्सेस रेट 63.63% रहा है। बाबर ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने के बाद कप्तानी छोड़ी थी। वहीं 2024 टी20 वर्ल्ड कप में टीम अमेरिका से हार गई थी। टीम ग्रुप स्टेज से टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। इसके बाद अक्टूबर 2024 में बाबर ने वाइट बॉल के दोनों फॉर्मेट से इस्तीफा दे दिया था। नेशनल चैंपियंस कप टूर्नामेंट 11 से 18 अगस्त तक चलेगा। इसमें पाकिस्तान के डोमेस्टिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

बैडमिंटन वर्ल्ड कप में बंदर भगाएंगे लंगूर बने वॉलेंटियर

विदेशी मीडिया में भी मंकी मैनेजमेंट की चर्चा, सिंधु बोलीं- कोशिश की तारीफ हो

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में 17 अगस्त से शुरू होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान बंदरों का उत्पात रोकने के लिए इंसानों को लंगूर के वेश में तैनात किया जाएगा। इन कलाकारों को मंकी व्हिस्परर भी कहा जाता है।

इसके लिए 3 कलाकारों को हायर किया गया है, जो मुकाबलों के दौरान लंगूर का गेटअप में तैनात रहेंगे। बंदरों को लंगूरों से डर लगता है और वे उन जगहों पर नहीं टिकते जहां लंगूर होते हैं।

दिल्ली के कई इलाकों में बड़ी संख्या में बंदर मौजूद हैं। जनवरी 2026 में इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दौरान भी बंदरों ने परेशानी खड़ी की थी। इस मंकी मैनेजमेंट की चर्चा विदेशी मीडिया में भी है। भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने कहा कि इस समाधान पर हंस सकते हैं, लेकिन इस कोशिश की तारीफ होनी चाहिए।

दिल्ली की ये समस्या नेटफ्लिक्स की कॉमेडी-ड्रामा सीरीज मामला लीगल है के एक एपिसोड में भी दिखाई गई है। सीरीज में पटपड़गंज डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसर में बंदरों के आतंक से वकील परेशान हो जाते हैं। एक बंदर वकील का बैग छीनकर पेड़ पर ले जाता है और उसमें रखे पैसे नीचे फेंक देता है। इसके बाद वकील बंदरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हैं और हड़ताल तक कर देते हैं।

समस्या का समाधान निकालने के लिए सीरीज में वकील एक स्थानीय व्यक्ति को लंगूर की ड्रेस पहनाने का सुझाव देते हैं। उनका तर्क होता है कि बंदर लंगूरों से डरते हैं, इसलिए बंदरों को भगाया जा सकता है। शुरुआत में जज इस आइडिया को इंसानी गरिमा के खिलाफ बताते हैं। लेकिन बाद में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है और एक व्यक्ति को कोर्ट का एमआरओ यानी मंकी रीपीलिंग ऑफिसर बना दिया जाता है।

विदेशी मीडिया साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने नो मंकी बिजनेस हेडलाइन के साथ रिपोर्ट किया है। वहीं, द ट्रिब्यून और द न्यूज मिल ने भी इसको यूनिक इंडियन सॉल्यूशन बताया है।

सेना भर्ती में सहयोग को तैयार तेलंगाना सरकार : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती के लिए प्रोत्साहित करने और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए भारतीय सेना के साथ सहयोग करने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने सेना के अधिकारियों से अपील की कि राज्य के चयनित जिला मुख्यालयों में भर्ती पूर्व प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएं, ताकि स्थानीय युवाओं को सेना की विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं की जानकारी और तैयारी का अवसर मिल सके।

दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल सी. राजेश पुष्कर ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच सेना भर्ती सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर ने तेलंगाना के विभिन्न जिला मुख्यालयों में युवाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की दिशा में पहल करने की सहमति जताई। ये केंद्र देशव्यापी सेना भर्ती अभियानों से पहले युवाओं को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में मदद करेंगे।मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन में भारतीय सेना की भूमिका पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सेना को बचाव अभियानों, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा पुनर्वास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर ने आश्वासन दिया कि तेलंगाना में आपदा की स्थिति में स्थानीय सेना अधिकारियों को विशेष पहल करने के निर्देश दिए जाएंगे।इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर ने तेलंगाना सरकार की महत्वाकांक्षी मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि हैदराबाद को प्रदूषण से बचाने और शहर की ऐतिहासिक विरासत को पुनर्स्थापित करने के लिए मूसी नदी का पुनर्जीवन समय की आवश्यकता है। बैठक में तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, मेजर जनरल श्रीनिवास राव सहित सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आया सावन झूम के

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ समय के अंतराल के बाद, गुरुवार दोपहर शहर और उसके बाहरी इलाकों में फिर से बारिश शुरू हो गई।

हैदराबाद के बीच के इलाकों में तुलनात्मक रूप से तेज़ बारिश हुई, जबकि कुछ हिस्सों में हल्की-फुल्की बारिश (बूंदाबांदी) हुई। सुबह धूप खिली रहने के बाद दोपहर तक आसमान में बादल छा गए और जल्द ही बारिश शुरू हो गई, जिससे शहर के अलग-अलग हिस्सों में आने-जाने वाले लोग फंस गए।

मौसम विभाग ने जीएचएमसी (ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन) के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का बुलेटिन जारी किया था। हैदराबाद के अलावा, 'येलो वॉर्निंग' को पास के रंगारेड्डी ज़िले और कई अन्य ज़िलों तक भी बढ़ाया गया था। गुरुवार को तेलंगाना के अलग-अलग हिस्सों में भी मौसम के ऐसे ही हालात रहने का अनुमान है।

पत्नी को पीट-पीटकर मार डालने का आरोप

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह घटकेसर के द्वारका नगर स्थित घर में सो रही 37 वर्षीय महिला की उसके पति ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस को शक है कि शराब की लत और पत्नी के चाल-चलन पर शक इस हत्या की वजह थी। मृतक महिला की पहचान माधवी के तौर पर हुई है, जिनकी शादी कटरावथ राजू से करीब 18 साल पहले हुई थी। यह जोड़ा लगभग 15 साल से घटकेसर में रह रहा था और उनके तीन बच्चे हैं। पुलिस के मुताबिक, राजू पिछले तीन साल से शराब का आदी था। शक के कारण वह अक्सर माधवी से झगड़ता था और उसे परेशान करता था। माना जा रहा है कि मंगलवार रात को यह मामला और बढ़ गया।

पुलिस ने बताया कि बुधवार तड़के जब माधवी सो रही थी, तो राजू ने कथित तौर पर सीमेंट की ईंट से उसकी छाती पर हमला किया। हमले में उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सूचना मिलने पर घटकेसर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। राजू के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और हत्या के पीछे की असल वजह और हालात का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

राज्यपाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय में मनाया पुस्तकालय दिवस

डॉ. एस.आर. रंगनाथन को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ने दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन के सहयोग से किया। यह कार्यक्रम भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। इस दौरान 'राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस' भी मनाया गया। समारोह में 'एनईपी-2020 के अनुरूप पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षा' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के नवीनीकृत व्याख्यान एवं सेमिनार हॉल का भी उद्घाटन किया गया।राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने डॉ. एस.आर. रंगनाथन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पुस्तकालय ज्ञान, शिक्षा, अनुसंधान और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि बदलते डिजिटल युग के अनुरूप पुस्तकालयों में आधुनिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है, लेकिन इसके साथ पुस्तकालयों के मूल मूल्यों और परंपराओं का संरक्षण भी किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने पुस्तकालयों को समाज में ज्ञान के प्रसार और विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों के बौद्धिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

जीएचएमसी ने 126.6 मीट्रिक टन कचरा हटाया
विशेष मानसून अभियान का दूसरा दिन

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की ओर से शहर में 11 से 21 अगस्त तक चलाए जा रहे 10 दिवसीय विशेष मानसून अभियान के दूसरे दिन व्यापक सफाई एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्य किए गए। अभियान का उद्देश्य शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने, जलभराव वाले स्थानों को दुरुस्त करने, जनस्वास्थ्य संबंधी उपायों को मजबूत करने और नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है। अभियान के दूसरे दिन जीएचएमसी की टीमों ने 126.6 मीट्रिक टन पुराना नगर ठोस कचरा तथा 46.6 मीट्रिक टन निर्माण एवं विध्वंस कचरा हटाया। मानसून की तैयारियों के तहत 105 गड्ढों को भरा गया, 65 कैच पिट की सफाई की गई और दो कलवर्ट साफ किए गए। इसके अलावा 11.9 मीट्रिक टन तैरता हुआ कचरा एवं गाद हटाई गई।इस दौरान एक वर्षा जल संचयन संरचना के निर्माण की पहल की गई तथा दो गैर-आवासीय भवनों का सर्वेक्षण किया गया। जीएचएमसी ने 24 सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण करने के साथ ही दुकानों पर कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए 107 वाणिज्यिक कूड़ेदान स्थापित किए। जनजागरूकता अभियान के तहत 29 बल्क वेस्ट जनरेटर जागरूकता बैठकें, 26 पंजीकरण तथा सूचना, शिक्षा एवं संचार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 18 स्कूलों के करीब 700 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अभियान के दौरान 1,041 इंदिरम्मा साड़ियों का वितरण किया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए 11 जागरूकता शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 38 महिलाओं ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त 34 पार्कों से 47.5 मीट्रिक टन छंटाई की गई पेड़ों की शाखाएं तथा 10.45 मीट्रिक टन सूखा/हरा कचरा हटाया गया। जीएचएमसी ने कहा कि विशेष मानसून अभियान का उद्देश्य हैदराबाद को स्वच्छ, स्वस्थ और मानसून की चुनौतियों से निपटने में सक्षम शहर बनाए रखना है।

गोदावरी जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें : सीएम

सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश, सुंदिल्ला अन्नाराम और मेदिगड्डा बैराजों में एनडीएसए के सुझावों का पालन करें

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य में गोदावरी नदी के जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एललमपल्ली के साथ ही देवदुला और सीताराम परियोजनाओं से भी अधिकतम संभव मात्रा में पानी उठाने को कहा है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को एमसीआरएचआरडी में राज्य के सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने सुंदिल्ला, अन्नाराम और मेदिगड्डा बैराजों के संबंध में राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि एनडीएसए की सलाह के अनुसार ही इन बैराजों में पानी का भंडारण किया जाना चाहिए।सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि मेदिगड्डा के साथ-साथ सुंदिल्ला बैराज में भी कई खामियां सामने आई हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने एनडीएसए से आवश्यक परामर्श करने के निर्देश दिए। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि देवदुला परियोजना से पहले कभी नहीं की गई मात्रा में नौ पंपों के माध्यम से पानी उठाया गया है। मुख्यमंत्री ने देवदुला और सीताराम परियोजनाओं से जल उठाव में आ रही छोटी-मोटी समस्याओं का तत्काल समाधान करने के लिए अधिकारियों को विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न परियोजनाओं के तहत एक-दो गांवों और कुछ कृषि भूमि के मुआवजे का भुगतान अभी लंबित है। उन्होंने लंबित मुआवजे का तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। सिंचाई और राजस्व विभाग के अधिकारियों को प्रभावित गांवों का क्षेत्रीय दौरा कर डूब क्षेत्र, मुआवजा और पुनर्वास से संबंधित वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने तत्काल प्रभावित होने वाले गांवों को शीघ्र मुआवजा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को पूरा करने के बाद बसवापुर और गौरवेल्ली परियोजनाओं में पानी भरने की संभावना बनेगी।

मुख्यमंत्री ने गट्टू और गूडेंदोड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं की क्षमता बढ़ाने की संभावनाओं का व्यापक अध्ययन करने का निर्देश दिया। उन्होंने गूडेंदोड्डी पंप्ड स्टोरेज परियोजना के लिए तत्काल कंसल्टेंट नियुक्त करने को भी कहा।बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. शेषाद्रि, मुख्यमंत्री के सचिव माणिक राज, राज्य सिंचाई विभाग के सचिव ई. श्रीधर, आरएंडआर आयुक्त शिव कुमार नायडू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पेनुबल्ली में गर्ल्स गुरुकुल में चूहों ने छह छात्राओं को काटा

खम्मम, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के पेनुबल्ली मंडल के अदाविमल्ले गाँव में सोशल वेलफ़ेयर गर्ल्स गुरुकुल हॉस्टल में सो रही छह छात्राओं को चूहों के काटने से हडकंप मच गया है।

सोमवार रात हुई इस घटना से छात्राओं में दहशत फैल गई। घायल छात्राओं को मंगलवार को लंकासागर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनकी जाँच की और चूहों के काटने से होने वाली जटिलताओं को रोकने के लिए इंजेक्शन लगाए। छात्राओं की सेहत पर नज़र रखी जा रही थी। छात्राओं ने बताया कि हॉस्टल में ऐसी घटना पहली बार नहीं हुई है। पहले भी ऐसी घटनाएँ हो चुकी हैं और चूहों के डर से वे रात में चैन से सो नहीं पाती थीं।

छात्राओं के माता-पिता ने मांग की कि अधिकारी हॉस्टल में साफ़-सफ़ाई, खाने के सामान के रखरखाव और चूहों से छुटकारा पाने के उपायों से जुड़ी समस्याओं का तुरंत समाधान करें। वे चाहते थे कि अधिकारी छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें और चूहों की समस्या को खत्म करने के लिए कोई स्थायी समाधान लागू करें। कल्लूर के सब-कलेक्टर अजय यादव ने बुधवार को स्कूल का दौरा किया और अधिकारियों को चार दिनों के भीतर समस्या का समाधान करने का आदेश दिया।

तेलंगाना जेल के 78 कैदियों ने एसएससी परीक्षा उत्तीर्ण की

जेल एवं सुधार सेवा महानिदेशक ने प्रमाण पत्र वितरित किए

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुनर्वास और सामाजिक पुनर्एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, तेलंगाना की जेलों के 78 कैदियों ने पहली बार राष्ट्रीय मुक्त शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के माध्यम से एसएससी परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। तेलंगाना के कारागार विभाग ने कैदियों को माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए एनआईओएस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। चेरलापल्ली केंद्रीय कारागार, निज़ामाबाद केंद्रीय कारागार और हैदराबाद स्थित महिला विशेष कारागार से कुल 108 कैदियों ने कक्षा 10 के कार्यक्रम में दाखिला लिया। सफल उम्मीदवारों में से 56 चेरलापल्ली से, 15 निज़ामाबाद से और सात हैदराबाद की महिला विशेष जेल से हैं। इन कैदियों ने सरकारी और निजी शिक्षकों के सहयोग से नियमित कक्षाओं, मॉक टेस्ट और प्री-बोर्ड परीक्षाओं सहित एक वर्ष की सुनियोजित तैयारी की। जेल एवं सुधार सेवा महानिदेशक सौम्या मिश्रा ने सफल उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र वितरित किए और शिक्षा के प्रति उनके दृढ़ संकल्प और समर्पण की सराहना की। उन्होंने एनआईओएस के माध्यम से एसएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी कैदियों के लिए महानिदेशक की ओर से छूट की घोषणा की, जो शिक्षा और आत्म-सुधार के लिए प्रयासरत कैदियों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान करेगी। विभाग सफल उम्मीदवारों को एनआईओएस के माध्यम से सीनियर सेकेंडरी (10+2) की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। 10+2 पूरा करने के बाद, वे चेरलापल्ली केंद्रीय जेल स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम कर सकते हैं। सफल कैदियों को जेल के आईटीआई केंद्र में आईटीआई पाठ्यक्रम करने का भी अवसर मिलता है, जिससे उन्हें तकनीकी कौशल हासिल करने और रोजगार क्षमता बढ़ाने के अवसर मिलते हैं। यह पहल तेलंगाना जेल विभाग की शिक्षा, कौशल विकास, पुनर्वास और रिहाई के बाद कैदियों को सम्मानजनक जीवन जीने में मदद करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस कार्यक्रम में एनआईओएस मीडिया के संयुक्त निदेशक परमप्रीत सिंह, एनआईओएस हैदराबाद के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रवीण चौहान, कारागार महानिरीक्षक वाई. राजेश, हैदराबाद रेंज के कारागार उप महानिरीक्षक डॉ. डी. श्रीनिवास, वारंगल रेंज के कारागार उप महानिरीक्षक एम. संपत, चेरलापल्ली केंद्रीय कारागार के अधीक्षक जी. प्रमोद, कैदी कृषि कॉलोनी के अधीक्षक डी. भरत , हैदराबाद के एसपीडब्ल्यू अधीक्षक लक्ष्मी श्रीनाथ, सीपी निजामाबाद के अधीक्षक पी. अशोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ कारागार अधिकारी, एनआईओएस प्रतिनिधि, शिक्षक, कर्मचारी और कैदी उपस्थित थे।

बोनालू के दौरान आठ अपराधियों की पहचान करने में फेशियल रिकग्निशन से मदद मिली

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने 9 और 10 अगस्त को आयोजित लाल दरवाजा बोनालू समारोह के दौरान 116 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया था, इनमें से फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी ने पुराने आपराधिक रिकॉर्ड वाले आठ लोगों की पहचान करने में मदद की है।

सीसीएस स्पेशल क्राइम टीम और स्थानीय पुलिस ने जेबकतरी, मोबाइल चोरी और चेन-स्नैचिंग को रोकने के लिए कड़ी निगरानी के तहत क्रिमिनल डेटाबेस से जुड़े फेशियल रिकग्निशन कैमरों का इस्तेमाल किया। अतिरिक्त सीपी (क्राइम और एसआईटी) एम. श्रीनिवास के अनुसार, पहचाने गए आठ अपराधियों को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित पुलिस स्टेशनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि दो दिन के समारोह के दौरान चोरी, मोबाइल फोन चोरी या चेन-स्नैचिंग का कोई मामला सामने नहीं आया।

શ્રી ગુજરાતી પ્રગતિ સમાજ

૪-૩-૨૫૯, ગિરીરાજ લેન, બેંક સ્ટ્રીટ, સુલતાન બજાર, હૈદરાબાદ-૫૦૦ ૦૯૫.

વાર્ષિક સામાન્ય સભા સૂચના

માનનીય સમાજના સભાસદ્ ભાઈઓ તથા બહેનો,

સમાજની વાર્ષિક સામાન્ય સભા રવિવાર તારીખ ૧૬-૮-૨૦૨૬ ના રોજ સવારે ૧૦:૩૦ કલાકે વાઈલ્ડ વાટર્સ-વાટર એન્ડ એમ્યુઝમેન્ટ થીમ પાર્ક, સર્વે નં. ૧૨૫, મસાનીગુડા, શંકરપલ્લી, હૈદરાબાદ-૫૦૧૨૦૩, મુકામે રાખવામાં આવેલ છે. આપ સર્વે સભ્ય ભાઈ બહેનોને સમયસર હાજર રહેવા વિનંતી.

કાર્ય-હેતુ

૧. ગત વાર્ષિક સામાન્ય સભા તા: ૨૦-૦૭-૨૦૨૫ ની મિનિટ્સ નું વાંચન અને બહાલી.
૨. માનદ્ મંત્રીશ્રીના વર્ષ ૨૦૨૫-૨૬ ના અહેવાલની રજૂઆત અને બહાલી.
૩. વર્ષ ૨૦૨૫-૨૬ સમાજ તથા પેટા પ્રવૃત્તિઓના ઓડિટ હિસાબોનું વાંચન અને મંજુરી.
૪. વર્ષ ૨૦૨૬-૨૭ માટે ઓડિટરની નિમણુક તથા ઓડિટ ફી નક્કી કરવી.
૫. પ્રમુખશ્રીની પરવાનગીથી આવેલ વિષય ઉપર ચર્ચા-વિચારણા અને નિર્ણય.

રાહુલ કે. છેડા
માનદ મંત્રી

નોંધ :

બસો મુકવાના સ્થળ, પ્રગતિ મહાવિદ્યાલય કોલેજ, કંદાસ્વામીલેન, હૈદરાબાદ. આ સિવાયકોઈ પણ સ્થળેથી ૪૦ થી ઉપરની સંખ્યામાં સભ્યો ગ્રુપ બનાવી આવતા હોય તો ત્યાં થી સ્પેશિયલ બસ આપવામાં આવશે.
બસો મોડા માં મોડી સવારના ૮-૦૦ કલાકે રવાના થઈ જશે વહેલા તે પહેલા નિયમ થી બસ માં સીટો આપવા માં આવશે.
સાંજના બસો ૫-૦૦ વાગ્યે ત્યાંથી રવાના થઈ જશે.
વાટર રઈડ્સ ના કપડા ઘરે થી સાથે લઇ લેવા વિનંતી. જો કોઈ ખરીદી લેવા હોય તો પોતાના ખર્ચે લેવાના રહેશે. લોકર ના પૈસા જાતે ચૂકવાના રહેશે.
૫૦૦ રુપિયા આપી દીપક ભવન, હનુમાન ટેકડી થી વાઈલ્ડ વોટર્સ ના પાસ લેવાના રહેશે.
૫૦૦ રુપિયા તમને વાઈલ્ડ વોટર માં એન્ટ્રી થયા બાદ ટિકિટ જોઈને પાછા આપવામાં આવશે.
છેલ્લામાં છેલ્લા પાસ લેવાની તારીખ ૧૪-૦૮-૨૦૨૬, સમય ૧૧ થી પાંચ વાગ્યા સુધી આપવામાં આવસે. મેમ્બર આઈડિન્ટિટી કાર્ડ બતાવી ને પાસ લેવાનો રહેશે.

एलबी नगर पुलिस स्टेशन में कांस्टेबल की मौत से तनाव

2024 बैच के कांस्टेबल साई कुमार एसीपी कार्यालय में ई-कॉप्स ड्यूटी पर तैनात थे।

हैदराबाद, 12 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर पुलिस स्टेशन में बुधवार को उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब पुलिस कांस्टेबल साई कुमार की मौत की खबर सामने आई। साई कुमार का शव तड़के एलबी नगर एसीपी कार्यालय के विशाम कक्ष में फंदे से लटका मिला।

2024 बैच के कांस्टेबल साई कुमार एसीपी कार्यालय में ई-कॉप्स ड्यूटी पर तैनात थे। बताया गया कि रात की ड्यूटी के दौरान करीब 2:30 बजे उनका शव विशाम कक्ष में मिला। उन्हें तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल भेज दिया गया।

साई कुमार करमनघाट इलाके में दोस्तों के साथ एक कमरे में रह रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मौत के कारणों तथा घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। इधर, मृतक के परिजनों और समर्थकों ने घटना की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए आत्महत्या की थ्योरी पर संदेह जताया। उनका कहना था कि साई कुमार आत्महत्या नहीं कर सकते। उन्होंने घटनास्थल पर कथित रूप से मिले रक्त के धब्बों को लेकर भी सवाल उठाए। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग एलबी नगर पुलिस स्टेशन पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के कथित रूप से पुलिस स्टेशन में प्रवेश करने तथा एक कंप्यूटर और प्रिंटर को क्षतिग्रस्त करने से स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस का भारी बल तैनात किया गया। फिलहाल कांस्टेबल साई कुमार की मौत के वास्तविक कारण और घटना की पूरी परिस्थितियां जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.